श्रीगणेशायनमः ॥ वैतालपचीसीनामग्रन्थः ॥
श्रीयुक्तमहाराजावीरविक्रमाजीतवैतालसिद्ध ॥
॥ अथवैतालपचीसीग्रन्थारम्भः ॥ एकदिनरायदा
मस्लावयोंहैकिमहम्मदशाहवादशाहवार शा
हकेजमानेमेराजाजैसिंहसवाईनेजोमालिकजै
नगरकाथासुरतनामकवीश्वरनेकहाकिवैता
लपचीसीकाजोजवानीसंस्कृतमेहैतुमब्रजभा
षामेकहो ॥ तबमेउसनेबमूजिबहुकुमराजा
केब्रजकीबोलीमेकही ॥ सोहमउसकोजवान
उरदूमेछापाकरतेहैजोखासओरआमकेसम
झनेमेआवे ॥ शुरूकहानीकायहहै ॥ ॥
किधारानगरनामएकशहरवहांकाराजागन्धर्व
सेन उसकीचाररानियांथीउनसेछःबेटेथेएक
सेएकपंडितओरजोरावरथाकजाकारवादचंद
रोजकेवहराजामरगयाओरउसकीजगहबडाबे
टाशंखनामाराजाहुआफिरकितनेदिनोकेपी
छेउसकाछोटाभाईविक्रमबडेभाईकोमारकर
आपराजाहुआओरखबखूबीराजकरनेलगा
दिनबदिनउसकाराजएसाबढाकितमाम जंबू
द्वीपकाराजाहुआओरअचलराजकरकेसाक
बांधाकितनेदिनोकेबादराजानेयहअपनेदि

लमेविचाराकिजिनमुल्ककाकानाममैसुनताहूंउ
नकोसैरकियाचाहिये। वहअपनेदिलमेठानराज
गद्दीअपनेछोटेभाईभरथरीकोसौंप आपजोजो
गीवनमुल्कमुल्ककोऔरवनवनकीसैरकरने
लगा एकब्राह्मणउसशहरमेतपस्याकरताथा ए
कदिनदेवतानेउसेअमृतफललादियातवउसने
उसफलकोअपनेघरमेलाकरब्राह्मणीसेकहा
कीजोकोईइसेखावेगासोअमरहोगादेवतानेफ
लदेनेवहुतयहमुझसेकहा। यहसुनकेब्रह्मणी
वहुतरोईऔरकहनेलगीकियहहमेंवडापाप
भुगतनापडाक्योंकिअमरहोकेकबतकभीखमा
गेंगेवलिकइससेमरनाविहतरहेजोमरजायेतोसं
सारकेदुखसेछुटियेतवब्राह्मणबोलाकिलेतेतो
मैंलेआयापरतैसीवातसुनकेमेरीअकिलखोग
ई अवजोतूवतावैसोमैकरूंफिरउससेब्राह्मणी
नेकहायहफलराजाकोदेवऔरइसकेवदलेलक्ष्
मीलेवजिससेदीनऔदुनियाकाकामहोयवहवा
तसुनब्राह्मणराजाकेपासगयाऔरआसीसदीफ
लकाअहवालवयानकरकेकहाकीमहाराजय
हफलआपलीजियेऔरमुझेकुछलक्ष्मीदीनिये
आपकेचिरजीवरहनेसेमुझेसुखहैफिरराजानेवा

ह्मरा को लाख रुपैये दे विदा कर महल में आ जिस रा
नी को बहुत सा चाहता था उसे वुह फल दे कर कार
कहा ए रानी तू इसे खा कि अमर होवेगी और हमेशा
जवान रहेगी ॥ रानी ने इस बात सुनि राजा से फल
ले लिया राजा बाहर सभा में आया उस रानी का आ
सना वस एक कोतवाल था उह उसे फल दिया इ
त्तिफाकन एक वेशवा कोतवाल की दोस्त थी उ
उसने वह फल उसे दे कर उसकी खूबी वयान की
उस वेसवा ने अपने मन में विचारा कि यह फल रा
जा के देने योग्य है : यह बात अपने मन में ठहरा वु
ह फल राजा को जा कर दिया राजा ने फल ले लिया
और उसे वहुत सा धन दे विदा किया और फल को
देख अपने जी में चिन्ता कर संसार से उदास हो क
हने लगा कि यह संसार की माया किसी काम की न
ही क्यों कि इस से आखिर नरक में पड़ना होता है
तिस से विहतर यह है कि तपस्या कीजिये और भग
वान को याद में रहिये कि जिस से आगे को भला
होवे । यह बात दिल में ठान महल में जा रानी से पू
छा कि तुम ने वुह फल क्या किया उन्ने कहा मैं उसे खा
गई तब तो राजा ने वह फल रानी को दिखाया वुह दे
खते ही चमकी सी रह गई और कुछ जवाब न दे न

आया फिर राजा ने बाहर आ उस फल को खुला कर
खाया और राजपाट छोड़ जोगी बन अकेला बिन
कहे सुने बन को सिधारा विक्रम का राज खाली र
हा जब यह खबर राजा इंद्र को पहुंची तो उसने एक
देव धारानगर की रखवाली को भेजा वह दिन रात
उस शहर की चौकी दिया करता गरज इस बात का
शुहरः मुलुक व मुलुक हुआ कि राजा भरथरी रा
ज छोड़ निकल गया यह खबर राजा विक्रम भी सु
नते ही तुरन्त अपने देस मे आया उस वखत आधी
रात सी उस समे नगरी मे जाता था कि वुह जाय उ
का रातू कौन है और कहां जाता है खबरदार हु अपना
नाम बतात व राजा ने कहा मैं हूं राजा विक्रम अप
ने शहर मे जाता हूं तू कौन जो मुझे रोकता है तब दे
व बोला कि मुझे देवताओं ने इस नगरी की रखवा
ली को भेजा है जो तुम सत्य राजा विक्रम हो तो पहि
ले मुझ से लड़ो पीछे शहर मे जाव इस बात के सुनते
ही राजा ने चरना काछ कर उस देव को ललकारा
फिर वुह देव भी उस के सन्मुख हुआ लड़ाई होने ल
गी निदान राजा ने देव को पछाड़ उस की छाती प
र चढ बैठा तब उसने कहा ए राजा तूने मुझे पछाड़ा
लेकिन मै तुझे जीदान देता हूं तब तो राजा ने हसके

रकहातूदीवानाहुयाहेकिसकोजीदानदेताहेमैचा
हतोतुझेमारडालूं तूमुझेजीदानक्यादेगातववुहरा
क्षसवोलाकिहेराजामैतुझेकालसेवचाताहूंपहि
लेमेरीएकवातसुनफिरवेपरवाहैतमामदुनि
याकाराजकर। आखिरराजानेउसेछोड़दियाऔ
रउसकीवातदिलदेकरसुन्नेलगा फिरदेवनेय
हउससेकहाकिइसशहरमेचन्द्रभाननामएक
राजावडादानाथाइत्तफाकनएकरोजवहजङ्गल
कलगयातोदेखताक्याहेकीएकतपस्वीदरख
तमेउलटालटकाहुआहेऔरधुयापीपीक
ररहताहेनकिसेसकुछलेताहेनवातकरताहे
उसकायहहालदेखराजानेअपनेघरआसभा
मेवैठकरयहकहाजाकोईइसतपस्वीकोलावे
वुहलाखरुपेयेपावेइसवातकोसुनकरएका
वेसवानेराजाकेपासआयहअर्जकीअगरमहा
राजकीआज्ञापाऊंतोउसीतपस्वीसेएकलड़का
जन्मायउसकेकांधेपरचढ़ाकरलेआऊंइसवा
तकेसुनेसेराजाकोअचम्भाहुआऔरउसवेश
वाकोतपस्वीकेलानेकेवास्तेवीड़ादेकररुख
शतकियायहउसवनमेगईऔरयोगीकेमका
नपरपहुंचदेखतीक्याहेकीवुहयोगीसय।

हीउलटापलटकारहाहैनकुछखातानपीताहैश्रौरं
साखरहाहैगरजउसवेसवानेहलवापकाउसतप
स्वीकेमुखमेदियाउसीमीठामीठाजोलगातोतोवु
हउसेचाटलियाफिरउसवेशवानेश्रौरलगादिया
इसीतरहसेदोरोजतकहलवाचटायाकीउसकेखा
नेसेएककुवतउसेहुईतवउसनेश्रांखेखोलदरख
तसेनीचेउतरउससेपूछातूयहांकिसकामकोश्राई ।
वेशवानेकहामैंदेवकन्याहूंस्वर्गलोकमेंतपस्याक
रतीथीश्रवइसवनमेंश्राईहैंफिरउसतपस्वीनेकहा
तुम्हारीमढीकहांहैहमेंदेखावोतववहवेशवाने
उसतपस्वीकोश्रपनीमढीमेंलाकरषटरसभोजन
करवानेलगीतोतपस्वीनेधुश्रांपीनाछोडदियाश्रौर
हररोजखानाखानेपानीपीनेलगानिदानकामदे
वनेउसेसतायाफिरतपस्वीनेउससेभोगकियाजो
गखोयाश्रौरवेशवाकोगर्भरहावक्तिमएयनमेल
डकापैदाहुश्राजवकईएकमहीनेकाहुश्रातवउस
रंडीनेतपस्वीसेकहाकीगोशांईजीश्रवचलकरती
र्थयात्राकीजियेजिससरीरकेसवपापकटेंएसीवा
तेंकरउसेभुलायलडकाउसकेकांधेपरेचढाराजा
कीमजलिसकोचलीकिजहांसेवुहउसवातकावी
डाउठाकरश्राईथी।जिसवक्तराजाकेसामनेपहुची

राजाउसकोदूरसेपहचानश्रोरलडकेकोउसतपस्वी
केकांधेपरदेखयहभीमजलिससेकहनेलगादेखोतो
यहवहीविशवांहैजोजोगीकोलेनेगईथीउन्होंने
अर्जकीकिमहाराजसचफरमातेहोयहवहीहैश्रो
रमुलाहिजाफरमाइयेकिजोजोवातेंहजूरमेंश्र
र्जकरगईथीयेसचवकुश्रमेंश्राइयेवातराजाकी
श्रोरमजलिसीयोंकीजवयोगीनेसुनीतोसमझा
कीराजानेमेरीतपस्याकेडिगानेसेलियेयहयतन
कियाथा।जोगीयहश्रपनेजीमेंविचारकरवहां
सेउलटाफिरशहरकेवाहरनिकलउसलडकेको
मारडालाश्रोरएकजंगलमेंजायोगकरनेलगा।
श्रोरवादचन्दरोजकेउसराजाकानाकियाहुश्रा
श्रोरयोगीनेयोगपूराकियागरजइसकाव्योराय
हहैकितुमतीनश्रादमीएकनमस्मेंश्रोरएकन
क्षत्रयोगमुहूरतमेंपैदाहुएहो।तुमनेराजाकेघर
मेंजनमलियादूसरातेलीकेवेटाहुश्रातीसरायोगी
कुम्हारकेघरमेंपैदाहुश्रा।तुमतोवहांकाराजकरते
होश्रोरतेलीकावेटापातालकेराजकामालिकथा
सोउसकुम्हारनेखूबश्रपनायोगसाधातेलीको
मारमरघटमेंपिशाचवनासिरकेदरखतमेंउल
टालटकारखाहैश्रोरतेरेमारनेकीफिकमेंहैश्रगरतू

उसेवचेगातोराजकरेगा इसत्र्प्रहवालसेमैनेतुमे
कोवरदारकियातउसेगाफिलमतरहनाइतनीवा
तकहकरदेवतोचलागयायहत्र्प्रपनेमहलमेदा
खिलहुत्र्प्राजवंसुवहहुईतोराजावाहरनिकलके
ठादरवारित्र्प्रानकोहुकमकियाकिजितनेछोटे
वडेनोकरचाकरथेसवनेत्र्प्रात्र्प्राकेहजूरमेनजरे
दीत्र्प्रोरशादियानेवाजेनेलगेसारेसहरकोत्र्प्रजव
एकतरहकीखुसीत्र्प्रोरखुसीहासिलहुईकिजावजा
त्र्प्रोरघरवघरनाचरागमचगया फिरराजाराजकर
नेलगा एकदिनकाजिक्रहैकिशांतशीलनामयो
गीएकफलहाथमेलियेराजाकीसभामेत्र्प्रायात्र्प्रो
रउहफलउसकेहाथमेदेत्र्प्रासनउसजगहविछा
केवैठाफिरएकघडीकेपीछेचलागया राजाने
उसकेजानेकेवादत्र्प्रपनेमनमेविचाराकिजिसे
देवनेकहाथावहीतोनहो।यहगुमानकरफलन
खायात्र्प्रोरभंडारीकोवुलाकरदियाकिइसत्र्प्र
छीतरहसेरखनापरयोगीहमेशःइसीतरहसेत्र्प्रा
तात्र्प्रोरएकफलराजेदेजाताइतिफाकनएकरोजरा
जात्र्प्रपनेत्र्प्रसवलकेदेखनेकोगयाथात्र्प्रोरमुसा
हिवभीकछुसाथथेइतनेमेयोगीभीवहांपहुचा
त्र्प्रोरउसीतरहसेफलराजाकोहाथदियावुहउसेउछं

लनेलगाकिएकबारगीहाथसेज़मीनपरगिरपडा
औरखन्दरनेउठाकरतोडडालाऔरऐसाएकला
लउसमेसेनिकलाकीराजाऔरउसकेमुसाहिव
उसकीजोतकोदेखहैरानहुएतवराजानेयोगीसे
कहाकीतूनेयहलालमुझेकिसवास्तेदियातवउ
सनेकहाएमहाराजशास्त्रमेलिखाहैकिखाली
हाथइतनीजगहनजाय राजागुरूजोतषीवैदवे
टीइसवास्तेकिइहाँफलसेफलमिलताहै एराजा
तुमएकलालकोक्याकहतेहोमैनेजितनेफलतु
मकोदियेहैउनसवमेरतनहै। यहवातसुनराजा
नेभण्डारीसेकहाजितनेफलतुझकोदियेहैउन
सवकोलेआयाऔरउनफलोकोजोतोडवाया
तोसवमेसेएकएकलालपायाजवइतनेलालदे
खदेखेतोराजानिहायतखुशहुआऔररतनपा
रखीकोवुलवाालालोंकोपरखवानेलगाऔर
योंवोलाकिसाथकछुनहीजायगादुनियामेध
र्मवडीचीजहैजोकुछहरएकपरखकामोलहो
सोधर्मसेकहदीजियो यहवातसुनजौहरीवोला
किमहाराजतुमनेसचफरमायाजिसकाधर्मरहे
गाउसकासवकुछरहेगाधर्महीसाथजाताहै
औरवहीदोनोजहानमेकामआताहैसुनोमहा

एजहरएकपरवअपनेअपनेरङ्गरूप·ढङ्गमेदुरु
स्तहैअगरहरएककामोलकडोरकडोरकाहो तो
भीनहीहोसकता फिलवाकिऐसेएकएकरके
तीमएकएकलालकीकीमतहैयहसुनराजाव
हुतखुसहोजौहरीकेखिलतदेरुकसतकर
जोगीकाहाथपकडगदीपरलेआयाऔरकह
नेलगामहारातोसारामुलकभीएकलालकावहा
नहीहैतुमनेदिगम्बरहोकरजोइतनेरतनमेरेत
ईदियेहैइसकाविचारक्याहैसोतुममुझसेकहो
योगीवोलाराजाइतनीवातेजाहिरकरनीसुना
सिवनहीजंत्रमंत्रऔषधघरकाअहवाल
हरामकाखानाबुरीवातसुनीहुईयेसववातेमज
लिसमेकहीनहीजातीखीलवतमेहुगासुनो
यहकाइदाहैजोवातछःकानमेपडतीहैवुहम
खफीनीरहतीचारकानकीवातकोईनहीसुनता
औरदोकानकावातव्रह्माभीनहीजानताआद
मीकातोक्याजिक्रहै। यहवातसुनयोगीकोनि
रालेमेलेराजापूछनेलगाकिगोसाईजीतुमने
इतनेलालमुझेदियेऔरएकरोजभीभोजनन
कियामैतुमसेवहुतशरमिन्दःहूंअपनाजोमत
लवहोसोकहो। योगीवोलाराजागोदावरीनदी

केतीरमहास्मशानमेमंत्रसिद्धिकरूंगा उससे आठ
सिद्धितुझेमिलेगी सोमैंतुमसेभिक्षामांगताहूं एक
रोजतुममेरेपासरातभररहना तुम्हारेपासकेरहने
सेमेरामंत्रसिद्धहोजावेगा तवराजानेकहाखूबमैं
आऊंगा तुमवुहदिनहमेंवताजाओ योगीबोला
भादोंवदीचौदशमंगलवारकोसांझहथियार बांध
अकेलेतुममेरेपासआना। राजानेकहातुमजाओ
मैंमुकर्ररतोआऊंगा। इसतरहराजासेवचनलेक
रुखसतहोमठमेंजातैयारहोसवसामानलेवुहतोम
रघटमेंजाबैठा औरयहाराजाअपनेजीमेंफिक्रक
रनेलगा इसमेंवुहसायतभीआनपहुंची तबराजा
वहांतलवारबांधलंगोटकशअकेलायोगीकेपा
श जापहुंचा औरउसकोआदेशसुनाया योगीनेक
हा आओवैठो फिरराजाउहांवैठगया तोदेखता
क्याहैकिचारोंतरफभूतप्रेतडाइनतरहवेतरहकी
हौलनाकसूरतेंवनाएनाचतेहैं औरयोगीवीचमें
वैठादोकपालवजाताहै राजानेयहअहवालदेख
कुछडरभीनकिआ औरयोगीसेकहातुझेक्याआ
ज्ञाहै। उसनेकहाराजातुमआएहोतोएककामक
रो। यहांदक्षिनतरफदोकोसपरएकमरघटहैउस
मेंएकसिरसकेदरखततिसमेंएकमुर्दालटकता

हैउसेमेरेपासतुरंतलाओकिमैंयहांजापकरताहूं।रा
जाकोउधरभेजआपआसनमारजपकरनेलगा
एकतोअंधेरीरातकीआतीथीदूसरेमेंहकीऐसी
झड़ीलगीहुईथीगोयाआजबरसकरफिरकभीनबर
सेगाऔरभूतपलीदऐसेसोरगुलकरतेथेकिसूर
वीरभीहोतोदेखकेघबराजायलेकिनराजाअनी
रहचलाजाताथासांपजोआनआनपांवमेंलिप
टतेतोउनकोमंत्रपढ़छुड़ादेतानिदानजोंतोंकरट
वारकारकरराजाउसमसानमेंपहुंचातोदेखाकिहा
थपकड़आदमियोंकोढेदेकारनेहैडायनलड़कोंके
कलेजेचबातीहैशेरदहाड़तेहैहाथीचिंघाड़मार
तेहैगरजउसदरखतकोजोतमामकरदेखाजड़से
फुनगीतलकहरएकडारपातउसकादहदहड
जलताहैऔरहरचहारतरफमेंएकगौगावरपा
होरहाहैकिमारमारलेलेखबरदारजानेनपावे।
राजाउसअहवालकोदेखनडरालेकिनअपनेजी
मेंकहताथाहोनहोवहीयोगीहैजिसकीबातमु
झसेदेवनेकहीथीऔरपासजाकरजोदेखातोए
कमुर्दारस्सीमेंबंधाउलटालटकताहै।मुर्देकोदेख
राजाखुसहुआकिमेरीमिहनतसुफलहुईखांडाप
कड़लेउसपेड़परनिरभैचढ़एकहाथतलवारका

रोयह कहनेलगा सुनो राजा कवलका फूल सिर
से उतार कानसे जोलगाया तो गोया उन्नेतुमको
वत्ताया कि मैने करनाटक की रहनेवाली हूं औ
र दांत से जो कुतरा सो कहा की दन्तवाट राजा
की वेटी हूं और पांव से जो दवाया सो कहा की प
द्मावती मेरा नाम है और छाती से जो लगाया सो
कही तुमतो मेरे हृदय मे वसे हो। जब इतनी वातें
कुवरने सुनी तो उसे कहा वि हतरप हहै कि मुझे
उसके सहर मे ले चलो। यह कहते ही कपडे पह
न हथियार और वांध कुछ जवाहिर ले घोडो पर स
वार हो दोनो ने उसतरफ की राह ली। कई दिन
के वाद करनाटक देस मे पहुच शहर की सैर क
रते हुए राजा की महलो के नीचे आये तो वहां दे
खते क्या है कि एक वुढिया अपने दरवाजे पर
वैठी हुई चरखा कातती है दोनो घोडे से उतर उस
के पास जा कहने लगे माई हम मुसाफिर सौदा
गर है माल हमारा पीछे आता है और हम जाग
ह ढूढने के वास्ते आगे वढ आये है जो हमे जागह
देतो हम रहे। वुढिया उनकी सूरतों को देख औ
वातो को सुन रहम करके वोली यह घर तुम्हारा
है जवतक जी चाहे रहो गरज यह सुन मकान मे

उत्तरेतो कितनीएकदेरकेबादबुढियामिहरवानीसेउन
पसूआनवैठीवातकरनेलगीइसमेदीवानकेवेटेनेउ
ससेपूछातेरीआलऔलादऔरकुनवेमोकौनकौनहै
औकैसीकरगुजरानहोतीहै बुढियानेकहावेटामेरारा
जाकीखिजमतमेवहुतअछीतरहसेआसूदाहै औ
रपद्मावतीजोराजकन्याहैवदीउसेदूधपिलाईहै इ
सवुढाईकेआनेमेघरमेरहतीहूं परराजामेरेखानेपी
नेकीखवरलेताहै मगरउसलडकीकेदेखनेकोरोज
एकवक्तजातीहूं वहांसेआनकरघरमेहीअपनादु
खडाकियाकरतीहूं यहवातराजपुत्रनेसुनदिलमे
खुसहोवुढियासेकहा कलजिसवक्तजानेलगोतो
एकसन्देसाहमाराभीलेतीजाइयो उसनेकहावेटा
कालपरक्यामोकूफहै अभीमुझसेजोकुछकहोतो
मैतेरापैगामपहुचाउं तवउसनेकहातूइतनाजाक
रकहदेकीजेष्टसुदीपंचमीकोतालावकनारेजोराज
पुत्रकोतूमनेदेखाथासोआपहुचाहै इतनीवातके
सुननेहीवुढियालाठीहाथमेलियेराजमन्दिरकोग
ई वहांजाकर देखाकी राजकन्याअकेलीवैठी
है जवयहसामनेपहुचीतो उसनेसलामकिया
यहआसीसदेकर वोली किधिया वालकपन
मे तेरी खिजमतकी और दूधपिलाया अ ॥

व भगवानने तुझे वडा किया यह जी चाहता है कि तेरे ज
वानी का सुख देखूं तो मुझे भी चैन होवै इसी तरह की वा
ते महनगन्धामे जकर कहने लगी कि जेठ सुदी पंचमी
को तालावक नारे जिस कुवर का तुने मन लिया है सो
मेरे घर आनके रउतरा है उसने तुझे यह संदेसा दिया
है कि जो हमसे वचन किया था वह अब पूरा करो हम
अब आन पहुचे है और मै भी यह कहती हूं कि वुह कु
वर तेरे ही जोग है जैसी तू रूपवती वैसा ही वुह गुण
वंत है ये सब वाते सुन खफा हो हाथों में चंदन लगा
बुढिया के गालो में तमाचा मारा वुह कहने लगी कम
वख्त मेरे घर से निकल यह दिक हो उसी तरह से उ
ठती बैठती कुवर पास आई और सब आपना अहवा
ल कहा राजकुमार सुनकर हक्क वक्का होगया तब
दीवान का बेटा बोला महाराज कुछ फिक्र न कीजिये
यह बात आपने ध्यान मे नही आई फिर उसने कहा
सच है परन्तु मुझे समझाके मेरे जी को चैन होवे उ
सने जो दशो अंगुलियां संदल की भर कर मुह पर मारी
तो उन्ने यह बताया कि दस रोज चांदनी के हो चुके तो
अंधेरी मे मिलूंगी गरज दश रोज के बाद बुढिया ने
उसकी खबर फेर जा कही तब उन्ने केसर से तीन
अंगुलिया भर उसके गाल पर मारी ॥ ॥ ॥

औरयूकहानिकलमेरेघरसेआखिरबुढियालाचार
होकरवहांसेचलीऔरजोकुछमोआएथासोसबरा
जपुत्रसेआकरकहा।यहसुनतेहीगमकेदरियामें
डूबगयाउसकायहअहवालदेखफिरदीवानकेबे
टेनेकहाअंदेशानकरइसबातकामुदाकुछऔर
है।वुहबोलामेरीजीबेचैनहैमुझसेजलदीकहो
तबउसनेकहावुहउसहालमेंहैजोमहीनेमहीने
औरतकाहोनाहैइसलियेऔरतीनदिनकावया
दाकियाहैचौथेदिनवुहतुम्हेबुलाएगी।गरजज
बतीनदिनहोचुकेतोबुढियानेउसकीतरफसेखै
राफियतपूछीतबउसनेबुढियाकोखफाहोपछ
मतरफकीखिडकीपासलाकरनिकालदियाफि
रयहअहवालबुढियानेराजकुंवरसेआकरकहा
वुहसुनकरउदासहुआ।इतनेमेंदीवानकापुत्रबो
लाकिइसबातकामोआयहहैकीआजरातकीवक्त
तुमकोउसीखिडकीकीराहमेंबुलायाहैयहसुन
तेहीनिहायतखुसहुआ।गरजजबवुहवक्तआया
उसेरफूकेजोडेनिकालचुनबनापगडीयाबांधक
पडेपहनहथियारसजसजातआरहुएकिइसअ
रसेमेदोपहररातगुजरगई।उसवक्तएकआल
मसुमसानकाथाकियेभीवहांसेसुनगारेचुपचा

पचापच लेआतेथेजबखिडकीपासपहुचेदीवानका
बेटावाहरखडारहाऔरयहखिडकीकेअन्दरसा[illegible]
देखताक्याहैकिराजकन्याभीवहीखडीराहदेखती
हैकिइसमेइनदोनोकीचारनजरेहुईतबराजकन्या
हसीऔरखिडकीबन्दकरराजकुवरकोसाथलेकर
रंगमहलमेगई वहांजाकरदेखताक्याहैकिजाबजा
लखलखरोशनऔरसहेलियांरंगरंगकीपोसा
केपहनेहाथबांधेबाअदबअपनेअपनेरुत्तवेसे
खडीहै। एकतरफसेजफूलोकीबिछाहैअपनेअ
पनेकरीनेसेअतरदानपानदानगुलाबपासवगैरे
चौघडेआरास्तः। कियेहुएधरेहैऔरएकतरफचो
आचन्दनअरगजाकस्तूरीकेसरकटोरीयोमेभरा
हुआधराहै। कहीअच्छीमाजूनोकीरकाबीनडिबि
याचुनीहैकहींभांतिभांतिकेपकवानेधरेहैतमाम
दरओदीवारनकशोनिगारसेआरास्तः औरउ
नपरऐसीसूरतेबनीहुईहैकिहरएकदेखतेहीमोह
होजावे। गरजसारेऐसाओतरवकेसाजओसामा
नबहाहै अजबसमेकाआलमहैकिजिसकाकुछ
बयाननहीहोसकता। इसीमकानमेरानीपद्मावती
नेराजकुवरकोलेजाबिठलायाओपावधुलबासंद
लुवदनमेलगाफूलोंकेहारपहनागुलाबछिडकपं

खा अपने हाथ से झलने लगी इसमें कुंवर बोला हम
न्हारे देखने से ही ठंढे हुए इतनी मिहनत क्यों करती है
तुम्हारे ये नाजुक नाजुक हाथ पंखे लाइक नहीं पंखा ह
मे दो तुम बैठो। पद्मावती बोली कि महाराज आप बडी
मिहनत करके हमारे वास्ते आये हैं हमें आपकी खिज
मत करनी लाजिम है तब एक सहेली ने रानी के हाथ से
पंखा लेकर कहा यह हमारा काम है हम खिजमत क
रें और तुम आपस में आनन्द करो। वे वहां पान खाने ल
गे और इश्क मिलात की बातें करने कि इतने में भोर हुई
राजकन्या ने उसे छिपा रखा जब रात हुई तो फिर बा
हर रोश में मशगूल हुए इसी तरह से कितने एक दि
न बीत गये राजकुंवर जब जाने का इरादा करे तो रा
जकन्या जाने न दे इसी तरह से एक महीना गुजर ग
या तब तो राजा बहुत घबराया और फिक्रबंद हुआ
एक रोज की बात यह है कि रात के वक्त अकेला बै
ठा हुआ अपने जी में चिंता करता था कि देश राजपाट
घर सब कुछ तो छूटा ही था पर एक ऐसा दोस्त ह
मारा कि जिसके बाइस से यह सुख पाया उससे भी
महीने भर से मुलाकात नहीं हुई वुह अपने जी में क्या
कहता होगा और क्या जानिये उस पर कैसी गुजरती
होगी इसी फिक्र में बैठा हुआ था कि इतने में राजकन्या

भीआनपहुचीऔरउसकीअहवालदेखकरपूछ
नेलगीमहाराजतुम्हेक्यादुखहैजोतुमऐसेउ[illegible]
वैठेहोमुझेकहोतवउहवोलाकिएकदोस्तहमारा
वहुतयारादीवानकावेटाहैउसकाकुछअहवाल
महीनेभरसेमालूमनहीवुहऐसाचतुरपण्डितमि
त्रहैकिइसीकेगुणोसेमैनेतुझेपायाऔरउन्हीनेते
रासवभेदवतायाराजकन्यावोलीमहाराजतुम्हारा
चित्ततोवहाहैतुमयहांसुखक्याकरोगेइसमेविह
तरयहहैकिमैपकवानमिठाईसवकुछतैयारकर
केभिजवातीहूआपभीसिधारियेउसकोखिला
पिलावहुतसीतसलीकरखातिरजमासेफिरआ
इये।यहसुनतेहीराजकुवरवहासेउठकरवाहर
आयाओररानीनेविषमिलवातरहवतरहकीमि
ठाईवनवाकरभीजवाईकुवरमंत्रीकेपासजाकरवै
ठाहीथाकिइतनेमेवुहमिठाईआनपहुची।प्रधानके
वेटेनेपूछामहाराजयहमिठाईकिसतरहसेआईरा
जपुत्रवोलेमैवहातेरीचिन्तामेउदासवैठाथाकिइस
मरानीनेआमेरीतरफदेखकरपूछाउदासक्योवैठे
होकुछभेदउसकावताओफिरमैनेतेरेभेदचतुराई
केसवउसेवयानकिएतवयहअहवालसुनकेउ
सनेमुझेतेरेपासआनेकीइजाजतदीऔरयहमेरेवा

तोभेजवाईजोतुइसेखायगातोमेराभीजीखुशहो
[illegible]प्रधानकाबेटाबोलातुममेरेवास्तेजहरलाये
होइसीमेखैरहुईकिआपनेनहीखाईमहाराज।ए
कबातमेरीसुनियेकिरांडीअपनेदोस्तकेदोस्तको
नहीचाहतीअपनेयहखूबनहीकियाजोमेराना
मबहालिया।यहसुनकुवरबोलाऐसीबाततुमकह
तेहोजोकभीकिसूसेनहोअगरआदमीआदमी
सेनडरेपरभगवानसेतोडरेगा।इतनाकहउसनेउस
मेसेएकलड्डुकुत्तेकेआगेडालदियाज्योंहीकुत्तेने
खायावैहीछटपटाकेमरगया।यहतौरदेखराजपु
त्रअपनेजीमेगुस्सेहोकहनेलगाऐसीखोटीरंडी
सेमिलनालाजीमनहीआजतकतोमेरेदिलमेउस
कीमहबतथीपरअबमालूम।यहसुनदीवानका
बेटाबोलामहाराजजोहुआसोहुआअबवुहबा
तकिआचाहियेजिस्सेउसकोअपनेघरलेचलि
ये।राजपुत्रबोलाभाईयहभीतुमहीसेहोगादीवान
केबेटेनेकहाआजएककामकीजियेपरपद्मावती
केपासजाइयेऔरजोकहूंसोकीजिये।पहलेतोउ
सेजाकरबहुतसाइखलासप्यारकरिनबवुहसो
जावेतबउसकाजेवरउतारयहत्रिशूलउसकीबा
ईंजांघमेमारवहांसेतुरन्तचलेआओ।यहसुनरा

जकुमाररातकोपद्मावती पासगयाऔरबहुतसीवा
तेदोस्तीकीकरदोनोमिलकेसोरहेलेकिनवानेमें
यहकाबूदेखताथा गरजजबराजकन्यासोगईतोउ
नेसारागहनाउतारलियाऔरबाईजांघमेंत्रिशूल
मारअपनेमकानकोचला आयासाराअहवाल
प्रधानकेबेटसेबयानकरसबगहनाउसकेआगे
रखदिया फिरवुहजेवरउठाराजकुमारकोसाथले
योगीकाभेखबनाएकमसानमेंजाबैठआपतोगु
रूबना और उसे चेलाठहराकर उससे कहातूबाजा
रमेंजाकरइसगहनेकोबेच अगर कोईइसमेंतुझेप
कड़ेतो उसेमेरेपासलेआना उसकीबातसुनराजपु
त्रनेजेवरकोलेशहरमेंजामुनसिलराजाकीडेवढी
केएकसुनारकोदिखाया उसनेदेखनेहीपहिचान
करकहायहराजकन्याकीगहनाहैसचकहतूनेक
हांपाया। यहउससेकहाथा किदसबीसआदमी
औरभीइकठेहोगया गरजकोतवालनेयहखबरसु
नआदमीभेजराजकुमारकोमयजेवरऔरसुनार
पकड़वामगाया और उसजेवरकोदेखउसेपूछाकि
सचकहयहतूनेकहांसेपाया जबउसनेकहाकिमु
झेगुरूनेबेचनेकोदियाहैपरमुझेमालूमनहींकिवे
कहांसेलेआयेतबकोतवालनेउसकेगुरूकोभी

पकड़ा मंगाया और दोनों को जेवर समेत राजा के हजूर में लाकर तमाम अहवाल अर्ज किया। यह माजरा सुनके राजा योगी से पूछने लगा कि नाथ जी यह गहना तुमने कहां से पाया जोगी बोला महाराज काली चौदशि की रात को मैं मरघट में डाकिनी मंत्र सिद्ध करने को गया था जब वुह डाकिनी आई तो मैंने उसका जेवर उतार लिया और बाईं जांघ में उसकी त्रिशूल का निशान कर दिया इस तरह से यह गहना मेरे हाथ आया है यह बात राजा जोगी से सुन महल में गया और योगी आसन पर। राजा ने रानी से कहा तू पद्मावती की बाईं जांघ में देख तो निशान है कि नहीं है और है तो क्या निशान है। रानी ने जाकर देखा तो त्रिशूल का दाग है राजा से आकर कहा महाराज तीन निशान बराबर हैं पर ऐसा मालूम होता है गोया किसु ने त्रिशूल मारा है यह बात सुन बाहर आ राजा ने कोतवाल को बुलवाकर कहा जाओ योगी को ले आओ। कोतवाल हुकुम पाते ही योगी के लेने को गया और राजा अपने मन में विचार करके कहने लगा कि अहवाल घर का और दिल का इरादा और जो कुछ नुकसान हो सो किसु के आगे जाहिर करना मुनासिब नहीं कि इतने में कोतवाल ने योगी को ला हाजिर किया फिर योगी को राजा ने कनार

लेजापूछाकिगोसांईजीधर्मशास्त्रमेस्त्रीकेवास्ते
क्यादंडलिखाहैतबयोगीबोलामहाराजब्राह्मन
गोस्त्रीलडकाऔरजोकोईअपनेआसरेमेहोअग
रउनमेजिसकिसुसेकुछखोटाकामहोतोउनकेवा
स्तेयहदंडलिखाहैकिदेशनिकालदीजिये।यह
सुनकेराजानेपद्मावतीकोडोलीमेसवारकरवाएक
जङ्गलमेछुडवादियाफिरअपनेमकानसेराजकुमा
रऔरदीवानकाबेटादोनोघोडेपरसवारहोउसबन
मेजारानीपद्मावतीकोसाथलेदोनोअपनेशहरको
चलेबादचंदरोजकेअपनेबापकेपासजापहुचेसब
छोटेबडेकोनिहायतखुशीहुईऔरयेबाहमऐसक
रनेलगे।इतनीबातकहबेतालनेराजावीरविक्रमा
जीतसेपूछाउनचारोंमेपापकिसकोहुआजोतुम
इसबातकान्यायनकरोगेतोतुमनरकमेपडोगे।राजा
विक्रमबोलाउसराजाकोपापहुआबेतालनेकहा
राजाकोकिसतरहसेपापहुयाविक्रमनेयहउसको
जवाबदियाकीदीवानकेबेटेनेतोअपनेखामिन्द
काकामकिया।औरकोतवालनेराजाकाहुकुममा
ना।औरराजकुमारनेअपनामकसदहासिलकिया
इससेयहपापराजाकोहुआकिबिनाविचारउसेदे
शनिकालदियाइतनीबातराजाकेमुहसेसुनबेता

लउसीदरखतपरजालटका १ ॥ राम ॥ रामः ॥१

दूसरीकहानीसुरू ॥

राजादेखेतोवैताल नहीहै फिरउलटाफिराऔरउ
सीजगहपहुचेदरखतपरचढउसमुरदेकोबांधका
धेपररखकेलेचलातबवैतालबोलाकिराजादूस
रीकथायोहैकिजमुनाकेतीरधर्मस्थलनामएकन
गरहैकिजहांकागुणाधिपनामराजाऔरवहांके
शवनामब्राह्मनहैकिवुहयमुनाकेकनारेजपतप
कियाकरताथाऔरउसकीबेटीकानाममधुमाव
तीवहबडीखूबसूरतथीजबव्याहनयोगहुईतब
उसकेमातापिताभाईतीनोउसकीशादीकीफिक्र
मेथेइतिफाकनएकरोजउसकाबापकिसीअपने
जजमानकेसाथशादीमेकहीगयाथाऔरभाईउ
सकाएकरोजगावमेगुरूकेइहांपढनेगयाकिपी
छेउनकेघरमेएकब्राह्मणकालडकाआयाउस
कीमानेउसलडकेकागुणरूपदेखकरकहामेअ
पनीलडकीकीशादीतुमसेकरूगीऔरवहांब्राह्म
णनेबेटेकोबेटीदेनीकबूलकीऔरउसकेबेटेनेज
हांपढनेगयाथावहांएकब्राह्मणसेबचनहाराकि
अपनीवहनतुमेदूगाकितनेदिनोकेपीछेदोनोउ
सदोनोलडकेकोसाथलेआयेऔरयहांतीसरा

लड़कांआगेसेबैठाथाएककानामत्रिविक्रमदूसरेका
नामवामनतीसरेकानाममधुसूदनवेतीनोरूपगुण
विद्यावैसमेवरावरथेउन्होंकोदेखकेमाताचिंताक
रनेलगाकिएककन्याऔरतीनवरांकिसेदूंकिसेन
दूंऔरयहमंत्रीनोनेइनतीनोंसेवचनहाराहैअजव
तेरेकीवातपेशआईक्याकीजियेइसफिक्रमेंबैठा
थाकिइतनेमेंउसलड़कीकोसांपनेडसावुहमरगई
यहखबरसुनकेउसकावापभाईवेतीनोलड़केपा
चोंमिलकरखड़ीदौड़धूपकरगुनीगारुड़जितनेमंत्र
सेविषकेझाड़नेवालेथेउनसबकोलायेउनसभोंने
उसलड़कीकोदेखकरकहायहजीयेगीनहींयहे
लायोवोलाकिपंचमीछठअष्टमीनौमीचौदशइन
तिथोंमेंसांपकाकाटाआदमीजीतानहींदूसरावोला
सनीचरमङ्गलवारकाडंसाहुआभीजीतानहींती
सरावोलारोहिनीमघाश्लेषाविशाखामूलकृतिका
इननक्षत्रकाविषचढ़ाहुआउतरतानहीं।चौथावो
लाइंद्रीअधरकंठलिलाटकोखनाभीइनअङ्गोंका
काटाहुआवचतानहींपांचवांवोलायहांब्रह्माभी
जीलानहींसकताहैसकिसणिगनतीमेंहैअबआप
उसकीगतिकीजियेहमविदाहोतेहैंयहकहगुनी
तोचलेगयेऔरब्राह्मणउसमुरदेकोलेजामसान

मसानमेफेंकआपनोचल ग यापिरउसकेपीछेउ
नतीनोंनवानोंनेयहकियाकिएकतोउनमेसे उस
कीजलीहुईहड्डियोंकोचुनवांधफकीरहोवनवनकी
सैरकोगयादूसरेनेउसकीराखकीगठरीवांधवही
झोपडीवनारहनेलगा।तीसरायोगीहोझोलीकंथा
लेदेसविदेसविदेसफिरनेलगाएकदिनकिसदे
समेएकब्राह्मणकेघरभोजनकेलियेगयावुहगृह
स्तीब्राह्मणउसेदेखकेकहनेलगाअछाआजयही
भोजनकीजियेयहसुनकेवहांवैठगयाजिसवक्तर
सोईतैयारहुईउसकेहाथपावधुलालेजाचौकेमेवि
ठायाआपभीउसकेपासवैठगयाऔरउसकीब्राह्म
णीपरोसनेकोआईकुछपरोसगईकुछपरोसनावा
कीथाकिइतनेमेउसकेछोटेलडकेनेरोकरअपनी
माकाआंचलपकडावहछुडातीथीऔरलडका
नछोडताथाऔरजोंजोंयहभुलातीथीवुहदूनारो
ताऔरहठकरताथाइसमेउसब्राह्मणीनेखफाहो
लडकेकोचूल्हेमेउठाकरफेंकदियावुहलडकाजल
करखाकहोगयायहवालजवउसब्राह्मननेदेखा
तोविनाखायेउठखडाहुआतववहघरवालावोला
किसवास्तेभोजननहींकरतावुहवोलाकिजिसके
घरमेंएसाराक्षसकामहोउसकेघरमेकिसतरहमे

कोईभोजनकरेयहसुनवुहग्रहस्तउठकरएकओर
तरफअपनेघरमेगयाऔरसंजीवनीविद्याकीपो
थीलाउसमेसेएकमंत्रनिकालजपकरलडकेको
जिलादियाततवुहब्राह्मणयहअजाइवदेखअ
पनेजीमेचिन्ताकरनेलगाजोयहपोथीमेरहाथल
गेतोमैभीअपनीप्यारीकोजिलाऊयहअपनेमन
मेठानरसोईखायहीरहा।गरजजवरातहुईतोकित
नीएकदेरकेपीछेसवनेब्यालूकियाऔरअपनी
अपनीजगहजालेटेउधरइधरकीआपसमेवातेक
रतेथेयहब्राह्मणभीएकतरफजाकरपडारहालेकि
नपडापडाजागताथाजवउन्नेजानाकीवडीरातगई
औरसवसोगयेतवचुपकाउठआहिस्तेआहिस्तेउ
सकेघरमेपैठवुहपोथीलेचलदियाऔरकितनेदि
नोमेजिसमसानमेकिउसब्राह्मणकीवेटीकोज
लायाथावहांआनपहुंचाउनदोनोब्राह्मणोकोभी
वहीपायाकिआपसमेवैठेहुएवातकरतेहै।उनदो
नोनेभीउसेपहिचानउसकेपासआमुलाकातकी
औरपूछाकीभाईतुमदेसविदेसतोफिरेयहकहोकी
कोईविद्याभीसीखीहैयहसुनतेहीवोलेजोसीखेहो
तोहमारीप्यारीकोजिलावोउसनेकहाकिराखह
डकाढेरकरोतोमैजिलादूंउन्होनेराखहाडइकट्ठी

करदीतवउसनेपोथीमेसेएकमंत्रनिकालजपा वुह कन्याजीउठीफिरउननीनोंकोकामदेवनेपहअं धाकियाकीआपसमेझगडनेलगे। इतनीवातक हिकरवैतालवोलाएराजायहवताकिवुहस्त्री किसकीहुई राजाविक्रमवोलाकिजोमटीवांधक रलायावुहनारीउसीकीहुई वैतालवोलाजोउ हहाडनरखताथातोवुहकिसतरहसेजीतीऔरदू सराविद्यानसिखआतातोवुहक्योंकरउसेजिला ता राजानेजवावदियाकिजिसनेउसकीहडिया रखीथीवुहतोउसकेवेटेकीजगहहुआऔरजि सनेजीवदानदियावुहगोयाउसकावापहुया इसमेवुहजोरूउसीकीहुईकीराखसमेतझोपडी वाधवहारहायहजवावसुनकेवैतालफिरउसीद रखतमेजालटका राजाभीउसकेपीछेपीछेजापहु चाऔरउसेवाधकाधेपररखफिरलेचला २ ॥०

तीसरीकहानीसुरू॥

वैतालवोलाएराजावर्दवाननामएकनगरहैउस मेरूपसेननामएकराजाएकरोजकोइत्तिफाकहैकि वुहराजाअपनीडेवढीकेमुतसिलकिसीमकानमे वैठाथाकिदरवाजेकेवाहरसेकुछउपरीलोगोंकी आवाजआनेलगीराजावोलाकिदरवाजेपरकौ

नहैऔरक्यासोरहोगाहैइसमेदरवाननेजवावदियाम
हाराजआपनेयहभलीवातपूछादोलतमन्दकीड्
उढीजानधनकेलियेवहुतेरेआदमीआनवैठतेहै
औरभांतिकीवातेकरतेहैंउन्हीलोगोकायहशोरहै
यहसुनराजाचुपहोरहाइतनेमेएकमुसाफिरदछि
णदिशासेवीरवरनामराजपूतचाकरीकरनेकोआ
शाकियेराजाकीड्उढीपरआयादरवाननेउसका
अहवालमालूमकरकेराजासेकहामहाराजएक
सकशाहथिआरवन्दचाकरीकरनेकेआसरेपरआ
याहैसोदरवाजेपरखडाहैमहाराजकीआज्ञापाय
तोवुहरुवरूआययहसुनराजानेफरमायाकिलेआ
यहउसेजाकरलेआयातवराजानेपूछाएराजपूत
तेरेतईरोजखरचकीक्याहैकरदूंयहसुनकेवीरव
रवोलाहजारतोलेसोनामुझेरोजदेतोमेरीगुजरा
नहोराजानेपूछातुम्हारेसाथलोगकितनेहैउसने
कहाएकस्त्रीदूजावेटातीजीवेटीचौथीमेपांचवा
हमोरसाथकोईनहीउसकीयहवातसुनराजाकी
सभाकेलोगसवमुंहफेरकेहसनेलगेपरराजाअ
पनेजीमेसोचकरनेलगाकिवहुतधनइसनेकिस
वास्तेमांगाफिरआपहीमनमेसमझाकिवहुतधन
दियाहुआकिसीरोजसुफलहोयगायहविचारक

रकेराजानेभंडारीकोबुलाकरकहाहमारेखजाने
सेहजारतोलेसोनाइसवीरवरकीनईरोजदियाक
रोयहहुकमपरवानगीसुनवीरवरनेहजारतोलेसोना
उसदिनकोलेअपनीजगहलादोहिस्साकरआ
धातोब्राह्मणोंकोवांटाओरआधेकोफिरदोवार
करएकवरवराउसमेसेअतिथीवैरागीफकीरस
न्यासीकोंबांटदियाओरवाकीजोएकहिस्सारहा
उसकाखानापकागरीबोंकोखिलादियावाकी
जोकुछरहावुहआपखाया इसीतरहसेहमेस:
जोरूलड़कोंसमेतअपनीगुजरानकरताथा। ले
किनशामकीवक्तरोजढालतलवारलेराजाकेप
लंगकीचोकीमेंजाहाजिररहताओरराजाजब
सोतेथेचाकरपुकारताकिकोईहाजिरहैतोयही
जवावदेताकिवीरवरहाजिरहैजोहुकुमइसीतर
हराजाजवपुकारतातोयहीजवावदेताकिफिर
इसमेजोकामफरमातासोयभीवजालाताइसी
तरहधनकेलालचसेरातभरसचेतरहतावलि
कखातेपीतेसोतेबैठतेचलतेफिरतेआठपहरअ
पनेखाविन्दकीयादमेंरहताथारीतयहहैकिकोई
किसकोवेचताहैतोविकताहैपरचकरीयाचाक
रीकरकेअपनेतईआपवेचताहैओरजवविका

तोनौकेदारहुआजोमरवसहुआतोउसेसुखकहाम
सहूरहैकैसाहीचतुरआकिलपंडितहोयलेकिन
जिसवक्तअपनेखाविन्दकेसामनेहोनाहैजबतल
लकतरफउनसेहैचैनसेहैइसीवास्ते पंडितलो
गकहतेहैंकिसेवाधर्मकरनायोगधर्मसभीकठिन
हैएकरोजकाजिक्रहैकिइत्तिफाकनरातकेवक्तम
रघटसेरंडीकेरोनेकीआवाजआईराजासुनकेपु
काराकोईहाजिरहैवीरवरसुनतेहीबोलाहाजिर
जोहुकुमफिरराजानेयोंहुकुमकियाजहांसेऔ
रतकेरोनेकीआवाजआतीहैवहाजाऔरउस
सेरोनेकासबबपूछकरजलदआवोराजायहउ
सेफरमादिलमेंकहनेलगाकिजिसकिसीकोचा
करअपनाआजमानाहोतोवक्तबेवक्तउसेका
मकोकहेअगरवुहहुकुमउसकाबजालायेतो
जानियेकामकाहैऔरजोतकरारकरेतोजानिये
नकाराऔरइसीतरहसेभाइयोंकोदोस्तोंकोबुरे
वक्तमेंपरखियेऔरस्त्रीकोनादरीमेंजाचिये
गरजयहहुकुमपाकरउसकेरोनेकीआवाजकी
धुनपरगयाऔरराजाभीउसकासाहसदेखनेके
लियेकालेकपड़ेपहनकरपीछेपीछेवमालूमच
लाकिइसमेंवीरवरजापहुंचाउसमरघटमेंजहां

रखडीरोतीथीदेखताक्याहैकीएकऔरतखूबसूर
तसिरसेपावतलकगहनेसेलदीहुईडाढमाररोर
हीहैकभीनाचतीकभीकूदतीकभीदाउतीहैआ
खोमेआसूएकनहीलेकिनसिरपीटपीटहायहाय
करजमीनपरपरकानियाखातीहैउसकायहअह
वालदेखवीरवरनेपूछाकतूक्योइसकेदररोतीपीट
तीहैतूकौनहैऔरतुझपरक्यादुखहैतबवहबोली
किमैराजलक्ष्मीहूंवीरवरनेकहातूकिसकारणरो
तीहैफिरउसनेअपनीअवस्थावीरवरसेकहानी
शुरूकियाकिराजाकेघरमेशूद्रकमेहोताहैतिससे
उसकेघरमेअबलक्ष्मीआवैगीऔरमैउसकेघ
रसेजाऊंगीवादएकमहीनेकेराजानिपटदुखपाके
मरजायगाइसदुखमेरोतीहूंऔरमैनेउसकेघरमे
बहुतसुखकियाहैइसवास्तेयहपछतातीहैऔरयह
बातकिसीतरहसेछूटनहोगीफिरवीरवरनेपूछा
उसकाकुछऐसाभीइलाजहैकिजिसराजाबचे
औरसौवरसजीयेवहबोलीसुनऔरएकयोज
नपरदेवीकामन्दिरहैजोतूउसदेवीकोअपनेवेटे
कासिरअपनेहाथसेकाटकरदेतोराजासौवरस
इसीतरहसेराजकरेऔरकिसीतरहकाखलल
राजाकोनहोययहबातसुनतेहीवीरवरअपने

घरकोचलाऔरराजाभीउसकेपीछेहोलियागर
जबवुहघरमेआयातोअपनीजोरूकोजगासब
अहवालसुसरहबयानकियाउनेवहअहवालसु
नबेटेकोजगायापरबेटीभीजागीतबउसऔरत
नेलडकेसेकहाकिबेटातुम्हारासिरदेनेसेराजा
काजीबचताहैऔरराजभीकायमरहताहैयह
सुनवहबालकबोलामाताएकतोआपकीआ
ज्ञादुसरेस्वामीकाकाजतीसरेयहदेहदेवताकेका
मआवेतोइससेअछीकोईबातदुनियामेनहीहै
औरनजदीकअबइसकाममेंदेरकरनीमुनासिब
नहीमसलहैकिपुत्रहोवेतोअपनेबसकाऔर
कावानिरोरविद्यासेलाभमित्रचतुरनारीहुकुमब
रदारयेयेपाचबातेआदमीकेमयसरहोतोसुख
कीदेनेवालीऔरदुखकीदूरकरनेवालीहैअगर
चाकरबेमरजीऔरराजाबखीलदोस्तकपटी।
औरजोरूबेफरमानहोतोयेचारबातेआरामकी
दूरकरनेवालाऔरदुखकीदेनेवालीहैफिरवीर
वरअपनीस्त्रीसेकहनेलगाजोतूखुसीसेअप
नेलडकेकोदेतोमैलेजाराजाकेलियेदेवीकेआ
गेबलदूवहबोलीकीमुझेबेटाबेटीभाईबन्धुपाबा
पकिसुसेकुछकामनहीमेरीगतीतुम्हीसेहैऔ

स्थमेंशास्त्रमेभीयोंहीलिखताहैकिनारीनदानसे
नव्रतसेसुखहोतीनहीलड़काडालूलागऋावहरा ऋं
धाकानाकोढीकुवडाकैसाहीउसकास्वामीहोउ
सकोउसीकीसेवाकरनेसेधर्महैअगरकिसीनर
हकादुनियामेधर्म्मकरेऋोरखाविरुद्धकाहुकुमन
मानेतोदोजकमेपडेउसकावेटावोलापिताजिस
आदमीसेखाविरुद्धकाकामहोवेजगतमेउसीका
जीनासुफलहैऋोरउसमेदोनोजहानमेभलाहै
फिरउसकीलडकीवोलीजोमादेवैविषलडकी
कोऋोरवापवेचेपूतकोऋोरराजालेसर्व्वसछिना
यतोपनाहहैकिसकीलेएसाकुछएचारऋापसमे
विचारकरकेदेवीकेमन्दिरकोगयेराजाभीछिपक
रउनकेपीछेचलाजववीरवरवहांपहुचातोमन्दि
रमेजादेवीकीपूजाकरहाथजोडकहनेलगाहेदे
वीमेरेपुत्रकेवलदेनेसेराजाकीसोवरसकीउमरहो
यइतनाकहएकखाडाएसामाराकिलडकेकासि
रजमीनपरगिरपडाभाईकामरनादेखउसलडकी
नेऋपनेगलेमेएकखडुमारातोहराडसुराइजुदेहो
कागिरपडावेटेवेटीकोमुऋादेखवीरवरकीस्त्री
नेतलवारऋपनीगर्दनपरमारीकिधडसेसिरजुदा
होगयाफिरउनतीनोकोमरनादेखवीरवरऋपने

मनमें चिन्ता कर कहने लगा कि जब लड़के ही मर
गये तो नोकरी किसके वास्ते करूंगा और सोना राजा
से ले किसे दूंगा यह सोच कर एक समसेर ऐसी अप
नी गरदन पर मारी कि तन से सिर जुदा हो गया फिर
उन चारों का मरना देख राजा ने अपने दिल में कहा
कि मेरे वास्ते इसके कुटुम्ब की जान गई अब ऐसे राज
करने के लानत है कि जिसके लिये एक का सर्वस
नास होवे और एक राज करे ऐसा राज करना धर्म्म
नहीं है यह विचार कर राजा ने चाहा कि खाड़ा मार
मरूं इतने में देवी ने आन के हाथ पकड़ा और कहा
कि पुत्र मैं तेरे साहस पर प्रसन्न हुई जो तू मुझ से वर
मांगे सो मैं दूं राजा ने कहा माता जो तू प्रसन्न हुई है
तो इन चारों को जिला दे देवी ने कहा यही होवेगा
और यह कहते ही भवानी ने पताल से अमृत लाय चा
रों को जिला दिया बाद उसके राजा ने आधा राज अ
पना बीरबर को बांट दिया इतनी बात कह बैताल बो
ला धन्य है उस सेवक को कि स्वामी के लिये अ
पने जीव और कुटुम्ब का दरदन किया और धन्य है
उस राजा को कि जिसने राज और अपने जीव का कु
छ लालच न किया ए राजा मैं तुम से यह पूछता हूं उ
न पांचों में किसका सत सरस हुआ तब राजा बिक्र

गाजीतबोलाकीराजाकासतत्र्प्रधिकहुत्र्प्रावैतालबो
लाकिसकारणातबराजानेजबावदियाकिखाविन्द
केवास्तेजीदेनाचाकरकोउचितहैकोंकिउसकाय
हीधर्महैलेकिनराजानेजोचाकरकेलियेराजपाट
छोडजानेकीतिनकेकेबराबरजानाइसवाइससेरा
जाकासतसिवायहुत्र्प्राइतनीबातसुनवैतालफिर
उसीस्मसानकेदरखतमेजालटका ३ ॥ एमः ॥

चौथीकहानी ॥०॥

राजावहांजाफिरवैतालकोवाधकरलेचलातववै
तालबोलाकिसब्राजाभोगवतीनामएकनगरीहैत
हाकाराजारूपसेनत्र्प्रौरचूडामननामएकतोताउस
केपासहैएकदिनउसतोतेसेराजानेपूछाक्तूक्याक्या
जानताहैतवसुनबोलाकिमहाराजमैसबकछुजा
नताहूराजानेकहाजोतूजानताहैतोवतलाकिमेरे
बराबरसुन्दरनायकाकहांहैतबउसतोतेनेकहाम
हाराजमगधदेसमेमगधेश्वरनामराजाहैत्र्प्रौरउस
कीवेटीकानामचन्द्रावतीतुम्हारीसादीउसकेसा
थहोवेगीवहत्र्प्रतिसुन्दरहैत्र्प्रौरवडीपण्डितराजाने
उसतोतेसेयहबातसुनएकचन्द्रकान्तनामजोति
षीकोबुलाकरपूछाकिहमाराव्याहकिसकन्यासे
होवेगाउससेभीत्र्प्रपनेजन्मकेइलमसेमालूमक

रकेकहाचन्द्रवतीनामएककन्याहैउसकेसाथतु
म्हारीसादीहोवेगीयहवातराजानेसुनएकब्राह्म
णकोवुलावासवकुछसमझाराजामगधेश्वरके
पासभेजनेकेवक्तयहकहाअगरहमारेव्याहकी
वातपक्कीकरकेआवोगेतोहमतुम्हेंखुसकरेंगेय
हवातसुनब्राह्मणखुसहुआऔरवहांमगधे
श्वरराजाकीवेटीकेपासएकमैनाथाकिउसका
नाममदनमंजरीथाइसीतरहसेउसराजकन्याने
भीएकदिनमदनमंजरीसेपूछाकिमेरेलाइकशो
हरकहांहैतवसारिकावोलीभोगवतीनगरीका
राजारूपसेनहैसोतेरापतिहोगागरजअनदेखे
एककाएकपरप्रेम:हुआथाकिचंदरोजकेअर
सेमेंवुहब्राह्मणभीवहांपहुंचाऔरउसराजासे
अपनेराजाकासंदेसाकहाउसकीवातमानीऔ
रअपनाएकब्राह्मणवुलवाउसेटीकाऔरसव
रस्मकीचीजेंसवउसीब्राह्मणकेसाथभेजाऔ
रयहकहदियाकितुमहमारीतरफसेजाकरविन
तीकरराजाकोतिलकदेकेजलदीचलेआओ।
जवतुमआओगेतवहमशादीकीतैयारीकरेंगेअ
लकिस्सः येदोनोंब्राह्मणवहांसेचलेकितनेएक
दिनोंमेंराजारूपसेनकेपासआनपहुंचेऔरसव

अहवालवहाकाकहायहसुनराजाखुसहोसवतै
यारीकरव्याहकरनेकोचलावादचंदरोजकेउसदे
समेपहुचासादीकरदानदहेजलेराजासेविदाहो
अपनेदेसकोचलाराजकन्यानेभीचलतेवक्तम
दनमंजरीकापिजरासाथलेलियाकितनेदिनोके
पीछेअपनेदेसमेआनपहुचेऔरसुखसेअपने
मन्दिरमेरहनेलगेएकदिनकीवातहैकिदोनोपि
जरेतोतेमैनाकेगदीकेपासधरेहुयेथेकिराजारानी
आपसमेकहनेलगेअकेलेरहनेसेकिसुकादिन
नहीकरताइसमेविहत्तरयहहैकीतोतेमैनाकीवा
हमसादीकरदोनोकोएकपिंजरेमेरखियेतोयेभी
सुखसेरहेआपसमेइसतौरकीवातेकरएकवडा
सापिंजरामगवादोनोकोउसमेरखाचंदरोजकेवा
दराजारानीआपसमेबैठकुछवातेकरतेथेकितो
तामैनासेकहनेलगाकिदुनियामेभोगअसलहै
औरजिसजगतमेपैदाहोकेभोगनहीकियाउसका
जनमनाहककगयाइसतेतूमुझेभोगकरनेदेयहसुन
केसारिकावोलीमुझेपुरुषकीइच्छानहीतवउसने
पूछाकिसलियेमैनावोलीकिपुरुषपापीअधर्मी
दगावाजस्त्रीहत्याकरनेवालेहोतेहैयहसुनके
तोतेनेकहाकिनारीभिदगावाजझूठीवेवकूफला

लचीहव्यारीहोताहैजवइसतरहसेदोनोरुगडनेल
गेतोराजानेपूछातुमकिसवास्तेआपसमेरुगडते
होमैनावोलीमहाराजपुरुषपापीस्त्रीघातकरतेहै
इसवास्तेमुझेपुरुषकीचाहनहीमहाराजमैएकव
तकहतीहूआपसुनियेकिमर्दऐसेहोतेहै।इलापु
रनामएकनगरऔरवहामहाधननामएकसेठ
थाकिउसकेऔलादनहोतीथीवुहइसवास्तेहमे
शः तीर्थव्रतकरताऔरनित्यपुराणसुनताब्राह्म
णोकोवहुतसादानदियाकरतागरजकितनीमु
द्दतमेभगवानकीमरजीसेउससाहकेएकलड
कापैदाहुआउन्नेवडीधूमसेउसकीशादीकीऔ
रब्राह्मणोकोभाटोकोवहुतसादानदियाऔरभू
खेप्यासेकङ्गालोकोभीवहुतकुछदियाजवकि
वुहपांचवरसकाहुआतोउसेपढनेकोविठाया
वुहयहासेतोपढनेकोजाताऔरवहांजाकरल
डकोमेजुआखेलाकरताऔरातकोरंडीवाजी
इसीतरहसेकईवरसमेअपनासाराधनखोलाचा
रहोदेशशेनिकलखराबहोताहुआचन्द्रपुरन
गरमेजापहुचावहाहेमगुप्तनामएकसाहकार
थाकिउसकेवहुतदौलतथीयहउसकेपासग
याऔरअपनेवापकानामनिसानवतायावुहसु

नत्तेही खुस हुआ उससे उठकर मिला और इस्का तुम्हा
रा आना कैसा कर हुआ तब वह बोला कि मैं जहाज़ ले
ले एक दीप में सौदागरी को गया था और वहां जाउ
स माल को बेच और माल की भरती कर जहाज़ ले
अपने देश को चला वहां एक ऐसा तुफ़ान आया
कि जहाज़ तबाह होगया और मैं एक तखने पर बै
ठा रह गया सो बहता बहता यहां तलक आन पहु
चा हूं लेकिन सरम आती है कि माल दौलत तो सब
जाती रही अब मैं इस हालत से अपने सहर के लो
गों को क्या मुंह जाकर देखाऊं गरज जब इसी तर
ह की बातें इसने उसके आगे की तब उसने भी मन में
विचारने लगा कि मेरा फ़िक्र भगवान ने घर बैठे ही
मिटा दिया और ऐसा संयोग भगवान जी की कृपा
से बन पड़ता है अब देर करनी मुनासिब नहीं सब
से बिहत्तर यह है कि कन्या के हाथ भी लेकर दीजिये
जो कुछ इस वक्त हो सो बिहत्तर है और कल की कि
से खबर है ऐसा कुछ अपने जी में मन सूबः बांध सि
ठानी पास जा कहने लगा कि एक सेठ का लड़का
आया है जो तुम कहो तो रत्नावती का ब्याह उससे
कर दें वुह भी सुन खुश हो बोली कि साहजी ऐसा सं
योग जब भगवान बनाता है तब बनता है क्योंकि घ

रवैठेमनकीकामनापूरीहुईइससेविहतरयहहैकिदा
मनकरोऔरजलदपुरोहितकोवुलवालगनसुध
वायशादीकरदीतवउससेठनेव्राह्मणकोवुलवा
सुभलगनमहूरतठहरायकन्यादानकरवहुतसाद
हेजदियागरजजवव्याहहोचुकातोवहीवाहमर
हनेलगेफिरकितनेएकदिनोकेपीछेसाहकीवेटी
सेउनेकहाहमेतुम्हारेदेसमेआयेहुएवहुतदिनहु
एऔरअपनेघरवारकीकुछखवरनहीइससेहमा
राचित्तवहुतउदासरहताहेहमनेसवअहवाल
अपनातुमसेकहाअवतुम्हेयहचाहियेकीअपनी
मासेइसतरहसमझाकरकहोकिवेराजीहोहमेवि
दाकरेतोहमअपनेशहरकोजावेतुम्हारीइछाहो
तोतुमभीचलो।तवउन्नेअपनीमासेकहाकिवाल
महमारेअपनेदेसकोविदाहुआचाहतेहेअवतु
मभीवुहकरोकीजिसमेउनकेजीकोदुखनहोवे
सेठानीनेअपनेस्वामीकेपासजाकरकहातुम्हारा
दामादअपनेघरजानेकीविदामागताहेयहसुन
करसाहवोलाअछाविदाकरदेगेक्योकिविरानै
पूतपरकुछअपनाजोरनहीचलताजिसमेउस
कीखुसीहोगीवहीहमकरेगेयहकहअपनीवेटी
कोवुलाकरपूछातुमअपनीवातकहोससुरालजा

यगीयापीघरमेरहेगीइसमेलड़कीनेसरमाकेजवाव
नदियाउलटीफिरआईऔरअपनेखाविन्दसेआं
नकेकहाहमारेमातापिताकहचुकेहैकिजिसमेउ
नकीखुसीहोगीवुहहमकरेंगेतुमहमेमतछोड़जा
इयोगरज उससेठनेअपनेदमादकोवुलावहुतसी
दौलतदेविदाकियाऔरलड़कीकोभीडोलीएकदा
सीसमेतसाथकरदियातवयहवहासेचलाजवए
कमंजलमेपहुचाउन्नेसाहकीवेटीसेकहायहाव
हुतडरहैजोतुमअपनासवगहनाहमेउतारदोतोह
मअपनीकमरमेवांधलेफिरआगेजवशहरआवे
गातुमपहनलेनाउन्नेसुनतेहीसवजेवरउतारदिया
औरउसनेजेवरलेकहारोंकोविदाकरदासीकोमार
कुएमेडालदियाऔरउसकोभीजोरसेकुएमेढकेल
सवगहनालेअपनेदेशकोचलागयाइतनेमेएकमु
साफिरउसराहमेआयाऔररोनेकीआवाजसुनक
रखड़ाहोअपनेजीमेकहनेलगाकिइसजङ्गलमे
आदमीकेरोनेकीआवाजकहासेआईयहविचार
करउसरोनेकीआवाजकीओरकोचलाकिएककु
आनजरआयाउसमेझांकातोदेखताक्याहैकिए
कस्त्रीरोतीहैतवउसओरतकोनिकालाअहवाल
पूछनेलगाकितूकौनहैऔरकिसतरहसेइसमेगि

री यह सुनके उसने कहा मैं हेमगुप्त सेठ की बेटी हूं और अपने बालम के साथ उसके देश को जाती थी कि रस्ते में चोरों ने आ घेरा और मेरी दासी को मार मुझे कुए में डाल दिया और गहने समेत मेरे शौहर को बांध कर ले गये न उनकी मुझे खबर है न मेरी उन्हें। यह सुन बुढ़ वटोही उसे साथ ले आया और उस सेठ के द्वार पर पहुंचा पगया यह अपने मा बाप के पास गई वे उसे देखकर पूछने लगे कि तेरी क्या गति हुई उसने कहा हमें राह में आनके चोरों ने लूटा और दासी को मार कुये में डाल मुझे एक अंधेरे कुये में ढकेल दिया और मेरे शौहर को गहने समेत बांध के ले चले जब और धन मांगने लगे तब उसने कहा जो कुछ था सो तुमने लिया अब मेरे पास क्या है आगे वह मुझे खबर नहीं कि उसे मारा या छोड़ा तब उसका बाप बोला कि बिटिया तू फिक्र मत कर तेरा स्वामी जीता है भगवान चाहे तो थोड़े दिनों में आन मिलै क्योंकि चोर धन के गाहक होते हैं जी के गाहक नहीं। गरज उस साह ने जो जो गहना उसका गया था उसके बदले और आभूषन देकर बहुत सा दिलासा दिल बरी की और उधर साह का लड़का अपने घर पर पहुंच सब जेवर को बेच दिन रात रंडी बाजी करने लगा और जूया

खेलनेलगाय[illegible]ककिसवरूपेआतमामहुएतव
रोटीकोमुहताजहुआआखिरजवनिहायतदुख
पानेलगातोअपनेमनमेएकदिनविचाराकिस
रालघरजाकेयहवहानाकीजियेकितुम्हारेनवा
सःपैदाहुआहैउसकीवधाईदेनेकोमैआयाहूंय
हवातअपनेजीमेठानकरचलाकईदिनमेवहा
जापहुचा। जवउसनेचाहाकिघरमेंपैठेसामनेसे
उसकीस्त्रीनेदेखाकिमेरासोहरआताहैएसानहो
कीअपनेजीमेडरकरफिरजावेइसमेउसनेनजदी
कआपकरकहास्वामीतुमअपनेजीमेकिसीवा
तकीपरवामतकरोमैनेअपनेवापसेकहाहैकि
चोरोनेआनकेदासीकोमाराऔरमेरेजेवरउत
रवामुझेकुयेमेडालमेरेस्वामिन्दकोवाधलेगयेय
हीवाततुमभीकहियोकुछचिंतानकरोघरतुम्हारा
हैऔरमैदासीहूंयहकहकरवहघरमेचलीगई
यहउससेठकेपासगयाउसनेउठकरगलेसेल
गासवअहवालपूछाजिसतरहउसकीजोरूस
ममागईथीइसनेउसीतरहसेकहासोरेघरमेखुसी
हुईफिरसेठनेउसेअसनानकरवारसोईजिमाय
वहुतसानिहोराकरकेकहाकियहघरतुम्हाराहै
आनन्दमेरहोयहवहारहनेलगागरजकितने

एकदिनोकेवादरातकेवक्त वुहसाहकीवेटीगहना पहिनेहुए उसकेपाससोनेकोआई और सोगईज वदोपहररातहुई उन्नेदेखाकियहगाफिलसोगई है तव एकछुरी ऐसी उसकेगलेमेमारीकिवुहम रगई और सारागहना उसका उतार अपनेदेस कीराहलीइतनीवातकहकेमेनावोलीमहाराजय हमैंने अपनी आखोसेदेखा इसवास्ते मुझेमरदोसे कुछकामनहीमहाराजदेखोतोपुरुषकीवातए सीवाटपारहोतीहैकौन ऐसेसेदोस्तीकर अपने घरमेसापपालेमहाराज आपइसेविचारियेकि उसरंडीनेक्यागुनाहकियाथा॥ यहसुनकेराजाने कहाएतोतेरंडीमेएवक्याहैतूमुझसेकह। तव उहफिरवोलामहाराजसुनिये॥ कंचनपुर एकनगरहैवहासागरदत्तनामएकसेठउसकेवेटे कानामश्रीदत्त और एकनगरकानामजयश्रीपु रवहाकासोमदत्तनामएकसेठथा और उसकी वेटीकानामजयश्री वुहउससेठकेवेटेकोव्याही थी और लडकाकिसीमुल्कमेसौदागरीकेवा स्तेगयाथावुह अपनेमावापकेयहारहतीथी॥ ग रजजवउसेसौदागरीमेवारहवरसगुजरगये और उहयहांजवानहुईतोएकरोजसखीसोक

हनेलगीएवहिनमेराजोवनयोहीजाताहैसंसार
कासुखमैनेअवतलककुछनहीदेखायहवात
सुनकेसखीनेउससेकहातूअपनेजीमेधीरजध
रभगवानचाहेतोतेरासौहरजलदआमिलताहै
इसबातकोसुनकरगुसेसेहोअटारीपरचढकरऐ
सेझांकीतोदेखतीक्याहैकिएकजवानचला
आताहैजवनजदीकआयातोइसकीऔरउस
कीएकाएकचारनजरेहुईदोनोकादिलमिलग
यातवइन्नेअपनीसखीसेकहाकिउसस्कश
कोमेरेपासलेआयहसुनसखीनेउसेजाकरक
हाकिसोमदत्तकीकन्यानेतुम्हेएकानमेवुला
याहैपरतूममेरेघरआइयोफिरअपनेघरकाप
ताउसकोवतादियाउन्नेकहाकिरातकोमैजा
उंगासखीनेयहसेठकीलडकीसेआकरकहा
किउन्नेरातकीवक्तआनेकोकहाहैयहसुनके
जयश्रीनेसखीसेकहाकितूअपनेघरमेजाजव
वउहआवेमुझेषवरकरनातोमैभीघरसेसुचित
होकेचलूंगीसखीउसकीवातसुनकेआपाने
घरगईद्वारेपरवैठकेउसकीराहताकनेलगी
इतनेमेवुहआयाइन्नेउसेअपनीडेवढीमेविठा
करकहातुमयहावैठोमैजाकरतुमारीखवरक

रती हूं और आकर जयश्री से कहा तुम्हारा प्रीतम । आन पहुंचा है यह सुनके उन्ने कहा ज़रा ठहर जा घर के लोग सो जावें तो मै चलूं फिर कितनी एक देर बाद जब आधी रात का आलम हुआ और सब सो गये तब यह चुपके से उठकर उसके साथ चली । और एक छिन मे वहां आन पहुंची और खेर स्वतियार दोनो ने उसके घर मे मुलाकात की जब चार घरी रात बाकी रही यह उठकर अपने घर मे आन के चुपचुपाती सो रही और वुह भी भोर के वक्त अपने घर को गया । इसी तरह से कितने एक दिन बीत गये निदान उसका खाविन्द भी बिदेस से अपनी सुसराल मे आया जब इनने अपने सौहर को देख जी मे चिन्ता करके सखी से कहा इस सोच मे मेरा । जी है क्या करूं किधर जाऊं मेरी नीद भूख प्यास सब बिसर गई न ठहराव रहे है न ग़म और जो कुछ अहवाल अपने चित का था सो सब कहा । ग़रज़ जो तों कर लो दिन का टापर शाम के वक्त जब उसका शौहर ब्यालू कर चुका तब उसकी सास ने एक ज़ुदे चौबारे मे सेज बिछवाकर कहला भेजा कि तुम वहां जाकर आराम करो और अपने बेटी से कहा । कि तू जाकर अपने शौहर की सेवा कर । वुह इस

वात्तकोसुननाकभीचदाचुपकीहोरही।फिरउसकी
मानेडांटकेउसकेपासभेजावेवसहोकेवहांगईऔर
मुहफेरपलंगपरलेटरही।वुहजोंजोंउससेनेहकी
वातेकरताथाजौंतौंउसेजियादादुखहोताथा।फि
रतरहतरहकेवस्त्रआभूषणजोजोहरएकम
कानसेउसकेवास्तेवुहलायाथासोवहदियेऔ
रकहाकीइसेपहनतवतोउननेऔरखफाहोवे
भौंहेंतानमुहफेरलियाऔरयहभीलाचारहोसो
रहाक्यौंकिहारामादाराहकाथापरउसेअपने
यारकीयादमेनीदनआई।जववुहसमझीकीयह
नीदसेअचेतहुआतववुहहोलेहोलेउठउससो
ताअंधेरीरातमेनिडरअपनेदोस्तकेमकानको
चलीकिराहमेएकचोरनेउसकोदेखकरअपने
मनमेचिन्ताकीकियहऔरतगहनापहिनेहुए।
आधीरातकेवक्तअकेलीकहांजातीहैयहवात
अपनेजीमेकहउसकेपीछेहोलियागरजजोंतो
यहअपनेयारकेमकानमेपहुचीऔरवहांउसे
सांपकाटगयाथावुहमुआपडाथाउननेजानाकि
सोताहैउसकेविरहकीआगकीजलीहुईजोथीवे
अखतियारउसेलिपटकरप्यारकरनेलगीऔर
चोरदूरसेतमाशादेखनेलगा।वहांएकपीपलके

दरखतपरएकपिशाचभीवैठाहुआयहतमाशादे
खताथाअचानकउसकेमनमेआयाकिउसकेव
दनमेपैठइससेभोगकीजियेयहविचारकरउसके
कालिवमेआभोगकरआखिरदांतोसेउसकीना
ककाटउसीदरखतपरजावैठा। चोरनेयहसवअह
वालदेखाऔरखुहलाचारउसीरक्लोहूसेचुह
चुहातीहुईसखीकेपासगईऔरसवमाजराकह
नवसखीवोलीकितूअपनेशोहरकेपासजलद
जाकिआफतावतुलूहनहोनेपावेऔरउहांजा
करडाढमारकेरोइयोजोकोईतुझेपूछेतोकहना
किइननेमेरीनाककाटलीहैयहसखीकीवातसु
नतेहीतुरन्तजाडाढमारमाररोनेलगीइसकेरोने
कीआवाजसुनसाराकुटुम्बकेलोगआयेदेखते
क्याहैकीउसकीनाकनहीनकटीवैठीहै। तववो
लेकीएनिर्लज्जेपापीनिर्दईमूढमतिविनाअपरा
धकियेइसकीनाकक्योंकाटीवुहभीयहसवांगदे
खचिन्ताकरअपनेजीमेकहनेलगाकिचंचलचि
तकाकालेसापकाशस्त्रधारीका उसमनकावि
श्वासनकीजियेऔरस्त्रियाचरित्रसेडरियेकवी
श्वरकावर्णननहीकरसकताऔरयोगीकाकु
छनहीजाननामनवालाकाकुछनहीवकतारंडी

क्यानहीकरसकतीसचहैघोडेकाऐवबादलकागर
जनास्त्रियाकाचरित्रश्रौपुरुषकाभागयहदेवता
भीनहीजानतेश्रादमीकातोक्यामकदूरहै। इतने
मेउसकेवापनेकोतवालकोयहखवरदीवहांसे
प्यादेउतरेकेश्रायेश्रौरइसेवांधकोतवालकेपा
सलायेकोतवालनेराजाकोखवरकीराजानेउ
ससेयहश्रहवालवुलवाकेपूछातोउन्नेकहामै
कुछनहीजानताश्रौरसेठकीलडकीसेवुलाकर
जोपूछातोउन्नेकहामहाराजश्रायादेखकेमुझसे
क्यापूछतेहो।फिरराजानेउससेकहातुझेक्यासजा
देयहसुनकेवोलाश्रापकेन्यायमेजोठहरेसोकीजि
येराजानेकहाइसेलेजाशूलीदोलोगराजाकीश्रा
ज्ञापाकेउसेशूलीदेनेकोलेचलेयहसंयोगदेख
वुहचोरभीवहांखडातमासादेखताथाजवउसेश्र
कीनहुश्राकियहनाहककमाराजाताहैतवउनेदुहाई
दी।राजानेउसेवुलाकरपूछातूकौनहैवुहवोलाकी
महाराजमैचोरहूंश्रौरयहवेगुनाहहैनाहकइसका
खूनहोताहैश्रापनेकुछन्यायनकिया।तवराजाने
उसेभीवुलवायाश्रौरचोरसेपूछातूश्रपनेधर्मसेस
चकहकियहमुकद्दमाकिसतरसेहैतवचोरनेश्रो
रवारश्रहवालकहाश्रौरराजाभीश्रच्छीतरहसे

समभ्रानिंद्रानहरकारेभेज उसरंडीका यार जो मुत्र्या
हुत्र्या पडाथा उसके मुहमे सेनाकमगवाके देखीत
वनाना कीयह वेतकसीरहे त्र्योर चोरसचाहे। फिर
चोरवोला कि महाराजने कोकापालना त्र्योर वदे
कोसजादेनी राजोका वरावर धर्महै चला त्र्याताहै
इतनी वात कहकर चूडामन तोता वोला महाराज ए
से गुनो की बुरी नारियां होती हैं राजाने उस रंडीका
मुंह काला करवा सिर मुंडवा गदहे पर चढवा नग
रीके फेरे दिलवा छुडवा दिया उस चोरको त्र्योसाहू
कार बचेको वीडे देरुखसत किया। इतनी कथा क
हवैताल बोला की ए राजा इन दोनों मेसे किसेजि
त्र्यादा पाप हुत्र्या तब राजा वोला स्त्रीको वैताल वो
ला कि सतरह से यह सुनके राजाने कहा मर्द कैसा
ही दुष्ट क्यों न हो पर उसे धर्म त्र्यधर्मका विचार रह
ना है त्र्योर स्त्री को धर्म त्र्यधर्मका कुछ ज्ञान नहीं
रहता इससे नारी को बहुत पाप हुत्र्या यह वात सु
न वैताल फिर चला गया त्र्योर उसी दरखत पर जा
लटका फिर राजा जा उसको पेडसे उतार गठडी वा
ध कांधे पर रखले चला ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ०

पाचवी कहानी ॥०

वैताल वोला ए राजा उज्जैन नाम एक नगरी है त्र्यो

रवहाकाराजामहावल और उसका हरिदाससमान
एक दूतथा उसदूतकी बेटीकानाममहादेवी वुह
अतिसुन्दरीथी जब उहवरजोगहुई तो उसकेपिता
को चिन्ताहुई कि इसकावरढूंढि विवाहकरदिया
चाहिये। गरज एकदिन उसलड़की ने अपने बा
पसे कहा कि पिता जो सबगुन जानता हो मुझे उसे
दीजो। तब उसने कहा कि जो सब इलम सेवाकि
फ होगा तेरी शादी मै उसी के साथकरदूंगा फिर ए
कदिन उसराजाने हरिदासको वुलाकर कहा कि
दक्षिण दिसामे हरिचंदनाम राजाहै उसके पासतु
मजाकर मेरी तरफसे छेमकुसल पूछो और उन
की क्षेमकुशलके समाचारलेआवो एहराजाकी
आज्ञापाय विदाहो उसराजाके पास कितने एकदि
नोमे जापहुचा और उससे अपने राजाका सवसंदे
सा कहा और हमेशः उसराजाके निकट रहनेलगा
गरज एकदिनकी वातहै कि उसराजाने इससे पूछा
एहरिदास अभी कलियुगका आरम्भहुआ कि
नही तव उन्ने हाथजोड़कर कहा महाराज कलिका
ल वर्तमान है क्योंकि संसारमे झूठवढाहै और सतघ
टगया लोगमुंहपरवात गढीकहते है और पेटमे क
पटरखते है धर्मजाता रहा पापवढा पृथ्वी फलकम

देने लगी राजा डंड लेने लगे ब्राह्मन लालची हुए स्त्री
योंने लाज छोड दी बेटा बाप की आज्ञा नहीं मानता
भाई भाई का इतिबार नहीं करता मित्र से मित्राई
जाती रही स्वामियों से सेवकाई उठ गई सेवकोंने सेवा छो
ड दी और जितनी नालायक बातें थीं वे सब नजर आ
ती हैं जब राजा से यह सब कह चुका तब राजा उठ क
र महल में गया और यह अपने स्थान पर आन के बै
ठा कि इतने में एक ब्राह्मन बेटा उसके पास आ कहने ल
गा कि मैं तुझ से कुछ मांगने आया हूं। यह सुन के उन्ने
कहा मांग क्या मांगता है उन्ने कहा की अपनी बेटी
तुझ को दे हरिदास बोला कि जिसमें सब गुण होंगे मैं
उसको दूंगा यह सुन के वुह बोला की मैं सब विद्या
जानता हूं फिर उसने कहा कुछ अपनी विद्या मुझे
दिखला तो मैं जानूं कि तुझे विद्या आती है तब उस ब्रा
ह्मन ने कहा मैंने एक रथ बनाया है उससे यह सा
मर्थ्य है कि जहां जाने का इरादा करो तहां तुरत एक छ
न में जा पहुंचो तब हरिदास ने कहा उस रथ को
फ़जर के वक्त मेरे पास ले आइयो। गरज वुह भोर
को रथ ले हरिदास पास आया फिर ये दोनों रथ पर
सवार हो उज्जैन नगरी में आन पहुंचे पर यहां इत्ति
फ़ाक़न उसके आने से पहले किसी और ब्राह्मन

के लड़के ने उसके बड़े बेटे से आ कर कहा था कि तू
अपनी बहन मुझे दे और उसने भी यही कहा की
जो सब विद्या जानता होगा उसको दूंगा और उस
ब्राह्मण के पुत्र ने भी कहा था कि मैं सब ज्ञान विद्या
जानता हूं। यह सुन के उसने कहा था कि तुझे ही दूं
गा एक और ब्राह्मण के पुत्र ने उस लड़की की मा से
कहा था कि तू अपनी बेटी हमें दे उसने भी उससे य
ही जवाब दिया था कि जो सब विद्या जानता होगा उ
सी को मैं अपनी लड़की दूंगी उस ब्राह्मण के लड़के ने
भी कहा था मैं संपूर्ण शास्त्र विद्या जानता हूं और
शब्दवेधी तीर मारता हूं यह सुन के उन्ने भी कहा था
कि मैंने कबूल किया तुझे दूंगी गरज इसी तरह से ती
नों वर आन के इकट्ठे हुए। हरिदास अपने मन में वि
चार करने लगा कि एक कन्या और तीन वर किसे दूं
किसे न दूं इसी फ़िक्र में था कि एक राक्षस आ
न के उस कन्या को उठा के विंध्याचल पर्वत के उप
र ले गया कहा है कि बहुतायत किसी चीज की अ
च्छी नहीं अति रूपवती सीता थी रावण ने हरी रा
जा बल ने अति दान दिया सो दरिद्री हुआ रावण ने
अति गर्व करके अपने कुल को क्षै की। गरज़ जब
भोर हुई और सब घर के लोगों ने कन्या को न देखा

तब अनेक अनेक प्रकारकी चिन्ता करनेलगे और
पहुंचा तब तीनो वरभी सुनके वहां आये उनमे एक
ज्ञानी था उससे हरिदासने पूछा ए ज्ञानी तू बता की
वुह कन्या कहां गई उनने घडी एकमे बिचार करके क
हा तुम्हारी लडकी को राक्षसने पर्वतमे ले जाके रखा
है इसमे दूसरा बोला कि राक्षसको मारके मै उसे ले
आऊंगा फिर तीसरा बोला हमारे रथपर सवार हो
जाओ और उसे ले आवो यह सुनते ही वुह झट से उसके
रथपर सवार हो वहां पहुंच उस देवको मार तुरन्त उ
से ले आया और तीनो आपसमे झगरने लगे तब उ
सके बापने मनमे चिंता करके कहा कि सबोने इहसान
किया है किसे दूं किसे न दूं इतनी कथा कह बैताल बो
ला ए राजा विक्रम उन तीनोमेसे वुह कन्या किसकी हु
ई राजा बोला वह जोरू उसकी हुई जो राक्षसको मार
कर लाया बैतालने कहा सबका गुन बराबर है किस
तरह से उह उसकी जोरू हुई राजाने कहा उन दोनो
ने इहसान किया इससे उनको सवाब हुआ और य
ह लडकर उसे मारके लाया है इस वास्ते वुह इसकी
जोरू हुई यह बात सुन बैताल फिर उसी दरखतमे जा
लटका और राजाभी वोहीं जा बैतालको बांधके कांधे
पर धर उसी तरह ले चला ॥ ॥ रामः ॥ ० ॥

छठी कहानी ॥०॥

फिर बैताल बोला एराजा धर्मपुर नाम एक नगर है तहां
का राजा धर्मशील और उसके मंत्री का नाम अंधक
उसने एक दिन राजा से कहा महाराज एक मन्दिर ब
ना उसमें देवी को बिठा नित पूजा कीजिये कि इसका
शास्त्र में बड़ा पुण्य लिखता है। तब राजा एक मंदिर
बनाया देवी के पदारथ शास्त्र की विधि से पूजा कर
ने लगा और विन पूजा किये जल भी न पीता था इस त
रह से जब कितनी एक मुद्दत गुजरी तो एक रोज दी
वान ने कहा महाराज मसल मसहूर है कि निपुते का
घर सूना मूरख का हृदय सूना और दरिद्री का सब कु
छ सूना है। एह बात सुन राजा देवी के मन्दिर में जा हा
थ जोड़ स्तुति करने लगा कि हे देवी तुझे ब्रह्मा विस्नु
रुद्र इंद्र आठ पहर सेवते हैं और तूने महिषासुर चराड
मुराड रक्तबीज से दैत्यों को मार पृथ्वी का भार उतारा
और जहां तेरे भक्त को विपत्त पड़ी तहां तहां जा तू सहा
य हुई और यही आसत क मैं तेरे द्वार पर आया हूं अ
ब मेरे भी मन की इच्छा पूरी कर इतनी स्तुति जब रा
जा कर चुका तब देवी के मन्दिर से आवाज आई कि
राजा मैं तुझसे खुस हुई बर माग जो तेरे मन में है रा
जा बोला हे माता जो तू मुझसे खुस हुई तो मुझको पु

वेद। देवीने कहा राजा तेरा पुत्र होगा महावली और
बड़ा प्रतापी तब तो राजाने चन्दन अक्षत फूल धूप दी
प नैवेद्य देकर पूजा की और इसी तरह से हर रोज पूजा
करता था। गरज कितने दिनों के पीछे राजा के एक ल
ड़का पैदा हुआ राजाने बाजे गाजे से कुटुम्ब समेत
जाकर देवी की पूजा की इस अरसे में एक दिन का
इत्तिफाक है कि सी नगर से एक धोबी अपने दोस्त
को साथ लिये इस सहर की तरफ आता था कि देवी
का मंदिर उसे नजर आया। उसने दण्डवत करने
का इरादा किया इसमें एक धोबी की लड़की अति सु
दरी आती सामने से इसने देखी उसे देख मोहित हु
आ और देवी के दरसन को गया दण्डवत कर हाथ
जोड़ उसने अपने मन में कहा हे देवी जी इस सुन्दरी
से मेरा विवाह तेरी कृपा से हो तो मैं अपना सिर तुझे
चढाऊं यह मन्नत मान दण्डवत कर दोस्त को साथ
ले अपने नगर को गया जब वहां पहुंचा तो उसके वि
रहने यह सताया कि नींद भूख प्यास सब बिसर गई
आठ पहर उसी के ध्यान में रहने लगा। यह बुरी हाल
त उसके दोस्त ने देख उसके बाप से जा सब ब्यौरे वा
र कहा। उसका पिता भी यह सुन कर भैचक हो रहा
और अपने जी में चिन्ता कर कहने लगा कि इस

कीदसादेखएसामालूमहोताहैओउसकन्यासेइस
कीसगाईनहोगीतोयहअपनाप्रानत्यागकरेगाइ
ससेबिहतरयहहैकिउसलडकीसेइसकाब्याहक
रदीजियेकिजिससेयहबचे। इतनाविचारकरपुत्र
केमित्रकोसाथलेउसगांवमेपहुंचउसलडकीके
पितासेजाकरकहामैतेरेपासकुछजाचनेआया
हूंजोतूदेवेतोमैकहूंउनेकहामेरेपासजुहपदार
थहोगातोमैदूंगातुमकहोइसतरहमेवचनबन्द
नकरकहातूअपनीलडकीमेरेपुत्रकोदे। यहसु
नकेउननेभीउसकीबातप्रमाणकरब्राह्मणको
बुलवादिनलगनमुहूरतठहराकरकहातुमल
डकेकोलेआयोमैभीअपनीलडकीकेहाथपी
लेकरदूंगा यहसुनवहवहांसेउठअपनेघरआय
वैसामानशादीकातैयारकरब्याहनेकोगयाऔ
रवहांजाविवाहदेवैरबहूकोलेफिरअपनेघरआ
याऔरदुलहादुलहिनआपसमेंआनन्दसेरह
नेलगेफिरकितनेदिनोकेबादउसलडकीकेपि
ताकेयहांकुछशुभकरमथासोवहांसेनौताइन
कोभीआयायेस्त्रीपुरुषतैयारहोअपनेमित्रको
साथलेउसनगरकोचलेजबनगरकेनिकटपहुं
चेतोदेवीकामन्दिरनजरआयातोउसेवुहबात

पाईआईतवउसनेअपनेजीमेविचारकरकहाकिमै
वडाअसत्यवादीअधर्मीहूंकिदेवीसेभीझूठवोला
इतनीवातअपनेमनमेकहउसदोनोंसेकहातुम
यहांखडेरहोमैदेवीकादरसनकरआऊंऔरस्त्री
कोकहातभीयहांठहर।यहकहमन्दिरकेपासपहु
चकुण्डमेस्नानकरदेवीकेसन्मुखजाकरजोड
नमस्कारकरखड्गउठागर्दनपरमाराकिसिरतन
सेजुदाहोभूईमेगिरागरजकितनीदेरपीछेउस
केमित्रनेविचाराकिइसेगयेवडीदेरहुईहैअवत
कफिरानहीचलकरदेखाचाहियेऔरउसकी
स्त्रीकोकहातूयहांखडीरहमैउसेशिताबीसेढूंढ
केलेआताहूंयहकहदेवीकेमंदिरमेगयादेखता
क्याहैकिधडसेउसकासिरजुदापडाहैयहहाल
तवहाकीदेखअपनेमनमेकहनेलगाकिसंसा
रबहुतकठिनजागहहैकोईयहनसमझेगाकिइ
नेअपनेहाथसेसिरदेवीकोचढायाहैवल्कियह
कहेंगेकिइसकीनारीजोअतिसुंदरीथीउसकेले
नेकेलियेमारकरयहमकरकरताहैइससेयहांम
रनाउचितहैपरसंसारमेवदनामीलेनीखूवनही
यहकहनालावमेनहादेवीकेसामनेआहाथजो
डखड्गनामकरखांडाउठागलेमेमाराकिसरधडसेजु

राउजुदाहोगया। औरयहपहाड़केलोखडी उतरीक
रताहदेखदेखनिरासहोढूंढतीहुईदेवीकेमंदिरमेंग
ई। वहांजाकरदेखतीक्याहैकिदोनोमुएपड़ेहैंफि
रइनदोनोकोमुआदेखउन्नेअपनेजीमेविचारा
लोगतोयहनजानेंगेकिआपसेदेवीकोयेबल
चढ़ेहैंसबकहेंगेकिराउफाजिरःथीवदकारीक
रनेकेलियेदोनोकोमारआईहै इसबदनामीसेम
रनाउचितहै। यहसोचकरसरोवरमेंगोतामारदे
वीकेसन्मुखआसिरनवादराउवतकरतलवार
उठाचाहेगर्दनमेंमारेकिदेवीनेसिंहासनसेउतर
उसकाहाथआनकेपकड़ाऔरकहापुत्रीवरमा
गमैतुझसेप्रसन्नहुईनवउन्नेकहामाताजोतूमुझ
सेखुसहुईहैतोइनदोनोकोजीदानदेफिरदेवीने
कहाइनकेधड़ोसेसिरलगादे। इननेमारेखुसीके
घवराधड़सेसिरवदलकेलगादियेऔरदेवीने
अमृतलाछिड़कदियावेदोनोजीकरउठखड़ेहु
एऔरआपसमेंझगड़नेलगेयहकहेस्त्रीमेरीऔ
रउहकहेस्त्रीमेरी इतनीकथाकहवैतालबोला
किहेराजावीरविक्रमाजीतइनदोनोमेंवुहस्त्री
किसकीहुई राजानेकहासुनशास्त्रमेंइसकाप्रमा
णलिखताहैकिनदियोमेंगङ्गाउत्तमहै औरसब

तोमेसुमेरुपर्वतश्रेष्ठहैश्रोरवृक्षोमेकल्पवृक्षश्र
श्रोमेमस्तकउत्तमहैइसन्यावसेजिसकाउत्तमश्रं
गहैउसीकीस्त्रीहुई। इतनीवातसुनवैतालफिर
उसीदरख्तमेजाटंगाश्रोरराजाभीजाउसेवांध।
कांधेपररखकरलेचला॥ ६ ॥ ० ॥ ०॥

सातवीकहानी॥०

फिरवैतालवोलाकिएराजाचंपापुरनामएकन
गरहैकीवहांकाराजाचंपकेश्वरश्रोररानीका
नामसुलोचनाश्रोरवेटीकानामत्रिभुवनसुंद
रीसोश्रतिसुंदरीहैजिसकामुखचंद्रमासावाले
घटासेश्रांखेमृगकीसीभंवेधनुकसीनाककी
रकीसीगलाकपोतकासादांतश्रनारकेसेदाने
होठोकीलालीकुंदुरीकीसीकमरचीतेकीसीह
थपावकोमलकमलसेरंगचंपेकासागरजउस
केजोवनकीजोतिदिनवदिनवढतीथीजववुह
वालिगहहुईतोराजारानीश्रपनेचितमेचिन्ता
करनेलगेश्रोरदेशदेशकेराजोकोपहखवरग
ईकिराजाचंपकेश्वरकेघरमेएसीकन्यापैदाहु
ईहैकीजिसकेरूपकोदेखतेहीसुरनरमुनिमोहि
तहोरहतेहै। फिरमुल्कमुल्ककेराजोनेश्रप
नीश्रपनीसूरतेलिषवालिखवाब्राह्मणोकेहा

या राजा चम्पके श्वर के यहां भेजी यो राजा ने ले अपनी बे।
टी को सब राजों की तसवीरें दिखाई पर उसके मन में।
कोई न समाई तब तो राजा ने कहा न स्वयम्बर कर वुह
बात भी उन्ने न मानी और अपने बाप से कहा रूप बल
ज्ञान जिसमें ये तीनों गुण होंगे पिता उसे मुझे देना। गर
ज जब कितने एक दिन बीते तो चारों देस से चार बर
आये फिर उनसे राजा ने कहा अपना अपना गुण
विद्या मेरे आगे जाहिर कर कहो उनमें से एक बोला
मुझ में यह विद्या है कि एक कपड़ा मैं बना कर पांच ला
ल को बेचता हूं जब उसका मोल मेरे हाथ आता है त
ब उसमें से एक लाल ब्राह्मण को देता हूं दूसरा देवता
को चढ़ाता हूं तीसरा अपने अङ्ग लगाता हूं चौथा स्त्री
के वास्ते रखता हूं पांचवें के बेच कर रुपैये ले नित भोज
न करता हूं यह विद्या दूसरा कोई नहीं जानता और मेरा
जो रूप या है सो जाहिर है दूसरा बोला मैं जल थल के प
शु पक्षी की भाषा जानता हूं मैं बल का दूसरा नहीं औ
र सुन्दरताई मेरी आपके आगे है तीसरे ने कहा मैं ऐसा
शास्त्र समझता हूं कि मेरे समान दूसरा नहीं और खूब
सूरती मेरी तुम्हारे रूबरू है चौथे ने कहा मैं शास्त्र वि
द्या में एक ही हूं दूसरा मुझसा नहीं शब्द बेधी तीर मारता
हूं और मेरा हुस्न जग में रोसन है आप भी देखते ही है

यहचारोकीबातसुनराजाअपनेजीमेचिन्ताकरने लगाकिचारोगुणमेवराबरहैकिसेकन्यादूयहसोच करउसनेबेटीकेपासजाचारोकागुणवयानकिया औरकहामैतुझेकिसेदूयहसुनकेवुहलाजकीमा रीनीचीगरदनकरचुपहोरही औरकुछजवाबन दियाइतनीबातकहवैतालबोलाएराजाविक्रमय हस्त्रीकिसकेयोगहैराजानेकहाजोकपड़ावनाक रवेचताहैसोजातकाशूद्रहैऔरजोभाषाजानताहै वुहजातकावैश्यहैओशास्त्रपढाहैसोब्राह्मणहै औरशब्दवेधीतीरमारनेवालाउसकासजातीहैय हस्त्रीउसकेलाइकहैइतनीबातसुनवैतालफिर उसीपेड़मेजालटकाऔरराजाभीवहांजाउसेबा धकांधेपररखकरलेचला ७ ॥ ॥ ॥ ॥०

॥आठवीकहानी ॥०॥

तबवैतालनेकहाएराजामिथलावतीनामएकन गरीहैवहांकाराजागुणाधिपउसकीसेवाकरने कोदूरदेशसेएकचिरमदेवनामराजपुत्रआयारो जउसराजाकेदरसनकोजायाकरतालेकिनमुला कातनहोतीथीऔरजितनाधनवुहलायाथासो वरसरोजकेखरचेमेसबवैठकरयहांखायाऔर वहांघरउसकावैरानहोगयाएकदिनकीबातहै

किराजा शिकार को सवार हुआ और चिरमदेव भी उ
सकी सवारी के साथ हो लिया। इत्तिफ़ाकन राजा ए
क बन में जाकर फ़ौज से जुदा हो गया और लोग सवा
री के एक और जङ्गल में भटक गये लेकिन एक चि
रमदेव ही राजा के पीछे था निदान उसने ही पुकार
कर कहा महाराज लोग सवारी के पीछे रह गये हैं॥
और मैं आपके घोड़े के साथ घेड़ा मारे चला आता हूं
राजा ने यह सुनके घोड़े को रोका कि इसमें पहवराव
र आया राजा ने उसे देखकर पूछा तू किस वास्ते इत
ना दुबला हो रहा है तब यह बोला जिस स्वामी के पास
रहिये और वह ऐसा हो कि हजारों को पालता हो औ
र अपनी खबर न लेता इसमें उसको कुछ दोष नहीं
मगर अपने करम का दोष है जैसे दिन को सारा जहा
न देखता है मगर उल्लू को नजर नहीं आता इसमें गु
नाह सूरज का क्या है हैरत है मुझको कि जिन्न माके पे
ट में रोजी पहुंचाई थी जब की हम पैदा हुए और दुनि
या की मिजाओ के लाइक हुए अब वह खबर नहीं
लेता मालूम नहीं की सोता है या मर गया और आप
ने नजदीक माल और दौलत चाहनी की सी बड़े आद
मी से कि देते वक्त वह मुह बनावे और नाक भौह चढ़ा
वे इससे जहर हलाहल खाकर मर जाना बिहतर है

श्रौर येछः वाते आदमी को हलका न करती है एकतो
खोटेनर की प्रीति दूसरे विना कारन की हसी तीसरे
स्त्री से विवाद करना चौथे असज्जन स्वामी की सेवा
पाचंये गदहे की सवारी। छठे विना संस्कृत की भाषा
श्रौरये पांच चीज विधाता मनुष्यके कर्म मे पैदा होते
ही लिखदेता है एकतो आरबल दूसरे करम तीसरे
धन चौथे विद्या पांचवे जस महाराज जवतक आद
मी का पुण्य उदे होता है तो सब उसके दास बने रहते
है श्रौर जब पुन्य घट जाता है तो बंधु बैरी हो जाते है
पर यह एक बात सुकर है स्वामी के सेवा करने से क
भी न कभी फल मिल रहता है निरफल नही रहता य
ह सुन राजा ने उन सब बातो को गौर कर उस वक्त
कुछ जवाब न दिया पर उससे यह कहा कि मुझे भूष
लगी है कही से कुछ खाने को लाचिरमदेवने क
हा महाराज यहा अन्न भोजन न मिलेगा यह कह
जङ्गल मे जा एक हिरन मार खीसे मे से चकमक
निकाल आग सुलगा गोस्त के भसत के भूनराजा
को खूब सा खिला आप भी खाये गरज जब राजा
को पेट भर चुका तो उसने कहा एराजा पुत्र। अब हमे
नगर को ले चलो कि राह मुझे मालूम नही उसने रा
जा को नगर मे ला उसके मन्दिर मे पहुचा दिया तब

राजाने उसकी चाकरी मुकर्रर करदी और बहुत से उसे
वस्त्र आभूषण दिया फिर वुह राजा के सेवा में हाजिर रह
ने लगा गरज एक दिन राजाने किसी काम के लिये स
मुद्र के कनारे उस राजपुत्र को भेजा वुह जब कनारे प
हुंचा तो उसने एक देवी का मंदिर देखा उसमें जा देवी की
पूजा की लेकिन जब यह वहां से बाहर निकला तो वो
हीं उसके पीछे से एक सुन्दरी नायका आ उसे पूछने
लगी एक पुरुष तू किस लिये यहां आया है वुह बोला
देश लिये आया हूं और तेरे रूप को देखके बेचैन हु
आ हूं। उसने कहा जो मुझ से कुछ दरकार रखता है तो
पहले इस कुंड में जाके अस्नान कर फिर उसके पी
छे जो तू मुझे कहेगा सो मैं सुनूंगी यह सुनते ही वुह कप
डे उतार नहाने को पैठा गोता मार निकल कर देखे तो
अपने नगर में खड़ा है इस अचंभे को देखकर सनाक
होला चार अपने नगर में घर जा और कपड़े पहन रा
जा के पास आ सब वृत्तान्त कहा राजा ने सुनते ही कहा
मुझे भी यह अचंभा दिखा यह कहते ही सवारी मंगा रा
जा सवार होकर चले कितने दिनों के अरसे में सागर के
किनारे आये उसी देवी के मन्दिर में जाकर पूजा की।
फिर राजा जब बाहर निकला तो वही नायका एक स
खी साथ लिये राजा के पास आन खड़ी हुई और राजा

का रूप देख मोहित हो बोली ऐ राजा जो मुझे आज्ञा देते करूं राजा ने उसे उत्तर दिया जो तू मेरा कहा करे तो मेरे सेवक की स्त्री हो वुह बोली मैं तेरे रूप की आधीन हूं ई हूं इसकी जोरू किस तरह से होउं राजा ने कहा अभी तो तू ने मुझ से कहा जो तू हुकुम करेगा सो मैं करूंगी और सज्जन जिस बात को कहते हैं उसका निवाह करते हैं अपने वचन को पाल मेरे सेवक की जोरू हो यह सुन के वुह बोली जो आपने कहा सो मुझे प्रमाण है तब रा जा सेवक को गन्धर्व विवाह कर दोनो को साथ ले आप ने राजधाम में आया इतनी बात कहके बैताल बोला ऐ रा जा बतलावो स्वामी और सेवक में किसका सत्त अधिक हु आ राजा बोला सेवक का फिर बैताल बोला कि जिस रा जा ने ऐसी सुन्दरी स्त्री पा सेवक को दी तिस राजा का स त्त अधिक न हुआ तब राजा वीर विक्रमाजीत ने कहा जिनका धर्म उपकार करना है तिनके उपकार करने में अधिक क्या है और जो आपका जी होम कर उपकार करे सो ई अधिक है इन कारण सेवक का सत अधिक हुआ यह बात सुन बैताल उसी तरवर पर जा लटका और राजा फिर उसे वहां से उतार कांधे पर रख ले चला ८

नवी कहानी ॥०॥

बैताल बोला ऐ राजा। मदनपुर नाम एक नगर है व

हावीरवरनामराजाथाऔरउसीदेसमेहिरण्यदत्तनामएकवनियाकिउसकीवेटीकानाममदनसेनाथावुहएकरोजवसन्तरितुमेसखियोकेसाथलिये अपनेवागमेवास्तेसेरऔतमासेकेगईइत्तिफाकनउसकेआनेसेपेश्तरधर्मदत्तसेठकावेटासोमदत्तनामअपनेमित्रकोसाथलियेवनविहारकोआयायावहासेफिरताहुआउसवाडीमेआनपहुंचाइसेदेखमोहितहोगयाऔरअपनेदोस्तसेकहनेलगाभाईवुहकदाचितमुझसेमिलेतोमेराजीवनसुफलहोऔरजोनमिलेतोइसदुनियामेजीनाअवृथाहे।यहअपनेदोस्तसेवातेकरविरहमेव्याकुलहोवेइसवनियारउसकेपासजाउसकाहाथपकडकेकहनेलगाजोतमुझसेप्रीतिनकरेगीतोमैतेरेऊपरअपनाप्राणदूंगावुहवोलीएसामतकीजोइसमेपापहोगातवउन्नेकहातेरेकरिशभेनेमेरेदिलकोछेदाहेऔरतेरीविरहकेआगनेमेरेसरीरकोजलादियाइसपीरसेमेरीसुद्धवुद्धसवजातीरहीहेऔरमुझेइससमेइसककेगलवेमेधर्मअधर्मकालिहाजनहीहैपरजोतमुझेवचनदेतोमेरेजीमेजीआवे।वुहवोलीआजकेपाचवेदिनमेरीशादीहोगीतोपहलेमैतुझसेमिलजाऊगीपीछेअपनेशोहरकेयहारहूगीपरवचनदे

सीगन्धरवाप वुह अपनेघरकोगई और यह अपनेघर आयागरज पांचवेदिन उसकी शादीहुई खाविंद उस का व्याह कर उसे अपनेघर ले आया कितनेएक दिनोंकेपीछे रातकेवक्त उसकी दिवरानी जिठानीने ज़बरदस्ती उसे उसकेपतिकेपास भेजा उह रङ्गमहल मे जा चुपचाप एक कोनमे वैठरही इस अरसेमे उसके खसमने जो देखा तो उसका हाथ पकड सेज पर विठा लिया। गरज उन्नेजब चाहा कि गलेलगाऊं तो उसने हाथ से झिडक दिया और जो जो उससाहूकारबचे मे कौलकरार हुआ था सो सब बयान किया। यह सुन के उसके खाविंदने कहा जो सच उसकेपास जाया चाहती है तोजा। वुह अपनेस्वामी की आज्ञा पा उसमे उसकेस्थानको चली राहमे चोरने उसे देख खुशहो इसके पास आकर कहा कि नदोपहर रातके समे इस अंधेरे मे एसे वस्त्र आभूषन पहनके अकेली कहा जाती है वुह वोली जिसजगह मेरा प्रीतम प्यारा वसता है यह सुन चोरने कहा यहां तेरा सहायक कौन है वुह कहने लगी धनुषवाण लिये मदन मेरा सहायक करने वाला साथ है यह कह फिर चोरके आगे सारी अपनी भैव्वल और आखिरकी कथा बयान करके कहा कि मेरा सिङ्गार भङ्ग मतकर मेतुझे बचन दिये जाती हूं

हांसेजवफिरूंगीतवगहनामेरेहवालेकरूंगीयहसुन
केचोरनेअपनेदिलमेकहागहनादेनेकातोमुझेवच
नदियेजातीहैफिरक्यौंइसकासिङ्गारभङ्गकरूंयह
समझकरउसेछोड़दियाआपवहांवैठारहाऔरयह
वहांगईकिजहांसोमदत्तपडासोताथा जातेहीजोइ
सनेउसेअचानकजगायातोउहघवराकरउठा।
औरकहनेलगातूदेवकन्याहैकिऋषिकन्याया
नागकन्याहैसचकहतूकौनहैऔरमेरेपासकहां
सेआईहैवुहवोलीकिमैनरकन्याहूंऔरहिरण्यद
त्तसेठकीवेटीमदनसेनामेरानामहैऔरतुझेयादन
हीजोउसउपवनमेतूजवरदस्तीमेराहाथपकड़के
कसमकीवन्दिदहुआथाऔरमैनेवमूजिवतेरेक
हनेकेयहसौगंधकीथीकिविवाहतापुरुषकोत्यागक
रकेतेरेपासआऊंगीसोमैआईहूंजोतेरीइच्छामेआ
वेसोकर।फिरउन्नेपूछाकियहमनेवृत्तान्तअपनेप
तिकेआगेकहायानहीइन्नेउत्तरदियाकिमैनेतमा
मअहवालकहाऔरउन्नेसवदरिआफ्तकरके
मुझेतेरेपासविदाकियासोमदत्तवोलायहवातकैसे
हैजैसेविनावस्त्रकागहनायाविनाघीकेभोजनया
वेगैरसुरकेगानायहसवएकसाहैइसीतरहमैलेव
सनतेजकीहरैकुभोजनवलकोकुभार्य्याप्राणको

कुपुत्र कुलको हरे और राक्षस सब का होता है तो प्राण को लेता है पर स्त्री हित और अनहित में दोनो तरह से दुख देने वाली है स्त्री जो न करै सो थोड़ा क्यों कि जो वा न इसके मन में रहती है सो न बान परन ही लानी और जो जवान में है उसे जाहिर न ही करती और जो करती है सो कहती न ही स्त्री को संसार में भगवान ने अजब कोई पैदा किया कि मैं पराई औरत से इलाका न ही रखता यह सुन के फिर उलटी अपने घर को चली राह में उस चोर से भेट हुई उसके आगे सब वृत्तांत कहा चोर ने सुन के शाबसी देके छोड़ दिया यह अपने पति के निकट आई और उससे तमाम अहवाल बयान किया पर उसके खाविंद ने उसे प्यार न किया और कहा कोकिल का सुरही रूप है और नारी का रूप पतिव्रता और कुरूप मनुष का रूप विद्या तपस्वी का रूप क्षमा इतनी कथा कह बैताल बोला हे राजा इन तीनों में किसका सत अधिक है राजा विक्रमाजीत ने कहा चोर का सत अधिक है बैताल ने कहा कि सत रह रा जा ने कहा और रुप पर उसकी इच्छा देख स्वामी ने छोड़ा राजा का डर मान सोमदत्त ने छोड़ा और चोर को छोड़ने का कुछ कारन न था इससे चोर ही प्रधान है यह सुन बैताल फिर रूख में जा लटका और राजा भी

वहां जाउसे देखतेसे उनाखाथका वेपरसवलेचला है

दशवीकहानी ॥ ० ॥

वैतालबोलाएराजा। गौडदेशमेवरधमानएकनगरहै और गुणसेखरनामतहांकाराजाथाउसकामंत्रीएकसरावगीअभयचंदनामथाउसीकेसमझानेसेराजाभीश्रावकधर्ममेआयाशिवकीपूजाविस्नुकीपूजाओरगोदानभूमिदानपिंडदानजूआओरमदिराइनसवकोमनाकियानगरमेकोईकरनेनपावेओरहाडगङ्गामेकोईनलेजावे ओरइनवातोकीदीवाननेभीराजासेआज्ञालेडौडीनगरमेफिरवादीकिजोकोईयेकर्मनकरेगाउसकासरवसराजाछीनलेगासजादेशहरसेनिकालदेगा फिरएकदिनदीवानराजासेकहनेलगाकिमहाराजधर्मका विचारसुनियेजोकोईकिसकाजीलेताहैवुह ओरजन्ममेउसकाभीजीलेताहैइसीपापसेसंसारमेअनेकमनुषकाजीवनमरननहीछुटताफिरफिरजनमलेतामनुषकोउचितहैदेखियेकामक्रोधलोभमोहवसहोब्रह्माविस्नुमहादेवकिसनेकिसीतोरसेसंसारमेओतारलेलेआतेहैवल्किउनसेगायअच्छीहैजोरागद्वेषमदक्रोधलोभमोहसेरहितहै ओरप्रजाकीरक्षाकरेहैओरउसकेजोपुत्रहोतेहैवेभीजगतकेजीवोकोव

इनतरहसेसुखदेपालतेहै इससेदेवताओरमुनीसवगो कोमानतेहैं इसलियेदेवतावोंकोमाननाअच्छानहीं इसजगतमेगायकोमानिये औरहाथीसेलगाचूंटी औरपसुपक्षीनरतकइहरएकजीवकीरक्षाकरना धर्महैजहानमेउसकेसमानकोईधर्मनहीजोनरवि रानेमासकोखाअपनामासवढातेहैसोअंतकाल मेनरकभोगकरतेहै इसमनुषकोउचितयहहैकी जीकीरक्षाकरेजोलोगकिविरानादुखनहीसमझ तेऔररगैरोंकेजीमारमारखातेहैउनकीइसपृथिवी मेउमरकमहोतीहै औरललेलगडेकानेअंधेवो नेकुवडेएसेअङ्गहीनहोनाजन्मलेतेहैजैसेपशु औपक्षीकेअङ्गखातेहैवैसेहीअपनाअपनेअङ्गग वातेहै औरमद्यपानकरनेसेमहापापहोताहैइसमे मद्यमासकाखानाउचितनहीइसतरहसेदीवानरा जाकोअपनेमतकाज्ञानसमझाएसाजे नधर्ममेमला याकिजोयहकहताथावहीराजाकरताथाऔरब्रा ह्मणयोगीजङ्गमसेवडासन्यासीदरवेसकिसीकोन मानताथाऔरइसीध मेसेराजकरताथाएकदिन कालकेवशहोमरगयाफिरउसकावेटाधर्मध्वजनाम गदीपरवैठाऔरराजकरनेलगाएकदिनउसनेअ मैचंददीवानकोपकडवासिरपरसातचोटियारख

वामुहकालाकरवागधेपरचढाडोडीबजवानगरफेर
दिलवादेशनिकालदियाऔरअपनाराजनिःकंट
ककियाएकदिनवुहराजावसन्तऋतुमेरानियोंको
साथलेएकवागकीसैरकोगयाउसवागमेएकव
डातालावथाऔरउसमेकवलफूलरहेथेराजाउ
ससरोवरकीशोभादेखकपडेउतारअसनानकरने
कोउतराएकफूलतोडतीरपरआरानीकेहाथमेदे
नेलगाकिइसमेहाथसेवुहछुटकररानीकेपावपर
गिराऔरउसकीचोटसेरानीकापावटुटगयातब
राजाघवराकरएकवारगीवाहरनिकलउसकी (
औषधकरनेलगाकीइसमेरातहुईऔरचन्द्रमाने
प्रकाशकियाचांदकीजोतपडतेहीदूसरीरानीकेश
रीरमेफूफोलेपडगयेकिअचानकदूसरेकिसीग्रह
स्तीकोघरसेमूसलकोआवाजआईवोहीतीसरीरा
नीकेसिरमेएसादर्दहुआकिगसआगईइतनीवात
कहवैतालवोलाएराजाइतीनोमेअतिसुकुमारकौ
नहै राजानेकहाजिसकेमुराडमेपीरहोमुर्छाआईसो
ईवहुतनाजुकहैयहवातसुनवैतालफिरउसीवृक्ष
मेजालटकाऔरराजावहांजाउसेउतारगठरीवा
धकांधेपररखलेचला १० ॥ समः ॥ ० ॥

॥० ग्यारहवीकहानी ॥०॥ ०॥

वैतालवोलाकिएराजापुण्यपुरनामएकनगरहैतहां
कावल्लभनामराजाथाओरउसकेमंत्रीकानामसत्य
प्रकाशाउसमंत्रीकीस्त्रीकानामलक्ष्मीउसराजानेए
करोजअपनेदीवानसेकहाजोराजाहोकेरसुन्दरस्त्री
सेऐसनकरेतोराजकरनाउसकानिष्फलहैयहवातक
हदीवानकोराजभारदेआपसुखसेऐसकरनेलगा
राजकीचिन्तासवछोडदीओरदिनरातआनन्दमेरह
नेलगाइत्तिफाकनएकरोजवुहमंत्रीअपनेघरमेउ
दासवैठाथाकिइसमेउसकीभार्य्यानेपूछास्वामीइन
दिनोआपकोवहुतदुर्वलदेखतीहूवुहवोलाकिनि
शदिनमुझेराजकीचिन्तारहतीहैइससेसरीरदुर्वल
हुआहैओरराजाआठपहरअपनेऐसआराममेरह
ताहैवुहमंत्रीकीजोरूवोलीकिहेपतिवहुतदिनतुम
नेराजकाजकियाअवथोडदिनोकेलियेराजासेवि
दाहोतीर्थयात्राकरोयहवातउसकीसुनचुपकाहो
रहाफिरजववहांसेउठातोवक्तदरवारकेराजाकेपा
सजारुखसतलेतीर्थजात्राकरनेनिकलाजातेजाते
समुद्रतीरसेतवंधरामेश्वरजापहुचावहांजातेहीम
हादेवकादर्शनकरवाहरनिकलाथाकिइत्तफाकन
नजरउसकीसमुद्रकीतरफजापडीतोक्यादेखताहै
किएककैसाकंचनकापेडउसमेसेनिकलाकिजिस

के जमुरूद के पत्ते पुखराज के फूल मूंगे के फल निहायत खुसनुमा नजर आया और उस दरख्त पर अति सुन्दर नाम का वीन हाथ मे लिये मधुर मधुर कोमल कोमल सुरो से बैठी गाती है वाद एक घडी के वुह दरख्त समुद्र मे लोप होगया यह तमासा मै भी वहां देखउलटा फिर अपने नगर मे आया और राजा के पास जा दण्डवत कर हाथ जोड बोला महाराज मै एक अचरज देख आया हूं राजा ने कहा वयान कर दीवान ने कहा महाराज अगले मनुष्य कह गये है जो वात किसू की अक्कमे न आवे और कोई वावर न करै वैसी वात न कहिये पर यह मैने आंखे से प्रतक्ष देखा इससे मै कहता हूं महाराज जहां रघुनाथ जीने समुद्र पर पुल वांधा है उस जागह देखता क्या हूं कि सागर मे से एक सोने का दरख्त निकला कि जमुर्रद के पात पुषराज के फूल मूंगे के फलो से ऐसा खुवलदा हुआ था कि जिसका वयान नही होसकता और उस पर महा सुन्दरी स्त्री वीन हाथ मे लिये मीठ मीठ सुरो मे गाती थी पर एक घडी के वाद वुह पेड सिन्धु मे छिपि गया यह वात राजा सुन दीवान को राज सौंप अकेला समुद्र के कनारे को चला कितने एक दिनो मे वहां जा पहुंचा और महादेव के दर्शन को मंदिर मे गया जो पूजा कर वाहर आया कि समुद्र मे वही दरख्त नायका समेत नि

कलाराजाउसकोदेखतेहीसागरमेकूदउसीतरवरपर
जाबैठा। वुहराजासमेतपातालकोचलागया। तवउह
नायकाइसकोदेखतेहीवोलीकिएवीरपुरुषकिसवा
स्तेतूयहांआयाहै राजानेकहामैंतेरेरूपकेलालचसे
आयाहूं उसनेकहाजोतूकालीचौदशकेदिनमुझसे
नमिलेतोमैंतेरेसाथविवाहकरूं राजानेयहवातमा
निलिसपरभीउन्नेवचनलेकरराजाकेसाथव्याहकि
यागरजजवअंधेरीचतुर्दसीआईतोउन्नेकहाएरा
जाआजतूमेरेनिकटमतरहयहसुनकेराजानेखड्ग
हाथमेलेवहांसेउठाऔरएककनारेजाछिपकरदे
खतारहाजवआधीरातहुईउसवक्तएकदेवआया
औरउसनेआतेहीइसगलेमेलगायायहदेखतेही
राजाखांडालेकेधायाऔरकहाअरेराक्षसपापीमेरे
सामनेतूस्त्रीकोहाथनलगापहलेमुझसेसंग्रामकर
औरमुझेतभीतकभयथाकिजवतकतुझेनदेखाथा
अवमैनिडरहूं इतनीवातकहखांडानिकालएकऐ
साहाथमाराकिरुण्डसेमुण्डजुदाहोजमीनपरतड़
फनेलगा। यहदेखवुहवोलीकिएवीरपुरुषतूनेव
डाउपकारकियायहकहकरफिरकहाकीनतमाम
पहाड़ोमेलालहोतेहैनसवशहरोमेसतवंतआदमी
नहरएकवनमेचन्दनउपजताहै। नहरएकहाथीके

मस्तकमेमोतीहोताहैफिरराजानेपूछायहराक्षसकिस
वास्तेकृष्णचतुर्दशीकोतेरेपासआयाथावुहवोलीमे
रपिताकानामविद्याधरहैतिसकीमैपुत्रीहूंसुंदरीमेरा
नामहैऔरयहमुकररथाकिमुझविनमेरावापभोज
ननकरताएकदिनभोजनकीविरियामैघरमेनथीत
वपितानेक्रोधकरमुझेसरापदियाकितुझेकालीचौद
शकेदिनराक्षसआनकेगलेसेलगायाकरेयहसुन
केमैबोलीपितासरापतोतुमनेदियापरमेरेऊपरकृपा
कीजियेउसनेकहाएकमहावीरपुरुषआनकरजब
उसराक्षसकोमारेगातबतूइससरापसेछूटेगीसोमै
उससरापसेछूटीऔरअबमैअपनेपिताकोनमस्का
रकरनेजाऊंगी। राजाबोलाजोतूमेरेउपकारकोमा
नेतोएकवेरीमेरेराजकोचलदेखपीछेअपनेपिता
केदरसनकोजाइयो। वुहबोलीकिअच्छाजोआपने
कहासोमुझेकबूलफिरराजाउसेसाथलेअपनीराज
धानीमेआयाशादियानेवजनेलगेसारीनगरीमेख
वरहुईकिराजाआयातबघरघरवधाईमंगलाचार
होनेलगेफिरतोतमामनगरकेमंगलामुखीआनके
दरवारमेमुवारकवादीदेनेलगेराजानेवहुतसादान
पुण्यकियाफिरकईएकदिनपीछेवुहसुन्दरीवोली
महाराजअवमैअपनेवापकेयहांजाऊंगी। राजानेउ

दास होकर कहा कि अच्छा सिधारो जब इसने राजा को उदास देखा तो कहा महाराज मैं न जाऊंगी राजा ने कहा कि सवास्ते तूने अपने वाप के यहां का जाना मौकूफ किया बुह वोली अब मैं मनुष्य की होचुकी और पिता मेरा गंधर्व है अब मैं जाऊं तो मेरा आदर न करेगा इसलिये मैं नहीं जाती। यह सुन राजा बहुत खुस हुआ और लाख रुपे का दान पुन्य किया राजा के इस अहवाल के सुन्ने से दीवान की छाती फटी और मरगया. इतनी बात कह वैताल बोला ए राजा किसलिये बुह मंत्री मरगया तब राजा वीर विक्रमजीत ने कहा मंत्री ने देखा कि राजा तो ऐस करने लगा और राजकाज की चिन्ता सब भुला दी प्रजा अनाथ हुई अब मेरा कहा कोई न मानेगा इसी चिन्ता से बुह मरगया यह सुन वैताल फिर उसी वृक्ष पर जा लटका फिर उसी तरह से कांधे पर रखकर उसको रवाना हुआ ॥ ० ॥०

वारहवीं कहानी॥

वैताल बोला ए राजा वीर विक्रमाजीत चूडापुर नाम एक नगर है वहां का चूडामन नाम राजा था जिसके गुरू का नाम देवस्वामी और उसके वेटे का नाम हरि स्वामी बुह कामदेव के समान सुन्दर और शास्त्र मे वृहस्पति की वरावर धन उसके कुवेर का वरावर बु

हएक ब्राह्मणकी वेटीका नाम उसका लावन्यवती था
व्याह ल्याया। उन दोनो मे बहुत सी प्रीति हुई। गरज एक
दिन गरमी के मौसिम मे रात के वक्त चौवारे की छत पर
दोनो गाफिल पडे सोते थे इत्तिफाकन स्त्री के मुंहपरसे
ओढनी सरक गई और गन्धर्व विमान पर बैठा हवा मे
उडा हुआ कहीं जाता था अचानक उसकी नजर इस
पर पडी कि वुह विमान को नीचे लाया और उस सोती
को विमान पर रखकर ले उडा कितनी देर के पीछे ब्रा
ह्मण भी सोते से उठा तो देखता क्या है कि स्त्री नहीं तब
घवराया और वहां से उतरकर तमाम घर को ढूंढा जब
इसे वहा भी न मिली तो सारी नगरी की गली गली कुचा
कुचः ढूंढता फिरा लेकिन कहीं उसे न पाया फिर अपने
जीमे कहने लगा कौन उसे ले गया और कहां गई ग
रज जब कुछ बस न चल सका तो आखिर लाचार हो
अफसोस करता हुआ घर को आया और वहां इसे
फिर दुवारा भी ढूंढा और न पाया जब उस बिन घर सूना
नजर आया तब निहायत बेचैनी और बेकलीसे बे
अखतियार होहाय प्राणप्यारी हाय प्राणप्यारी करके
पुकारने लगा फिर उसके वियोग मे अति व्याकुल हो
गृहस्ती छोड बैराग ले लंगोटी बांध भभूत मल माला
पहन नगर तज तीर्थ जात्रा को निकला नगर नगर गा

षणावतीपैकरताहुआएकब्राह्मणकेघरजाउससे
कहाकिमुझेभोजनभिक्षादोगरजजबप्रीतिकेवस
आदमीहोताहैतबउसेधर्मजानेऔरखानेपीनेका
कुछविचारनहीरहताऔरनिरादरहोजहांपाताहैत
हांखाताहैजबउसब्राह्मणसेअन्नभीखमांगीतबउस
नेइससेदोनालेघरमेजाखीरसेभरलादियायहउस
दोनेकोलियेतालाबकनारेआयावहांएकबडकाद
रख्तथाउसकेजडपरदोनारखसरोवरमेमुंहहाथ
धोनेलगा।उसवृक्षकीजडसेएककालानागनिकल
उसदोनेमेमुहसेगरलडालचलागयाऔरवुहदो
नातमामजहरसेभरगयाकिइससेयहभीहाथमुहधो
करआयापरउसेयहअहवालमालूमनथाऔरभू
खभीनिहायतलगीथीआतेहीखीरखाईऔरवोंही
उसेविषचढाफिरइन्नेउसब्राह्मणसेजाकरकहा
कितैनेमरीतईविषदियाऔरमैअबइससेमरूंगाइत
नाकहघूमकरगिराऔरमरगया।फिरउसब्राह्मण
नेइसेमुयादेखअपनीस्वकियास्त्रीकोघरसेनिका
लदियाऔरकहाब्रह्महत्यारीतू यहांसेजा।इतनी
बातसुनावैतालबोलाकिएराजाइनमेसेब्रह्महत्या
कापापकिसेहुआराजानेकहासांपकेमुंहमेतोवि
खहोताहीहैइससेउसेपापनहीऔरब्राह्मणनेभषा

जानकेभिक्षादीथीउसेभीपापनहीऔरउसब्राह्मणी
नेस्वामीकीआज्ञासेभीखदीथीउसेभीपापनहीऔर
उसनेभीअनजानेखीरखाईतीससेउसेभीपापनहीं
गरज़इनमेंसेजिसकोकोईपापलगावेवहीपापीहै
यहसुनबैतालफिरउसीतरवरपरजालटकाऔरसा
जाभीजाउसेउतारबांधकांधेपररखवहांसेचला १२

तेरहवींकहानी॥०

बैतालबोलाएराजाचन्द्रहृदयनामनगरीहैऔरउस
जगहकारणधीरनामराजाथाउसकीनगरीमेंधर्मध्व
जनामएकसेठथाऔरउसकीबेटीकानामशोभनी
परअतिसुन्दरीजवानीउसकीदिनवदिनवढतीथी
औररूपउसकापलपलअधिकहोताथाइत्तिफ़ाकन
उसनगरीमेंरातिकोचोरीहोनेलगीजवचोरोंकेहाथ
सेमहाजनोंनेवहुतदुखपायातवइकठेहोराजाकेनि
कटआकरसवनेकहामहाराजचोरोंनेनगरमेंवहुत
जुलुमकियाहैहमइशसहरमेंअवरहिनहींसकते
राजानेकहाखैरजोहुआसोहुआलेकिनअवआ
गेदुखनपावोगेमैंउनकाजतनकरताहूंयहकहरा
जानेवहुतसेलोगवुलवाचौकीकोभेजदियेऔरचौ
कीपहरेकाढवउनकोवतादियाऔरहुकुमकियाकी
जहांचोरोंकोपावोविनापूछेमारडालोलोगरातको

नगरीकीरखवारीकरनेलगेइसपरभीचोरीहोतीथी
तबफिरसारेसाहुकारइकठेहोराजाकेपासआयेऔ
रअर्जकीमहाराजआपनेपहरुयेभेजेतोभीचोरन
कमहुएऔररोजचोरीहोतीथीराजानेकहाइसव
क्ततुमरुषसतहोआजकीरातमेनगरकीचौकीदेने
मैनिकलोगायहसुनकेराजासेविदाहोवेअपनेअ
पनेघरगयेऔरजिसवक्तकिरातहुईराजेअकेला
ढालतलवारलेय्याद्दानगरीकीरक्षाकरनेलगा।
इसमेआगेजाकेदेखेतोएकचोरसामनेसेचला
आताहेराजाउसेदेखकरपुकारातूकौनहेवुहबो
लाकिमैचोरहूंतूकौनहैराजानेकहामैभीचोरहूय
हसुनवुहखुसहोकेबोलाआवोमिलकरचोरीक
रनेचलेयहबातआपसमेठहरायाराजाऔचोरवा
तेकरतेहुएएकमहलेमेपैठेऔरकित्तनेएकघरोंमे
चोरीकरमालमताऔलेनगरकेबाहरनिकलएक
कुएपरआयेऔरउसमेउत्तरपातालपुरीमेजापहु
चेवुहचोरराजाकोदरवाजेपरखडाकरधनदौलत
अपनेमन्दिरमेलेगयाइत्तनेमेउसकेघरमेसेएकदा
सीनिकलीवुहराजाकोदेखकेकहनेलगीमहारा
जतुमकहाइसदुष्टकेसाथयहाआयेखैरइसमेहैतु
हआनेनहीपावेऔरतुमसेजहातकभागाजायत

हांतकभागोनहीतोवुहआतेहीतुझेमारडालेगाराजा
नेकहामैंतोराहनहीजानतोकिधरकोजाऊंफिरउ
सचेरीनेवाटदिखादीऔरराजांअपनेमन्दिरकोआ
यागरजदूसरेदिनराजानेसवअपनीसेनासाथलेउ
सकुएकीराहपातालपुरीमेंजाकरचोरकातमामघ
रवारघेरलियाऔरवुहचोरकिसीऔरराहसेनिक
लउसनगरीकामालिकजोदेवथाउसकेपासगया
औरअर्जकीकिएकराजामेरेमारनेकोघरपरचढ
आयाहैयातुमेरीइससमेसहाकरोनहीतुम्हारीपुरी
कावासछोडऔरनगरमेंजावसताहूंयहसुनराक्षस
नेखुसहोकरकहातूमेरेलियेखानेकोलायाहैमैंतु
झसेवहुतखुसहुआयहकहकरजहांराजाकटक
लियेहवेलीघेरेहुएथावहांवुहदेवआआदमीयो
कोऔरघोडोकोखानेलगाऔरराजाउसदेवकी
सूरतदेखकरभागाऔरजिनलोगोंसेभागागयावे
तोवचेंऔरवाकियोकोदेवनेखाया। गरजराजा
अकेलाभागाजाताथाकिचोरनेआकरललका
रातूरजपूतहोकरलडाईसेभागताहैयहसुनतेहीरा
जाफिरखडाहुआऔरदोनोसन्मुखहोयुद्धकरने
लगेनिदानराजाउसेवसकरमुसकेवांधनगरमेंले
आयाफिरउसकोनिहलवाधुलवाअच्छेअच्छे

वस्त्रपहराएकऊंटपरविठाढढोरीयासाथकरसारीन
गरीकेफेरनेकोभेजाऔरशूलीउसकेवास्तेखडीकर
नेकाहुकुमकियाइसमेशहरकेलोगोंमेसेजोउसे दे
खताथासोकहताथाकिइसीचोरनेतमामनगरलूटा
हैऔरअवइसेराजाशूलीदेगाजवकीउसधर्मध्वज
सेठकोहवेलीकेनीचेवुहचोरगयाथातवउससेठ
कीवेटीनेढढोरेकीआवाजसुनअपनीदासीसेपूछा
यहक्याहेकीडौडीवाजतीहै वुहवोलीजोचोरइसनग
रमेचोरीकरताथाउसेराजापकडलायाहैअवशूली
देगायहसुनकेदेखनेकोउहभीदौडीआईचोरका
रूपजोवनदेखतेहीमोहितहोगईऔरअपनेवाप
सेआकरकहातुमइससमेराजाकेपासजाओऔर
उसचोरकोछुटालाओ। सेठवोलाकिजिसचोरनेरा
जाकातमामनगरमूसाहैऔरजिसकेलियेसाराक
टककाराउसेमेरेकहेसेक्योंकरछोडेगाफिरउसने
कहाजोतुम्हारेसर्वस्वदियेसेभीराजाउसेछोडतोतु
रन्तमुभउसेछुडालावोऔरजोवुहनआवेगातोमे
भीअपनीजानदूंगीयहसुनसेठनेराजासेजाकरक
हामहाराजपांचलाषरुपयेमुझसेलीजियेऔरइस
चोरकोछोडदीजियेराजावोलाइसचोरनेसारानग
रमूसाऔरतमामलसकरइसकेसवववसेगारतहु

आइसेमैंकिसीतरहसेनछोड़ूंगाजबराजानेउसकीबा
तनमानीलाचारफिरयहअपनेघरकोआयाऔरअ
पनीबेटीसेकहाजिननाकहनेकाधर्मथाउतनामैंने
कहालेकिनराजानेनमानाइतनेमेंउसनेचोरकोन
गरीकेफेरेदिलवाकरशूलीपासलाखड़ाकियाऔर
चोरनेउसबनियेकीबेटीकाअहवालजोसुनापहले
खिलखिलाकरहसाफिरडकराडकररोनेलगाइत
नेमेंलोगोंनेउसीसूलीपरखेंचलियाऔरबनिये
कीबेटीउसकेमरनेकीखबरपाकरसतीहोनेकेलि
येउसीजगहपरआईचितावनवाउसमेंबैठउसचो
रकोशूलीसेउतारउसकासिरगोदमेंरखजलनेको
बैठीचाहेकीउसमेंआगदिलवावेइत्तिफाकनवहा
एकदेवीकामन्दिरथाउसमेंसेतुरन्तदेवीनिकल
करबोलीएपुत्रीमैंतुष्टहुईतेरेसाहसपरतूवरमाग
वुहबोलीइसीतरहसेहोवेगायहकहकरपातालसे
अमृतलाचोरकोजिलादियाइतनीकथाकहबैताल
नेपूछाएराजाबतावोकीचोरपहलेकिसकारनहसा
औरपीछेकिसलियेरोयाराजानेकहाजिसवास्तेहसा
वुहवाइसमेंजानताहूं औरजिसलियेरोयावुहभीमु
झेमालूमहैसुनबैतालबारेनेजीमेंविचारायहजोमेरे
वास्तेअपनासबखराजाकोदेतीहैअबइसकामैंका

उपकारकरनाथयहसमुझकरवहरोयाफिरअपनेमनमे
विचाराकिमरनेकेसमेउसनेमुझसेप्रीतिकीभगवान
कीगतिकुछजानीनहीजातीकुलक्षनेकोदेलक्ष्मी
कुलहीनकोदेवेविद्यामूरखकोदेसुन्दरस्त्रीपहाडपर
वरषावेवरषाएसीएसीवातेसोचकरहसा। यहसुनवे
तालफिरउसीपेडपरजालटका राजाफिरवहांगया
औरउसेखोलगठरीवांधकांधेपररखलेचला १३

॥ चौदहवीकहानी॥

वैतालवोलाएराजाविक्रमकुसुमावतीनामएकनग
रीहैवहांकासुविचारनामराजाकीजिसकीवेटीका
नामचन्द्रप्रभाजववुहवरजोगहुईतवएकदिनवस
न्तऋतुमेसखियोकेसाथलेबागकीसैरकोचलीव
हांजनानेकेवंदश्रोवस्तमेपहिलेएकवाह्मणकाल
डकावरसवीसएककाअतिसुन्दरमनस्वीनामकही
सेफिरताहुआउसवागमेआयकरवृक्षकेनीचेदुर
क्षावपाकरसोरहाथाराजाकेलोगोनेजोउसवाडीमे
जनानेकावदोवस्तकियापरइतिफाकनउसब्राह्मने
टेकोकिसीनेनदेखाऔरवुहउसदरखतकेनीचेसो
तारहाऔरराजकन्याअपनेलोगोसमेतवागमेदा
खिलहुई। सहेलियोकेसाथसैरऔरतमासादेखनी
हुईकहाआनीहेकिजहावुहब्रह्मनेटासोताथा। इ

सकावहांपहुंचना किवुहभीलोगोकेपांवकेश्राहटसेउ
ठवैठादोनोकीचारनजरेहुईश्रोरकामदेवकेऐसेवस
हुए किउधरब्राह्मणकालडकामूर्छाखाभूमिपरगिरा
श्रोरइधरवेसुधहोराजकन्याकेपांवकांपनेलगेमर
वोहीउसेसखियोनेहाथोहाथथांभलियानिदानचं
डोलोमेलिटाघरकोलेश्राईश्रोरयहांब्राह्मणकालड
काऐसावेसुधपडायाकिश्रपनातनमनकीकुछखव
रनरखताथाइसश्ररसेमेदोब्राह्मणशशीश्रोरमूलदे
वनामकावरूदेशसेविद्यापढेहुएवहांश्रानिकलेमू
लदेवनेउस ब्राह्मणकेलडकेकोपडादेखकरकहा
एशशीऐसावेसुधयहक्योंपडाहैवुहबोलानायकाने
मौंकीकमानसेनैनकेतीरमारेहैंइससेयहवेसुधपडा
हैमूलदेवनेकहाइसेउठायाचाहिये। उसनेकहातु
म्हेउठानेसेक्यादरकारहैउसनेशशीकाकहनानमा
नाश्रोरउसेपानीछिडककरउठायाश्रोरपूछाकौने
रीक्यादशाहुईहैवुहब्राह्मणबोलादुखउससेकहि
येजोदुखकोदूरकरे श्रोरजोसुनकेदूरनकरसके
उससेकहनाक्याहासलवुहबोलाश्रच्छातूश्रपनी
पीरहमारेश्रागेकहहमदूरकरेंगेयहसुनकेवुहबोला
किश्रभीराजकन्यासखियोंकीसाथलियेश्राईथी
सोउसकेदेखनेसेमेरायहगतिहुईहैजोवुहमिलेगी

तोमैंअपनाजीवरखूंज्ञानहीतोमाननजूंगातववुहवो
लाहमारेस्थानपरचलउसकोमिलनेकाहमयत्नक
रेंदेगेऔरनहींतोतुझेवहुतसाधनदेंगे।तवमनस्वीवो
लाकिसंसारमेंभगवाननेवहुतरत्नपैदाकियेहैंपरस्त्री
रत्नसवसेउत्तमहैऔरउसीकेलियेमनुष्यधनकीइ
च्छाकरतेहैंजवनारीकोत्यागातोधनलेकेक्याकरेंगे
जिनेकोहसीनऔरतसुपससरनहोउनसेसंसारमें
पशुभलेहैंधर्मकाफलहैधर्मऔरधनकाफलहैसुख
औरसुखकाफलहैनारीऔरजहांनारीनहींतहांसु
खकहांयहसुनकेमूलदेववोलाजोतूमांगेगासोदूंगा
तवउसनेकहाएब्राह्मणमुझेवोहीकन्यादिलादेफि
रमूलदेवनेकहाअच्छातूहमारेसाथचलतुझेवोही
कन्यादिलादेंगे।गरजवहुतसीतसल्लीकरउसेअप
नेघरलेगयाऔरवहांजाकरदोगुटकेवनाएएकगु
टकाउसब्राह्मणकोदेकरकहाजवइसेमुंहमेंरखेगा
तवतूवारहवरसकीकन्याहोजायगाऔरजिसवक्त
तूइसेमुंहसेनिकाललेगातोपुरुषज्योंकात्योंहोजा
यगाऔरकहातूअपनेमुंहमेंरख।उसनेजोअप
नेमुंहमेंरखातोवारहवरसकीकन्याहोगयाऔर
दूसरेगुटकेकोजोउसनेमुंहमेंरखातोआपअस्सीव
रसकाडोकरावनगयाऔरउसकन्याकोलियेहुएरा

जाकेपहुंगयाराजाभीब्राह्मणकोदेखदंडवतकरआ
सनबैठनेकोदियाऔरएकआसनउसलडकीको
भीतबब्राह्मणनेएकश्लोकपढ़आसीसदीकिजिस
कीजिसकीसोभात्रिलोकीमेंफैलरहीहैऔरजिन्ने
बौनाहोबलिकोछलाऔरजिन्नेबंदरसाथलेसमु
द्रकापुलबांधाऔरजिन्नेपर्वतहाथपररखइंद्रकेब
ज्रसेग्वालबालबचायेसोईबासुदेवतुम्हारीरक्षाक
रो।यहसुनकेराजानेपूछामहाराजआपकहांसेप
धारेमूलदेवब्राह्मणबोलाकिगंगापारसेमैंआयाहूं
औरवहीमेराघरहैऔरमैंअपनेबेटेकीबहूकोलेने
गयाथापीछेमेरेगांवमेंभागडपरीसोमैंनहींजानता
किब्राह्मणीऔरमेरापुत्रभागकहांगयेऔरअबमैं
इसकोसाथलियेहुएउन्हेंकिसतरहढूंढूंगाइससेबि
हतरयहहैकिआपकेपासइसेछोडजाताहूंजबत
ककीमैंनआऊंतबतकइसेयत्नसेरखना।यहबा
तब्राह्मणकीसुनराजाअपनेचित्तमेंचिन्ताकरने
लगाकिअतिसुन्दरतरुणस्त्रीकोमैंकिसतरहरखूं
औरजोनहींरखतातोयहब्राह्मणसरापदेगामेरा
राजभंगहोजायगायहअपनेजीमेंराजाविचारक
रबोलामहाराजजोआपनेआज्ञाकीकबूलहै।फिर
राजानेअपनीपुत्रीकोबुलाकरकहाबेटीइसब्राह्मण

कीवहूकोअपनेपासलेजाकेवहुतयत्नसेरक्खोऔर
सोतेजागतेखातेपीतेचलतेफिरतेछिनभरइससेअप
नेपाससेजुदामतकीजो। यहसुनराजकन्याउसब्राह्म
णकीवहूकाकरधरअपनेमन्दिरमेलेगईरातकेसमे
दोनोएकसेजपरसोईऔरआपसमेबातेकरनेलगीवा
तेकरतेब्राह्मणीकीवहूबोलीकिएराजकन्यातूकिस
दुखकेमारेअतिदुर्वलहोरहीहैसोमुझसेकहराज
पुत्रीबोलीएकदिनवसन्तऋतुमेसखियोकेसाथले
मेबागकीसैरकोगईथीऔरवहाएकब्राह्मणअति
सुन्दरकामदेवकेसमानमैनेदेखाऔरउसकीमेरी
चारनजरेहुईउधरवहवेहोसहुआऔरइधरमेवसु
धहुईतवसखियामेरीअवस्थादेखघरकोलेआई
औरउसकानावठावमेउसकाकुछनहीजानती
मेरेआखोमेउसकीसूरतसमारहीहैऔरमुझेखा
नेपीनेकीभीकुछरुचनहीइसीपीरसेमेरेशरीरकी
यहदशाहुईहैयहसुनकेवुहब्राह्मणकीवहूबोली
जोतेरेप्रीतमकोतुझसेमिलादूतोतूमुझेक्यादेराज
कन्याबोलीकिसदातेरीदासीहोरहोगीयहसुनके
वुहगुटकाअपनेमुहसेनिकालफिरपुरुषहोगया
औरयहउसेदेखकेसरमाईफिरउसब्राह्मणकेलड
केनेगन्धर्वविवाहकीरीतसेउसकेसाथअपनाव्या

हकियाऔरहमेशःउसीतरहरातकोमर्दहोताऔरदि
नकोरण्डीबनारहतानिदानछःमहीनेपीछेराजक
न्याकोगर्भरहाएकदिनकाजिक्रहैकिराजासारेकुटु
म्बकेसाथलेकरदीवानकेघरशादीमेंगयावहांमंत्री
केबेटेनेउसस्त्रीभेषधारीब्राह्मणकेलड़केकोदेखा
देखतेहीआशिकहोगयाऔरअपनेएकमित्रके
आगेकहनेलगाजोयहनारीमुझेनमिलेगीतोमैंअ
पनामारणतजूंगा।इसअरसेमेंराजानेनौताखाकुन
बेसमेतअपनेमन्दिरकोआयापरमंत्रीकेपूतकीउ
सकेविरहकीडाहसेनिपटकठिनअवस्थाहुईऔ
रअन्नपानीछोड़दिया।यहगतिदेखउसकेमित्रनेजा
मंत्रीसेकहाऔरदीवाननेयहअहवालसुनआरा
जासेकहामहाराजउसब्राह्मणकीबहूकीप्रीतिमेंमे
रेबेटेकीबुरीहालतहैखानापीनाछोड़दियाहैजोआ
पकृपाकरकेब्राह्मणकीबहूकोमुझेदेवेंतोउसकीजा
नबचेयहसुनराजाक्रोधकरबोलाअरेमूर्खऐसीअ
नीतिकरनाराजाओंकाधर्मनहींहैसुनतोएकमनुष्य
कीथातीहोऔरबिनाआज्ञाउसकीदूसरेकोदेनाउ
चितहैजोतूमुझसेयहबातकहताहैयहसुनकेप्रधान
निरासहोअपनेघरकोआयापरउसलड़केकादुख
देखकरउन्नेभीअन्नजलछोड़दियाजबकीनीनदि

नदीवानकोबिनदानेपानीकेगुजरेतबतोसबका
रबारियोंमेंएकठेहोकरराजासेअर्जकीमहारा
जमंत्रीकापुत्रअबतबहोरहाहैऔरउसकेमरनेसेदी
वानभीनबचेगाऔरदीवानकेमरनेसेराजकाज
नचलेगाबिहतरयहहैकिजोहमअर्जकरेसोकबू
लहोयहसुनकेराजानेआज्ञादीकीकहोतबउनमें
सेएकसकसबोलामहाराजउसबुढेब्राह्मणकोग
येहुएबहुतदिनहुएकिफिरानहीं।भगवानजानेम
रगयायाजीताहैइसमेंउचितयहहैकिउसब्राह्मण
कीबहूकोमंत्रीकेबेटेकोदेअपनाराजकाइमरखि
येऔरकदाचितवुहआयातोगावधनदीजियेगा
अगरइसपरराजीनहोगातोउसकेलडकेकाब्याह
करविदाकीजेगा।यहबातसुनराजानेउसब्राह्मण
कीबहूकोबुलाकरकहातूमेरेमंत्रीकेपुत्रकेघरजा
वुहबोलीकिस्त्रीकाधर्मनष्टहोताहैअतिरूपपावे
औरब्राह्मणकाधर्मजाताहैराजाकीसेवाकरनेसे
औरगायखराबहोतीहैदूरकीचराईसेऔरधनजा
ताहैअधर्मपनेसेइतनाकहफिरबोलीमहाराजतु
ममुझेमंत्रीकेबेटेकोदेतेहोतोउससेयहबातठहरा
दीजियेकिजोकुछउससेमैंकहुंसोवुहकरेतबमैं
उसकेघरजाऊंगी।राजाबोलाकहोकिवुहक्याकरे

उन्ने कहा महाराज मैं ब्राह्मणी और वुह क्षत्री इससे विह
तर यह है कि वुह पहले सव तीर्थ जात्रा कर आवै तव मैं उ
सके साथ घर करूं। यह वात सुनके राजा ने मंत्री के वेटे
को वुला कर कहा पहले तू तीर्थ यात्रा कर आ तव उस ब्रा
ह्मणी को तुझे देवेंगे। राजा की वात सुन दीवान के वेटे ने
कहा महाराज वुह घर मेरे जा वैठे तो मैं तीर्थ को जाऊं। यह
वात सुन राजा ने उस ब्राह्मणी से कहा जो तुम पहले उस
के घर में जाके रहो तो वह तीर्थ यात्रा को जाय। लाचार हो
राजा के कहने से ब्राह्मणी उसके घर में जा रही तव प्रधा
न के पुत्र ने अपनी नारी से कहा तुम दोनों निहायत प्या
र इखलास से वाहम एक हो रहना और आपस में किसी
तरह का झगरा लड़ाई न करना और विराने घर कभी न
जाना इतनी सिखदे वुह तो तीर्थ यात्रा को गया और इ
धर उसकी वहू सौभाग्यसुन्दरी नाम ब्राह्मण की वहू को
अपने साथ ले एक विछौने पर रात को लेटी हुई वाते इ
धर उधर की करने लगी कितनी एक देर के वाद उस दी
वान के पुत्र की वहू ने यह वात कही ए सखी इस वक्त तो
मैं इसका से जली जाती हूं पर मतलव मेरा किस तौर से
हासिल हो दूसरी वोली कि अगर तेरे मतलव को मैं वर
लाऊं तो तू मुझे क्या दे उन्ने कहा सदा तेरे आगे हाथ जो
ड़े आज्ञाकारी रहूं। तव इन्ने अपने मुंह से गुटके को नि

कालपुरुषवनगया॥ इमेशाः इसीतरहरातकोमर्द्देवनना
और दिनकोरएडी फिरतो इनदोनोमे वडी प्रीतिहुई गर
जइसीतरहसेछः महीने वीते और मंत्रीकापुत्र आपहु
चा उधर लो मगरउसके आने की खवर सुनमङ्गला
चार करने लगे और इधर ब्राह्मण की वहूने गुटका मुह
सेनिकाल मर्द्देवनरखि डकीकीराहमहलसे निकल
अपनी राहली फिर कितनी एकदेरमे उसमूलदेवव्रा
ह्मण के पास पहुचा कि जिसने इसे गुटका दिया था औ
र उससे सब अपनी आदि अन्त की अवस्था कही तव
मूलदेवने तमाम अहवाल सुनकर गुटका इससे ले
अपने साथी शशीनाम ब्राह्मण को दिया और दोनो
ने गुटके अपने अपने मुखमे रखलिये एकवूढा वन
गया और दूसरा वीस वरष का फिर ये दोनो राजा के प
हांगये राजा ने देखते ही दण्डवत कर इन के वैठने को
आसन दिया और इन्होने भी आसीस दी राजाने इन
की कुशलक्षेम पूछी मूलदेव से कहा कि इतने दिन तु
मकहा लगे ब्राह्मण वोला महाराज इसी पुत्र के ढूढ
ने को गया था सो इसे खोजकर आपके पास ले आया
हूं अव इसकी वहू को दोनो मेवहू वेटे को अपने घर ले
जाऊं तवराजाने ब्राह्मण के आगे वुह सव वृत्तान्त क
ह सुनाया ब्राह्मण ने सुनते ही अति कोपकर राजा से क

हायहकैानसाव्यवहारहैजोतुममेरेवेटेकीवहूऔरकोटी
अच्छाजोतुमनेचाहासोकियापरअवमेरापापकोलो
तवराजावोलाकिहेदेवतातुमक्रोधमतकरोजोतुमक
हासोमैकरूंब्राह्मणवोलाअच्छाजोतूमेरेसरापसेडरै
रमेराकहाकरताहैतोतूअपनीपुत्रीमेरेलडकेकोव्या
हदेयहसुनराजानेएकजोतषीकोवुलाशुभलग्नमुहूर्
तेठहरायअपनीपुत्रीउसब्राह्मणकेलडकेसेव्याहदी
फिरयहवहांसेराजकन्याकोदानदहेजसमेतलेराजा
सेविदाहोअपनेगांवमेंआयायहखवरसुनवुहमन
स्वीब्राह्मणभीवहांआउससेझगडनेलगाकिमेरास्त्री
मुझेदेससीनामब्राह्मणवोलाकिमैंदसपंचोमेंव्याहक
रल्यायाहूंयहस्त्रीमेरीहैउसनेकहाकिइसकेनामेरागर्भ
रहातेरीकिसतरहसेयहनारीहोगीऔरआपसमेंविव
दकरनेलगेमूलदेवनेइनदोनोकोवहुतसमझायाले
किनकिसुनेअसकाकहानमानाइतनीकथाकहवैता
लवोलाएराजावीरविक्रमाजीतकहोवुहस्त्रीकिसकी
हुईराजानेकहावुहस्त्रीशशीब्राह्मणकीहुई।तववैता
लवोलागर्भउसब्राह्मणकाजोरूइसकीकिसतरहसेहु
ई राजानेकहाउसब्राह्मणकापेटरहवायाहुयातोकि
सूनेमालूमनकियाऔरइन्नेदसपंचोमेवैठकेशादीकी
इसलियेइसीकीजोरूठहरीऔरवुहलडकाभीइसीकी

क्रियाकर्मका अधिकारी होगा यह बात सुन वैताल उसी
रूषमें जालटका फिर राजाने जाश्रीर वैतालको बाधका
धेपररखलेचला ॥ १४ ॥ ॥ ❁ ॥ ० ॥०

॥ पंदरहवी कहानी ॥०

वैतालबोला एराजा हिमाचल नाम एकपर्वत है तहां
गन्धर्वोंका नगर है और वहाका राजा जिमूतकेतु कर
ताथा एक समे उसने पुन्यके अर्थ कल्पवृक्षकी बहुत
सी पूजाकी तब कल्पवृक्ष खुस हो बोला एराजा तेरी से
वादेखके मै संतुष्ट हुआ जो तू चाहै सो वर माग राजाने क
हा कि एक पुत्र मुझे तू दे जो मेरा राज और नाम रहे। उ
न्हे कहा होगा कितनो दिनो के बाद राजाके बेटा हुआ
उसे एसा ही निहायत खुसी हूई और बहुत सादान पु
न्य कर ब्राह्मणोको बुला उस का नामकरण किया ब्रा
ह्मणोने उसका नाम जीमूतवाहन धरा जब कि वुह बा
रह बरष का हुआ तब उसके पिताने बडी धूमसे शादी
की शिवकी पूजा करने लगा और सब शास्त्र पढके
वड़ाही ज्ञानी ध्यानी शाहसी सूरवीर धर्मात्मा पण्डि
त हुआ उस समे उसकी बराबर कोई न था और जित
ने उसके राजमे लोग थे वे सब अपने अपने धर्ममे
सावधान थे जब उह जवान हुआ तो उन्ने भी कल्प
वृक्षकी बहुत सेवा की तब कल्पवृक्षने प्रसन्न हो

उससेकहा।जिसवातकीतुझेइच्छाहोसोमागमैतुझेदूंगापि
रजीमूतवाहनवोलाजोतुममुझसेप्रसन्नहुएतोमेरीस
वैरैयतकादरिद्रदूरकरोऔरजितनेलोगमेरेराजमेंहै
सवमालऔरदौलतसेवरावरहोजावेंतवकल्पवृक्ष
नेवरदियासवलोगधनसेऐसेआसूदाहुएकिकोई
किसीकाहुक्मनमानताथाऔरकोईकिसीकाकाम
नकरताजवउसराजाकेलोगऐसेहोगयेतवजोभा
ईवन्धुउसराजाकेथेवेआपसमेविचारकरनेलगेकि
वापवेटादोनोधर्मकेवसहुएऔरलोगइनकाहु
कुमनहीमानतेइससेउत्तमयहहैकिइनदोनोकोप
कड़केकैदकीजियेऔरराजइनकाछीनलीजियेग
रजराजातोउन्होकीतरफसेगाफिलथाऔरउन्हो
नेआपसमेमनसूवावाधफौजलेराजाकामन्दिर
जाघेराजवयहखवरराजाकोपहुचातवराजानेआ
पनेवेटेसेकहाअवक्याकरेराजकुमारवोलामहा
राज।आपयहांथिराजियेआपकेधर्मसेअभीजाके
उन्हेमारलेताहूं।राजानेकहाएपुत्रयहशरीरअनि
त्यहैऔरधनभीअस्थिरहैजवआदमीजन्मातोमृत्यु
भीउसकेसाथहैइसमेशरीरकेकारणऔरइसराज
कावास्तेमहापापकरनाउचितनहीक्योंकिराजायु
धिष्ठिरभीमहाभारतकरकेपीछेपछतायेथे।यहसु

नउसकेवेटेनेकहाअच्छाराजअपनागोतियोकोदी
जियेओरआपचलकेतपस्याकीजियेयहवातठहराभ
इमंत्रीजोकोवुलवाराजदेदोनोवापवेटमलयाचल
पर्वतकेऊपरगयेओरवहांजाकुटीरवनारहनेलगे
जीमूतवाहनसेओरएकऋषीकेवेटेसदोस्तीहुईए
कदिनउसपर्वतकेऊपरराजाकावेटाओरऋषीका
वेटासैरकेवास्तेगयेवहांएकभवानीकामन्दिरनज
रआयाउसमन्दिरमेएकराजकन्यावीनलियेहुएदेवी
केआगेगारहीथीउसकन्याकीओरजीमूतवाहनकी
चारनजरेंहुईओरदोनोकीलगनलगिगईपरराजक
न्यामनमारलाजकीमारीअपनेघरकोपधारीओरइध
रयहभीउसऋषिकीवेटेकीशरमकेमारेअपनेस्था
नपरआयावुहरातउनदोनोगुलउजारोकोनिहा
यतवेकलीसेकटीसुवहकेहोतेहीउधरसेराजकन्या
देवीकेमन्दिरकोगईओरउधरसेराजकुमारनेभीजा
तेहीदेखाकिराजकन्याजातीहैतवइसनेउसकीस
खीसेपूछायहकिसकीकन्याहैसखीनेकहायहम
लयकेतुराजाकीपुत्रीहैमलयावतीइसकानामओ
रअभीकुमारीहैयहकहफिरसखीनेइसराजपुत्रसे
पूछाकहोसुन्दरपुरुषतुमकहांसेआयेहोओरतुम्हा
राक्यानामहै।यहवोलाविद्याधरोकाराजाजीमूतके

तुनामतिसकामैंसुतहूंऔरजीमूतवाहनमेरानामहैरा
जकेभङ्गहोनेसेपितापुत्रहमयहांआनकेरहेहैंफि
रसखीनेयेवातेंसुनकरसारीराजकन्यासेकहीयह
सुनअपनेजीमेंवहुतदुखपायघरकोआईऔररा
तकोचिन्ताकरकेसोरहीपरयहदशाइसकीदेख
सखीनेवुहवृत्तान्तइसकीमाकेआगेजाहिरकिया
रानीनेसुनकरराजाकेआगेवयानकियाऔरक
हामहाराजपुत्रीआपकीवरजोगहुईहैइसकावर
क्योंनहींढूंढते।यहसुनकरराजानेअपनेजीमेंचि
न्ताकरउसीसमैंमित्रावसुनामअपनेपुत्रकोबुला
करकहावेटाअपनीवहिनकावरढूंढलाओ।तबउ
हबोलाकिमहाराजगन्धर्वकाराजाजीमूतकेतुना
मतिसकापुत्रजीमूतवाहननामराज्यछोडपितापु
त्रदोनोसुनाहैकियहांआयेहैं यहसुनमलयकेतुरा
जानेकहायहपुत्रीजीमूतवाहनकोदूंगाइतनाकहवे
टेकोआज्ञादीकिपुत्रजीमूतवाहनराजकुमारकोरा
जाकेपाससेजाकरबुलालाओ।यहराजाकाहुकुमपा
करउसीमकानपरगयाऔरवहांजाकरउसकेपिता
सेकहाअपनेपुत्रकोहमारेसाथकरदोकिहमारेपिता
नेकन्यादानदेनेकोबुलायाहैयहसुनकेराजाजीमू
तकेतुनेअपनेवेटेकोसाथकरदियाऔरवुहयहांआ

आया।फिरमलयकेतुराजानेउसकागन्धर्वविवाहकरदिया।
जबवेकीइसकीशादीहोचुकीतबदुलहनकोऔरमित्रावसु
कोअपनेस्थानपरलेकरआया फिरइनतीनोंनेराजाकोद
ण्डवतकीऔरराजानेभीउन्हेंआशीसदी वुहदिनतोयोंही
गुजरा लेकिनदूसरेदिनसुवहकोउठतेहीदोनोंराजकुमार
उसमलयागिरपर्वतपरफिरनेकोगयेवहांजाकरजीमूतवा
हनक्यादेखताहैकिएकसुफेदढेरउंचासाहैतबइसनेअ
पनेसालासेपूछाभाईयहधौला २ ढेरकैसानजरआताहै
वहबोलापाताललोकमेंकरोडोंनागकुमारवहांआतेहैंजि
न्हेंगरुडआनकेखाताहै यहउन्हींकेहाडोंकाढेरहै यहसु
नकेजीमूतवाहननेसालेसेकहा।मित्रतुमघरजाकेभोजन
करो क्योंकिमैंइससमैंअपनीनित्यपूजाकरताहूंकिमेरेपू
जाकरनेकाव्यवक्तहुआहै। यहसुनकेवहतोगयाऔर
जीमूतवाहनआगेजोबढातोरोनेकीआवाजआनेलगी
उसीआवाजकीधुनपरचलाचलावहांतोपहुंचातोक्या
देखताहै किएकबुढियादरखतसेव्याकुलहोरोतीहै उस
केपासजाकेपूछा एमातातूकिसकारणरोतीहै तबवहबो
ली किशंखचूडनामएकनागजोमेराबेटाहैतिसकीआज
पारीहै।उसेगरुडआकेखाजावेगे। इसदुखसेमैंरोतीहूं।इ
सनेकहाहेमातामतरोतेरेपुत्रकेबदलेमैंअपनाप्राणदूंगा
बुढियाबोलीबेटाऐसामतकीजियोतूहीमेराशंखचूडहैयह
कहतीथीकिइतनेमेंशंखचूडभीआनपहुंचाऔरउसनेसुन

केकहाएमहाराजमुझसेदरिद्रीवहुतसेपैदाहोताहैऔरमरते
हैंपरआपसेधर्मात्मादयावन्तसंसारमेघडीघडीपैदानही
होतेइससेआपमेरेपलटेअपनाजीनदीजियेक्योंकिआप
केजीतेरहनेसेलाखोंआदमियोंकाउपकारहोगाऔरमे
राजीनामरनादोनोवरावरहैतवजीमूतवाहनबोलाकियह
सतपुरुषोंकाधर्महैनहीजोमुहसेकहकरनकरेतूजहासे
आयाहैवहीकोजा।यहसुनकेसंखचूडतोदेवीकेदर्शन
कोगयाऔरआकाससेगरुडउतरा।इतनेमेराजकुमारदे
खताक्याहैपावतोउसकेचारचारवांसवरावरहैऔरताड
सीलंबीचोंचपहाडकेसमानपेटफाटककीमानन्दआंखे
औरघटासेपरएकाएकीचोंचपसारराजपुत्रपरदौडापह
लेतोराजपुत्रनेअपनेतईंवचायापरदूसरीवेरवुहचोंचमेर
खइसकोलेउडाऔरचक्करमारनेलगाइतनेमेएकवाजू
वंदकिउसकेनगपरराजाकानामखुदाहुआथाटुटखु
लकरलोहूभराराजकन्याकेसन्मुखगिरावुहउसकोदेख
करमूर्छाखागिरपडी।जवएककघडीकेवादचेतीतोउसने
सववृत्तांतअपनेमातापिताकोकहलाभेजावेयहविपत्ता
सुनकरआयेगहनालहूभरादेखरोयेऔरतीनोआदमी
ढूढनेकोनिकलेकिरस्तेमेइन्हेंशंखचूडभीमिलाऔरउनसे
वढकरअकेलावहांगयाजहांराजकुमारकोदेखायाऔर
पुकारपुकारकहनेलगाएगरुडछोडदेछोडदेयहतेराभ

ख्य नहीं है शंखचूड मेरा नाम है मैं तेरा भक्ष्य हूं यह सुनके गरुड़ प
छता कर गिरा अपने जी मे सोचा कि ब्राह्मण या क्षत्री मैंने खा
या यह क्या किया फिर इस राजपुत्र से कहने लगा ए पुरुष स
च कह कि इसलिये अपना जी देता है राजकुमार बोला ए गरु
ड़ वृक्ष छाया करते हैं औरों के ऊपर और आप धूप में बैठे फू
लते फलते हैं पराये वास्ते अच्छे पुरुषों का और वृक्षों का य
ही धर्म है जो यह देह और के काम न आवे तो इस सरीर से क्या
प्रयोजन है मसल मसहूर है कि जो जो चन्दन को घिसते हैं
त्यों त्यों दूनी दूनी सुगन्ध देता है और गन्ने को जो जो छील
के काट काट टुकड़े टुकड़े करते हैं त्यों त्यों उख अधिक अधिक
स्वाद देती है जो जो कञ्चन को जलाते हैं त्यों त्यों अति सुन्दर रं
गीला होता है उत्तम लोग जो हैं सो प्राण जाने से भी अपना स्व
भाव नहीं छोड़ते उन्हें किसी ने भला कहा तो क्या और बुरा क
हा तो क्या दौलत रही तो क्या जो न रही तो क्या अभी मरे तो क्या
और बाद मुद्दत के मरे तो क्या जो मनुष्य न्याव की राह से चलते
हैं कुछ हो और राह पर पाव नहीं रखते क्या हुआ जो मोटे हु
ए या दुबले गरज जिसके शरीर से उपकार न हो उसका जी
ना निष्फल है और बिराने अर्थ जिनका जीव है उन्हीं का जी
ना सुफल है यों तो कुत्ता कौवा भी अपना जी पालता है जो
ब्राह्मण गौ मित्र स्त्री की खातिर बल्कि बेगाने वास्ते जी देते
हैं सो निश्चय सदा बैकुण्ठ वास करते हैं गरुड़ बोला जग में स
ब अपनी जान की रक्षा करते हैं और अपना जी दूसरे के जी

कोबचानेवालेसंसारमेविरलेहीहोतेहैयहकहगरुडबोला
वरमागमैतेरेसाहसपरसन्तुष्टहुआयहसुनकेजीमूतवा
हननेकहाहेदेवजोतूमेरेऊपरप्रसन्नहुएहोतोअवनागो
कोनखाओऔरजोखायेहोउन्हेजिलादोयहसुनगरु
डनेपातालसेअमृतलाकरसापोकेहाडोपरछिडकाकि
फिरवेजीउठे औरइससेकहाएजीमूतवाहनमेरेप्रसाद
सेतेरागयाहुआराजफिरतुझेमिलेगायहवरदेगरुडआप
नेस्थानपरगयाऔरशंखचूडभीअपनेधामकोऔरजी
मूतवाहनभीवहासेचलाकिराहमेउसकासुसरऔरसा
सऔरस्त्रीमिलीफिरउनसमेतअपनेबापकेपासआया
औरयहअहवालसुनकेउसकेचचाऔरचचेरेभाईव
ल्किसारेकुटुम्बकेलोगमिलनेकोआयेऔरपावोपडइ
न्हेलेजाराजपरबिठायाइतनीकथाकहवैतालनेपूछाए
राजाइतनेमेसत्तकिसकाअधिकहुआराजावीरविक्रमा
जीतबोलाशंखचूडका। वैतालनेकहाकिसतरहसेराजा
नेकहाकिगयाहुआशंखचूडफिरजीवदेनेकोआयाऔ
रगरुडकेखानेसेबचाया वैतालबोलाकिजिसनेपरा
येलियेअपनीजानदीउसकासत्तक्योनअधिकहुआ
राजानेकहाजीमूतवाहनजातकाक्षत्रीहैउसेजीदेनेका
अभ्यासहोरहाहैइससेउसेजानदेनाकुछकठिननमा
लूमदीयहसुनवैतालफिरउसीपेडमेजालटकाऔररा

जामहाजाउसेवाघकाधेपररखलेचला १५ ॥०॥०॥८

सोलहवीकहानी॥

वैतालवोलाएराजावीरविक्रमाजीनचन्द्रशेखरनामएकनग
रहैकिवहांकारहनेवालारतनदत्तसेठथा उसकेएकवेटी
थीउसकानामउन्मादिनीथाजवउहयौवनावतीहुईतवउस
केवापनेवहांकाराजासेजाकरकहामहाराजमेरेघरमेएकक
न्याहैजोआपउसकीचाहहोतोलिजियेनहीमेऔरकिसीके
दूंयहसुनराजानेदोतीनप्राचीनदासोकोवुलाकरकहाइस
सेठकीपुत्रीकेलक्षणजाकेदेखआवो।वेराजाकीआज्ञासे
सेठकेघरआयेऔरउसलड़कीकारूपदेखसभीमोहितहुए
हुसमये लागेथाअंधेरेघरकाउजालाआंखेमृगकीसीचोटी
नागिनसीभौंहेकमानसीनाककीरकीसी वतीसीमोतीकी
सी लडीहोठकुन्दुरूकीमानन्दगलाकपोतकासा कमरचीते
कीसीहाथपावकोमलकमलसेचन्द्रमुखीचप्पावरनीहंस
गमनीकोकिलवैनी जिसकेरूपकोदेखइन्द्रकीअपसराभी
लज्जायइसप्रकारकीसुन्दरीसवसुलक्षणभरीदेखउन्होने
आपसमेविचारकियाएसीजोनारीराजाकेघरमेजायगीतो
राजाउसकाअधीनहोयेगाऔरराजकाजकीचिन्ताकुछन
करेगा इससेविहत्तरयहहैकिराजासेकहियेवुहकुलक्षणी
है आपकेजोगनही यहविचारकरवहांसेराजाकेपासआक
रउन्होनेयहनिवेदनकिया महाराजउसकन्याकोहमनेदेखा

उहआपकेलाइकनहीयहसुनकेराजानेसेठसेकहामैव्याह
नकरूंगा।फिरसेठनेअपनेघरआकयाकामकियाकिवल
भद्रजोराजाकासेनापतिथाउसकेसाथअपनीपुत्रीकावि
वाहकरदियावुहउसकेघरमेरहनेलगीएकदिनकाजिक्र
हैकिराजाकीसवारीउसराहसेनिकलीऔरवुहभीउसस
मेंसिंगारकियेअपनेकोठेपरखडीथीइत्तिफाकनराजाकी
औरउसकीचारनजरेहुइंराजाअपनेमनमेकहनेलगाय
हदेवकन्याहै।याअपछराहैयानरकन्याहै।गरजउसकास
पदेखमोहितहोगया औरवहांसेनिपटवेकरारहोअपनेमं
दिरकोआयाउसकामुंहदेखद्वारपालबोलामहाराजआ
पकेशरीरमेक्याव्यथाहैराजानेकहाआजमैनेआतेहुएवा
टमेएककोठेपरसुन्दरस्त्रीदेखीहैमैनहीजानताहूंकिवुह
हूरयापरीयाइनसानहैकिउसकेरूपनेएकवारगीमेरामन
मोहलियाइससेविकलहूंयहसुनकेदरवाननेअर्जकीम
हाराजउसीसेठकीलड्कीहैजोआपकासेनापतिवलभद्र
हैवुहउसेव्याहलायाहै राजानेकहामैनेजिनलोगोकोल
च्छनदेखनेभेजाथाउन्होनेहमसेछलकियायहकहराजा
नेचोपदारकोफरमायाउन्हेजलदीलेयावोराजाकीयहआ
ज्ञापाचोपदारउन्हेवुलालायागरजजववेराजाकेसन्मु
खआयेतोराजानेकहामैनेजिसलियेतुम्हेभेजाथाऔरजो
मेरीइच्छाथीसोतुमनेनकीवल्किअपनेजीमेएकवातमु

दीबनाकरमुझेउत्तरदियाऔरआजमैनेअपनीआंखोसेदे
सेदेखा उहएसीसुन्दरनारीसबगुणपूरीहैकिइससमैउस
सीमिलनीकठिनहैयहसुनकेउन्होनेकहामहाराजजोआ
पफ़रमातेहैसोसचहैपरहमनेउसेकुलक्षणीजिसवास्ते
हजूरसेअरजेकियाथासोवुहमुदाआपसुनियेआपसमे
हमनेयहविचाराएसीसुन्दरनारीजोमहाराजकेघरमेजाए
गीतोमहाराजदेखनेहीउसकेवसहोगेऔरराजकाजस
बछोडदेगेतोराजभङ्गहोगाइसभयसेहमनेऐसावनाक
रकहाथा यहसुनकेराजानेउनसेतोकहाकितुमसचक
हतेहोपरउसकीयादमेराजाकोनिपटवेचैनीथीऔरसव
लोगोपरराजाकीवेकरारीजाहिरथीकिइतनेमेबलभद्र
भीआपहुंचाऔरउनेहाथजोडराजाकेसामनेखडेहोके
रअर्जकीहेपृथ्वीनाथमैआपकादासवुहआपकीदासी
औरउसकेहेतआपइतनाकष्टपावेइससेमहाराजआज्ञा
दीजियेकिवुहहाजिरहोयहबातसुनराजानिहायतक्रो
धकरकेवोलाविरानीस्त्रीकेपासजानावडाअधर्महैयह
बातक्यातूनेमुझसेकहीक्यामैअधर्मीहूंजोअधर्मकरूं
विरानीस्त्रीसाथमाताकीसमानहैऔरविरानाधनमट्टी
बराबरसुनोभाईजैसेआपनाजीआदमीसमझेवैसाही
सबकाजीसमझे फिरबलभद्रवोलावुहमेरीदासीहैजब
मैनेऔरकोदीफिरविरानीस्त्रीक्योकरहुईराजानेकहाजि

नकामकेकरनेसेसंसारमेंकलङ्कलगेसोकाममैंनकरूंगाफिरि
सेनापतिनेअर्जकियामहाराजउसेमैंघरसेनिकालदोंऔरजग
हरखवेश्याकरआपकेपासलाऊंगातबराजानेकहाजोतूस
तीनारीकोवेश्याकरेगातोमैंतुझेबड़ादंडदूंगायहकहराजाउ
सकीयादमेंचिन्ताकरकेदशदिनमेंमरगयाफिरिबलभद्रसे
नापतिनेअपनेगुरूसेजाकरपूछामेरास्वामीउन्मादिनीके
कारणमुआअबमुझेक्याकरनाउचितहैसोआज्ञाकीजि
येउसनेकहासेवककाधर्मयहहैस्वामीकेपीछेअपनाभी
जीदेयहसुनकेवुहकसीवहांगयाजहांराजाकेतईंजलाने
कोलेगयेथेजितनेंदिरमेंराजाकीचितातैयारहुईउसनेभी
असनानपूजाकरफरागतकीऔरजबचितामेंआगदीतब
यहभीचिताकेपासगयाऔरसूरजकेसामनेहाथजोड़कर
कहनेलगाएसूरजदेवतामैंमनवचनकरकेयहीकामनामा
गताहूंकिजन्मजन्मइसीस्वामीकोपाऊंऔरतेरेगुणगाऊं
इतनाकहदंडवतकरआगमेंकूदपड़ायहखबरसुनउन्मा
दनीअपनेगुरूकेपासगईऔरउससेसबकहकेपूछामहारा
जस्त्रीकाधर्मक्याहैउसनेकहामातापितानेजिसकेतईंअपनी
कन्यादीउसीकीसेवाकरनेसेवुहकुलवंतिकहलातीहैऔर
धर्मशास्त्रमेंऐसालिखनाहैकिजोनारीअपनेस्वामीकीजा
नपवाकरतीहैवुहअपनेस्वामीकीउमरकमकरतीहैऔर
अन्तकालकोनरकमेंपड़तीहैपरउत्तमयहहैकैसाहीस्वामी
हीनहोउसीकीसेवाकरनेसेइसकीभक्तिहोतीहैऔरजोनारी

श्मशानमेसतीहोनेकीकामनाकरजीतिनेपावनमीनपरस्व
नीहैउतनेऋश्वमेधयज्ञकरनेकाफलहोताहैइसमेकुछसं
देहनहीऔरसतीहोनेकेसमाननारीकोकोईधर्मनहीं। यह
सुनदंडवतकरऋपनेघरकोऋाईऔरस्नानध्यानकरवहु
तसादानब्राह्मणोकोदेचितापासजायकेपरिक्रमाकरवो
लीकिएनाथमैतेरीदासीजन्मजन्महूइतनाकहयहभीऋा
गमेजावैगीऔरजलगईइतनीकथाकहवैतालवोलाएरा
जाइनतीनोमेकिसकासतऋधिकहुऋा राजावीरविक्रमाजी
तनेकहाउसराजाकावैतालनेकहाकिसतरहराजावोला
सेनापतिकीदीहुईस्त्रीकोछोडऋौरउसीकेवास्तेजानदी
परधर्मरक्षास्वामीकेलियेसेवककोजीदेनाउचितहैऔर
पतिकेलियेस्त्रीकोसतीहोनालाजिमहैइसकारणराजा
कासतऋधिकहुऋावैतालइतनीकथासुनउसीतरवरमे
जालटकाराजाभीपीछेपीछेजाफिरउसेवांधकांधपरस्व
लेचला॥ १६ ॥ रामः०॥०रामः०॥०रामः०॥०॥

॥ सतरहवींकहानी॥

वैतालवोलाएराजाउज्जैननगरीकामहासेननामराजाथा
ऋौरवहांकावासीदेवशर्म्माब्राह्मणजिसकेवेटेकानाम
गुनाकरवुहवडाजोरीहुऋापहतलककीजोकुछउसब्रा
ह्मणकाधनथासोजूएमेहारदियातवसारेकुनवेकेलो
गोनेगुनाकरकोघरसेनिकालदियाऔरउससेकुछ
वननऋायालाचारहोकरवहांसेचलातोकितनेदिनो

मे एक शहर मे आया वहां देखता क्या है कि एक जोगी धुनी ल
गाये बैठा है उसे दंडवत कर यह भी वहां बैठ गया। जोगी ने इ
स से पूछा तू कुछ खायगा इसने कहा महाराज दोगे तो क्यौं
न खाऊंगा। जोगी ने एक आदमी की खोपरी मे पानी भर के
इसे ला दिया इसने देखकर कहा इस कपाल का अन्न मै न
खाऊंगा। जब इसने भोजन न किया तब जोगी ने ऐसा मंत्र प
ढा कि एक यक्षनी हाथ जोड़ आनके हाजिर हुई और बोली
महाराज जो आज्ञा हो सो करूं जोगी ने कहा इस ब्राह्मण के
अच्छा भोजन दे। इतना सुनके उसने एक अच्छासा मन्दिर
बना उसमे सब सुख के सामान रख के इसे वहां से अपने सा
थ ले गई और एक चौकी पर बैठा भांति भांति के व्यञ्जन और
पकवान थाल भर भर उसके रूबरू रख उसके मनमानता।
जो भाया सो खाया और इसके बाद पानदान उसके सन्मु
ख रख दिया और केसर चन्दन गुलाब मे घिस कर उसके
बदन मे लगाया फिर अच्छे २ वस्त्र सुगन्धों से बास के सन्मु
ख पहना फूलों की माला गले मे डाल वहां से पलङ्ग पर ला
बिठाया कि इतने मे सांझ हुई और यह भी अपनी तैयारी क
र सेज पर जा बैठी और उस ब्राह्मण ने सारी रैन सुख चैन से
काटी जब भोर हुई वुह यक्षनी अपने स्थान पर गई और इस
ने जोगी के पास आनकर कहा कि स्वामी वुह तो चली गई
अब मै क्या करूं जोगी बोला वुह विद्या केवल से आई थी।

श्रौरजिसे विद्याश्चातीहै उसकेपासरहतीहै इसनेकहा महा
राज। वह विद्यामुझे दोतोमे साधूं तब योगीने कहा एकमं
त्र उसको दिया श्रौर कहाकी इसमंत्रको चालीसदिन श्राधी
रातके समैजलमें बैठ एकचित्त होके साधे इसीतरह से यह
साधने को जायाकरता श्रौर श्रनेक श्रनेकतरह के भयन
जर श्चानेपर यह किसूसे नडरता जवकि वुह मुद्दत होचुकी
तो इसने जोगी से श्चाकर कहा कि महाराज जितने दिन श्चा
पने कहे थे मैं साध श्चाया उसने कहा कि इतने दिन श्रव श्चा
गमे बैठकर साध इसने कहा महाराज एकबेर श्रपने कुटु
म्वसे मिल श्चाऊं फिर श्चाके साधूंगा यह जोगीसे कह विद
हो श्रपने घरको श्चाया श्रौर कुनबे को लोगोने इसे जो देखा
तो गले लगा लगा रोनेलगे श्रौर इसके वापने कहा ए गु।
णाकर इतने दिनोंतक कहां रहा श्रौर किसवास्ते घरको वि
सारा ए पुत्र इससे कहा है जो पति श्रपनी स्त्री को छोड़के जुदा र
हता है श्रौर जवान नारी को पीठ देता है या जो जिसे चाहता है
वुह उसे न ही चाहता वुह चण्डाल के समान होता है श्रौर ऐ
से कहा है गृहस्थी धर्म वरावर को ईधर्म नहीं श्रौर घरवाली
की वरावर कोई संसार मे सुख देनेवाली नहीं श्रौर जो माता
पिताकी निन्दा करते है सो श्रधमनर है श्रौर उनकी गति मु
क्ति कभी नहीं होती ऐसा ब्रह्मा ने कहा है। तब गुणाकरबोला
कि यह शरीर रक्त श्रौर मांसका बना हुश्चा है सो कीड़ों की खा

नहैऔरसुभावइसकायहहैकिएकरोमइसकीखबरलूले
जैतोदुर्गन्धआतीहैजोऐसेशरीरसेप्रीतिकरतेहैसोमूरख
हैऔरजोइससेहितनहीकरतेवेपंडितहैऔरइससरीर
कायहीधर्महैकिबारबारजनमलेताहैऔरमरताहैऐसेश
रीरकाक्याभरोसाकीजेइसेबहुतेरापवित्रकीजेपरयहपवि
त्रनहीहोताजैसेमलकाभराघड़ाऊपरकेधोनेसेपाकनही
होताऔरकोइलेकोकोईबहुतेराधोवेपरवहधोलानहीहो
ताऔरजिससरीरमेमलकेसोतासदावहाकरतेहैकिसत
रहसेशुद्धहोइतनाकहफिरबोलाकिकिसकीमाकिसका
बापकिसकीजोरूकिसकाभाईइससंसारकीयहीरीतहै
किकितनेआतेहैऔकितनेजातेहैजोयज्ञऔरहोमके
करनेवालेहैसोआगकोईश्वरजानतेहैऔरजोकमअ
कलहैसोप्रतिमाकरभगवानकोमानतेहैऔरजोगीलो
गअपनेघटमेहीहरिजानतेहैएसेयहलीधर्मकोमेबक
रूंगाबलिकजोगाभ्यासकरूंगाइतनाकहउसनेघरसेबि
दालेयोगीकेपासआआगमेबैठमंत्रसाधापरयक्षिनीन
आईतबयोगीकेपासगयाऔरयोगीनेउससेकहाकिवि
द्यातुझेनआईफिरइन्नेकहाहोमहाराजनआईइतनाकि
साकहबैतालबोलाकिएराजाकहोकिसकारणउसेवि
द्यानआईराजाबोलाकिवहसाधकदुचितहुआइसलिये
नआईऔरऐसेकहाहैकिएकचित्तहोनेसेमंत्रसिद्धहोता

है और दुखित होने से नहीं होता है और ऐसे भी कहा है कि जो दान से हीन है तिनकी कीर्त्ति नहीं होती और जो मन से हीन है उन्हें लाज नहीं जो न्याव से हीन है तिन्हें लक्ष्मी नहीं मिलती और जो ध्यान से हीन है उन्हें भगवान नहीं मिलता यह सुन वैताल ने कहा कि जो साधक मंत्र सिद्ध करने के लिये आग में बैठा वुह किस तरह दुखित हुआ राजा ने कहा कि मंत्र साधने की बिरियां जब वुह अपने कुटुम्ब से मिलने गया उस समै जोगी ने साधक से अपने मन में कहा कि ऐसे दुचिले साधक को मैंने विद्या क्यों सिखाई इसलिये उसे विद्या न आई और ऐसे कहा है कि मनुष्य कितना ही पराक्रम करे पर कर्म उसके साथ रहता है और कितना ही काम अपने बुद्धि से करे पर कर्म का लिखा ही मिलता है यह सुनकर वैताल फिर उसी दरखत पर जा लटका और राजा भी उसके पीछे ही जा उसे बांधकर कांधे पर रखके ले चला ॥ २० ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अठारहीं कहानी ॥ ० ॥

वैताल बोला कि ए राजा कुबलपुर नाम एक नगर है उहां के राजा का नाम सुदक्षी और उस नगर में धनाक्षी नाम एक सेठ भी रहता था उसकी पुत्री का नाम धनवती था छोटी उमर में उसकी शादी एक गौरीदत्त नाम बनिये से कर दी कितने दिनों के पीछे एक लड़की उसके हुई नाम उसका मोहनी रखा जब वुह कई एक बरस की हुई तब उसका बाप मर गया और उ

सवनियेके भाईवंदोने उसका सरवस छीन लिया वुह ला
चार हो अपनी वेटी का हाथ पकड अंधेरी रातके समै उस
घरसे निकल अपने मावापके घरको चली। थोडी एक
दूर जाकर राह भूल एक मरघटमे जा निकली वहां एक
चोर शूली पर टंगा हुआ था अचानक इसका हाथ उसके
पावमे लगा वुह वोला कि इस समै मुझे किन्ने दुख दिया
तव यह वोली मैने जानकर तुझे दुख नही दिया मेरी तकसी
र माफ कर उसने कहा दुख और सुख कोई किसीके नही
देता जैसा विधाता कर्ममे लिख देता है वैसाही भुगता है
और जो मनुष कहते है यह काम हमने किया सो निपट
निर्वुद्धि है क्यो कि मनुष करमके तागेमे वंधे हुए है वुह ज
हां जहां चाहता है न हां न हां खेच लाजाता है विधाता की
वात कुछ समझी नही जाती क्यों कि मनुष अपने मनमे कु
छ विचारते है और वुह कुछ औरकर देता है यह सुन धनव
ती वोली एपुरुषतू कौन है उसने कहा मै चोर हूं तीन रात दि
न शूली पर मुझको हुआ है और जान नही निकलती यह वो
ली किस कारण। उसने कहा कि विन व्याहा हूं अगर तू अ
पनी कन्या मुझे व्याह दे तो करोड अशर्फी दूं मशहूर है कि सा
प मूल लोभ और व्याधका मूल रस और दुखका मूल नेह
जो इन तीनो को छोडे सो सुखसे रहे पर ये हर किसुसे छूट
नही सकते अंतकाल लालचके मारे धनवती ने कन्या देने

कीइच्छाकीश्रोरपूछामैयहचाहतीहूकितेरेपुत्रहोपरकिस
तरहसेहोगाउसनेकहाकियहजिससमैजवानहोगीउ
सश्रेयाममेएकसुन्दरब्राह्मणकोवुलाकरपाचसोमोह
रदेउसकेपासरखियोइसतरहसेइसकेवेटाहोगायहसुन
केधनवतीनेलडकीकोशूलीकेगिर्देचारफेरेदेशादीकरदी
तवचोरनेउसेकहापूरवतरफइन्द्रोरकुएकेपासएकवड
कादरखतहैउसकेनीचेवेश्रसर्फियागडीहुईहैतूजाके
लेयहकहकहकरउसकीजाननिकलगईहैयहउधर
कोचलीश्रोरवहापहुचकरउसमेसेथोडीश्रसर्फियाले
श्रपनेमावापकेघरश्राईउसनेयहवृतांतकहउनकोश्र
पनेसाथस्वामीकेदेशमेलाईफिरएकवडीसीहवेलीवना
उसमेरहनेलगीश्रोरउहलडकीदिनवदिनवढनेहैजव
वुहयौवनावतीहुईएकदिनसखीकोसाथलेकोठेपरख
डीवाहनिहाररहीथीकिइसमेएकजवानब्राह्मणउसगे
लमेश्रानिकलाश्रोरयहउसेदेखकामकेवसहोसखीने
वोलीकिएश्रालीइसपुरषकोतूमेरीमाकेपासलेश्रायह
सुनकेवुहब्राह्मणकोउसकीमाकेपासलेश्राईवुहउसे
देखकरवोलीकिहेब्राह्मणामेरीवेटीजवानहैजोतूइस
केपासरहेगातोमैपुत्रकेनिमित्तसोश्रशरफीतुझेदूगीय
हसुनकेउसनेकहामैरहूगापेवातेकरतेथेकिइतनेमेसा
झहुईउसेइच्छाभोजनदियाश्रोरउसनेश्रालूकियामस

लमसहूरहैकिभोगआठप्रकारहैएकसुगन्धदूसरेवनिता
नीसरेवस्त्रचौथेगीतपाचवेपानछठेभोजनसातवैसेजआ
ठवेंआभूषणयेसबवहामौजूदथेगरजजबपहररातआ
ईउसनेरङ्गमहलमेजाउसकेसाथसारीरैनआनंदसेका
टीजबभोरहुईवुहअपनेघरगयाओरयहउठकेअपनी
सखियोकेपासआईतबउनमेसेएकनेपूछीकिकहोरान
कोदोस्तकेसाथक्याक्याखुसियाकीउसनेकहाकिजिस
वक्तकिमेउसकेपासजाबैठीथीमेरेजीमेएकधडकासामा
लूमहुआथाजबकिउसनेमुसकुराकेमेराहाथपकडलि
यामैउसकेबसहोगईओरमुझेकुछखबरनथीकिक्याहु
आओरऐसेकहेहैकिएकनामीदूसरेसुरमातीसरेचतुर
चौथेसरदारपाचवेसखीछठेगुणवानसातवेस्त्रीरक्षक
होऐसेपुरुषकोनारीइसजन्ममेतोक्याउसजन्ममेभीन
हीभूलनीहासिलयहहैहैकिउसीरातसेगर्भरहाजबवकी
दिनपूरेहुएएकलडकापैदाहुआटीकोरानीकोउसकी
मानेसुपनेमेदेखाकिएकजोगीजिसकेसिरपरजटाथा
थेपरचांदउज्जलभभूतमलेधौलाजनेउपहिनेमुण्डमा
लागलेमेडालेएकहाथमेखपरदूसरेमेत्रिशूललियेहु
एमहाभयावनीसूरतबनायेउसकेसोहीआकहनेलगा
किकलआधीरातकेसमेएकपिटारेमेहजारमोहरकाना
डओरइसलडकेकोबन्दकरराजद्वारपररखआयहदेख

तीहीउसकीआंखखुलगईऔरफ़जरहुएअपनेमाकेपास
इसनेसबवृत्तान्तकहा।यहसुनकेदूसरेदिनउसकीमा
उसीतरहपिटारेमेउसलड़केकोबन्दकरराजाकेदरवाजे
पररखआई।औरइधरराजानेध्यानदेखाकिदसभुजपां
चशिरहैंएकसिरमेतीनआंखेंऔरहरएकशिरपरएक
एकचांददांतबड़ेबड़ेत्रिशूलहाथमेलिएअतिडरावनीसू
रतइसकेसामनेआनकेबोलाकिएराजातेरेद्वारपरएक
पिटारारखाहैउसमेजोलड़काहैउसेतूलेआवहीतेरारा
जरहेगायहसुनतेहीराजाकीआंखखुलगईतबरानी
सेसबअहवालकहाफिरवहांसेउठदरवाजेपरआदेखा
किपिटाराधराहैजोउसीपिटारेकोखोलकरदेखातोउसमेए
कलड़काऔरहैजारअसरफ़ीकातोड़ाहैउसलड़केको।
आपउठालियाऔरद्वारपालसेकहाकिइसतोड़ेकोउठा
लाफिरमहलमेजालड़केकोरानीकेगोदमेदियाइतनेमे
प्रभातहुआराजानेबाहरआपण्डितोंसेऔरजोतिषीयोंको
बुलाकेपूछाकिकहोइसलड़केमेराजलक्षनकाहैतबउ
नपण्डितोमेसेएकसामुद्रिकजाननेवालाब्राह्मणबोला
किमहाराजइसलड़केमेतीनलक्षणतोप्रत्यक्षदेखतेहैं
एकतोबड़ीछातीदूसरेउंचाललाटतीसरेबड़ाचिह्नासि
वाइनकेमहाराजबत्तीसलक्षणपुरुषकेजोकहेहैसोस
बइसमेहैइससेनिःसंदेहरहियेयहराजकरेगा।यहसुन

राजानेप्रसन्नहोमोतियोंकाहारअपनेगलेसेउतारउसब्रा
ह्मणकोदियाऔरसबब्राह्मणोंकोबहुतसादानदेहुकुम
कियाकिइसलडकेकानामरखोतबपण्डितोंनेकहामहा
राजआपगाढजोडबांधबैठियेमहारानीगोदमेंलडका
लेबैठेऔरसबमंगलीलोगोंकोबुलाकरमङ्गलाचारक
रवाओतबहमशास्त्रकीरीतिसोनामकरणकरेंयहसुन
राजानेदीवानकोआज्ञादीकिजोयेकहेंसोकरोदीवानने
लडकेकेहोनेकीउसीवक्तनगरमेंडौंडीखुशीकीफिरवादी
यहसुनकेसबमङ्गलामुखीहाजिरहुएऔरघरघरसेबधा
ईआनेलगीराजाकेमन्दिरमेंआनन्दकेबाजनबाजनेल
गेऔरमङ्गलाचारहोनेलगेफिरराजारानीगोदमेंलडके
कोलेचौकमेंआबैठेऔरब्राह्मणवेदपढनेलगेउनब्राह्म
णोंमेंसेएकजोतिषीनेशुभघरीलगनमुहूर्तबिचारउ
सलडकेकानामहरदत्तरखाफिरवुहदिनबदिनबढने
लगानिदानसोनौबरसकीउमरमेंछःशास्त्रऔरचौद
हविद्यापढकरपण्डितहुआइसमेंभगवानकाचाहाहु
आकिउसकामाबापमरगयावुहराजगद्दीपरबैठाऔ
रधर्मसेराजकरनेलगाकईएकबरसकेपीछेएकदिनवु
हराजाअपनेमनमेंचिन्ताकरनेलगाकिमैंनेमाबापके
यहांजन्मलेकेउनकेनिमित्तक्याकियामसलहैकिजो
देयाबनाहोमेंहैवेसबपरदयाकरतेहैंवोहीज्ञानीहैऔ

रउन्हीकोवैकुंठहोताहैश्रौरजिन्हकामनसुद्धनहीतिन
कादानस्नानजपतीर्थकरनाशास्त्रसुनासवव्रथाहैश्रौर
जोश्रद्धाहीनडिंभसमेतश्राद्धकरतेहैंतिनकानिर्फलहोता
हैश्रौरपितरउनकेनिरासजातेहैं। यहवातराजानेसोच
समझकरविचारिकिश्रवपितृकर्मकियाचाहियेफिरराजा
जाहरदत्तगयामेगयाश्रौरजाकरश्रपनेपितरोंकानाम
लेफल्गूनदीकेकनारेपिंडदेनेलगाकिउसनदीमेसेती
नोंकेहाथनिकलेयहदेखश्रपनेजीमेघवरायाकिमैंकि
सकेहाथमेदूंश्रौरकिसकेहाथमेनदूं। इतनीकथाकहवैता
लबोलाकिएराजाविक्रमउनतीनोंमेसेकिसेपिंडदेना
उचितथातबराजानेकहाचोरकोफिरवैतालबोलाकिस
काराणतबउसनेकहाकिब्राह्मणकावीजतोमोललियाग
याश्रौरराजानेहजारश्रशरफीलेकेपालाइसवास्तेउनदोनों
कोपिंडकाश्रधिकारनहुश्राइतनीवातसुनफिरवैतालउ
सीदरखतपरजाटंगाश्रौरराजाउसेवहांसेवांधकरलेच
ला॥ १८॥ उन्नीसवीकहानी॥ ॥०॥
वैतालवोलाएराजाचित्रकूटनामएकनगरहैतहांकारूप
दत्तनामराजाएकदिनश्रकेलाश्रवारहोशिकारकोगया
सोभुलाहुयाएकमहावनमेजानिकलावहांजाकेदेखता
क्याहैकिएकवडासातालावहैउसमेकवलखिलरहेहैं।
श्रौरभांतिभांतिकेपक्षीकलोलेकररहेहैंतालावकेचारों

औरवृक्षोकीघनीघनीछावमेंठढीठढीहवासुगंधोकेसाथ
आरहीहैयहभीधूपकातैसाहुआयाघोडेकोएकदरखतसे
वाधजीनपोशविछाकरवैठगयाघडीएकवीतथेकिएक
ऋषिकीकन्याअतिसुन्दरयोवनवतीवहापुष्पलेनेकोआ
ईउसेफूलतोडतेहुएदेखराजाअतिकामकेवसहुआजव
वुहफलतोडअपनेस्थानकोचलीतवराजावोलाकियह
तुम्हाराकैसाआचारहैकिहमतुम्हारेआश्रममेंअतिथआ
येऔरतुमहमारीसेवानकरोयहसुनकेवहफिरखडीहुई
तवराजानेकहाकिऐसेकहतेहैकिउत्तमवरणकेघरजो
नीचवरणभीअतिथआवेतोवुहभीपूजनीयहैऔरचो
रहोयाचांडालशत्रुहोयापितृघातकपरजोवुहभीअपने
घरआवेतोउसकीभीपूजाकरनीउचितहैक्यौकिअति
थसवकागुरुहैइसतरसेजवराजानेकहातवउहषडीहु
ईफिरतोदोनोआरखोलडानेलगेइसमेवुहमुनिभीआप
हुचाराजानेउसतपसीकोदेखपरनामकियाऔरउनेआ
शीर्वाददियाकिचिरंजीवरहोइतनाकहउसनेराजासेपू
छाकियहाकिसकारणआयेहोउसनेकहामहाराजशि
कारकरनेआयाहूंवुहवोलाकिसलियेतूमहापापकरता
है।ऐसाकहाहैकिएकजनपापकरताहैऔरअनेकजनउ
सकेपापकाफलभुगततेहैराजानेकहाकिमहाराजमुझ
परकृपाकरकेधर्मअधर्मकाविचारकहो।तववुहमुनिवोला

सुनियेमहाराजकीजोजीवारण्यजलखावनवासकरतेहैंति
नकेमारनेसेबड़ाअधर्महोताहैऔरपशुपक्षीमनुष्यकेप्रति
पालकरनेकाबड़ाधर्महै औरऐसाकहाहैकिजोभयमान
औरसरणआयेकोनिर्भयकरदेतेहैंसोमहादानकाफल
लेतेहैंऔरऐसाकहाहैकिक्षमाबराबरतपनहीऔरसंतो
षसमानसुखभीऔरनातुल्यधननहीऔरदयासमधर्म॥
औरजोनरअपनेधर्ममेंसावधानहैंऔरधनगुणविद्या
जसप्रभुतापाअभिमाननहीकरतेऔरजोअपनीस्त्रीसे
सन्तुष्टहैंऔरसत्यवादीहैंसोअंतकालमुक्तिगतिपातेहैं
औरजोजटाधारीवस्त्रहीननिरायुधकोहनतेहैंवेलोग
अनन्तसमैनरकभोगकरतेहैंऔरजोराजारैयतकेदुखदा
इयोंकोनहीदण्डदेतावुहभीनरकभुगतताहैऔरजोरा
जाराणीआमित्रकीस्त्रीयाकन्यायाआठनौमहीनेकीग
र्भिनीसेभोगकरतेहैंसोमहानरकमेंपड़तेहैंएसाधर्मशा
स्त्रमेंकहाहै।यहसुनराजानेकहाआजतकनादानीसेजो
पापकियासोकियाफिरभगवाननेचाहातोमैंनकरूंगा।
राजाकेइसकहनेसेमुनिप्रसन्नहोकेकहाकिजोतुमवरमा
गोसोमैंतुमसेवहुतसन्तुष्टहुआ।तवराजानेकहाकिम
हाराजजोतुममुझपरतुष्टहुएतोअपनीकन्यामुझेदो यह
सुनकेमुनिनेअपनीपुत्रीराजाकोगन्धर्वविवाहकीरीत
सेव्याहदीऔरआपअपनेस्थानकोगयाफिरराजाऋषिक

याकोलेअपनेनगरकोतरफचलाकिरस्तेमेंकरीवंआधीद
रकेसूरजअस्तहुआऔरचन्द्रमाउदैहुआतबराजाएकदरख
तघनासोदेखउसकेनीचेउतरघोडाउसकीजडमेंबांध
आपजीनपोसविछादेनोसोरहेफिरिदोपहररातकेसमै
एकब्रह्मराक्षसनेआराजाकोजगाकरकहाकिहेराजामें
तेरीस्त्रीकोखाउगाराजानेकहाऐसामतकरजोतूमांगे
गासोमैंदूगातबराक्षसनेकहाकिएराजाजोतूसातवर
सकेब्राह्मणकेलडकेकासिरकाटकरअपनेहाथसेमुझे
देतोमैंइसेनखाऊंराजानेकहाऐसेईमैंकरूंगापरआज
केसातवेदिनतूमेरेनगरमेंआइयोमैंतुझेदूंगा।इसतरहसे
राजाकोवचनबंदकरराक्षसअपनेस्थानकोगयाऔरभो
रहुएराजाभीअपनेमहलमेंआदाखिलहुआमंत्रीनेसु
नकेबहुतखुशीसादीकीऔरब्याहकेभेटदीऔरराजानेमंत्री
सेवुहवृत्तांतकहकरपूछाकिसातवेदिनराक्षसआवेगा
कहोउसकापायक्याकरेंमंत्रीनेकहामहाराजआपकि
सीबातकीचिन्तानकीजेभगवानसबभलाकरेगा।इतना
कहमंत्रीनेसवामनकंचनकाएकपुतलाबनवाउसमेंज
वाहिरजडवाएकछकडेपररखवाचौराहेमेंखडाकरवा
करउसकेरखवालोंसेकहाकिजोकोईइसकेदेखनेको
आवेयहीउसेकहोकिजोब्राह्मणअपनेसातवरसकेल
डकेकाराजाकोसिरकाटनेदेसोइसेलेयहकहकरचला

आयाफिरलोगजोउसकेदेखनेकोआतेथेउससेचौकीदार
यहीकहतेथे।दोदिनतोयोंहीबीतेपरतीसरेदिनउसीनगर
काएकदुर्बलसाब्राह्मणाकिजिसकेतीनबेटेथेउहवातसु
नघरमेंआब्राह्मणीसेकहनेलगाकिएकपुत्रअपनाराजा
कोबलिकेवास्तेदेतोसवामनसोनेकापुतलाउसकेघर
मेंआवे।यहसुनब्राह्मणीबोलीकिछोटेलडकेकोमैनदूंगी
ब्राह्मणनेकहाबडेकोमैनदूंगायहबातसुनमझिलेनेक
हाकिपितामेरेतईंदीजेउसनेकहाअच्छाफिरब्राह्मणबोला
किसंसारमेंधनहीमूलहैऔरधनहीनकोसुखकहाऔर
जोदरिद्रीहुआउसकासंसारमेंआनाव्यर्थाहैइतनाकहम
झिलेलडकेकोलेजाचौकीदारोंकोदेउसपुतलेकोअपने
घरलेआयाऔरइधरउसलडकेकोलोगमंत्रीकेपासलेआ
येफिरजबसातदिनबीतगयेशुभराक्षसभीआयाराजाने
चन्दनअक्षतफूलधूपदीपनैवेद्यफलपानवस्त्रलेउसकी
पूजाकीऔरउसलडकेकोबुलाखड्गहाथमेंलेबलिदेने
कोखडाहुआइसमेंवहलडकापहिलेहसापीछेरोयाइत
नेमेंराजाखड्गमाराकिसिरजुदाहोगयासचहैजोज्ञानीक
हगएहैंस्त्रीसंसारमेंदुखकीखानहैऔरविनतीकाघरसा
हसकीगिरानेवालीऔरमोहकीकरनेवालीधर्मकीहरने
वालीऐसीजोविषकीजडहोउसेउत्तमकिन्नेकहाहैऔर
ऐसाकहाहैकिआपदाकेलियेधनरखियेऔरधनदेके।

स्त्रीकीरक्षाकीजेऔरधनस्त्रीदेकेअपनेजीकोबचाइये।इ
तनीकथाकहवैतालबोलाकिहेराजामरनेकेसमैआदमी
रोताहैतूइसकीहकीकतबताकिवुहहसाक्योंराजानेकहा
यहविचारिकेवुहहसाकिबालकपनमेंमातारक्षाकरती
हैऔरबड़ेहुएसेपितापालताहैसमैअसमैरैयतकीराजा
सहायकरताहैसंसारकायहरीतहैऔरमेरायहहालहैकि
मातापितानेधनकेलोभसेराजाकोदियाऔरयहखड्ग
लियेमारनेकोखड़ाहैऔरदेवताकेबलिकीइच्छाहैदया
किसीकोभीनआईयहसुनवैतालउसीपेड़परजालटका
औरराजाभीवोहीऊपरकेपहुचाऔरउसेबाधकांधेपर
रखलेचला॥०॥०॥०॥०॥०॥०॥०॥०॥०॥

॥बीसवीकहानी॥

वैतालबोलाकिएराजाविशालपुरनामएकनगरहैवहां
केराजाकानामविपुलेश्वरउसकेनगरमेंएकबनियाथा
तिसकानामअर्थदत्तऔरउसकीबेटीकानामअनङ्गम
ञ्जरीशादीउसकीकंवलपुरकेसुन्नीनामबनियेसेकरदी
थीकितनेएकदिनोंपीछेवुहबनियासमुद्रपारबनिजको
गयाऔरयहांजबयहजवानहुईतबएकदिनअपनेचौबा
रेपरखड़ीहुईरस्तेकातमाशादेखतीथीकीइसमेंएकब्रह्म
णबेटाकमलाकरनामचलाआताथाइनदोनोंकीचारनज
रेहुईऔरदेखतेहीमोहितहोगयेफिरघड़ीएकपीछेसूरत

संभालअश्मनेउसविरहसेव्याकुलहोअपनेदोस्तकाघरगयाऔ
रयहांयहभीउसकीजुदाईकीपीरसेनिपटबेचैनीमेथी।किइ
तनेमेसखीनेआनकेउठायापरइसेकुछअपनीसुधनथी
फिरउसनेगुलाबछिड़काऔरखुसबोइयासुंघाईकिइस
मेउसेहोसआयाऔरबोलीकीएकामदेवमहादेवनेतुझे
जलाकरभस्मकिया।तिसपरभीतूअपनीखुटाईसेनहींचु
कताऔरबिनअपराधअबलाओकोआनकेदुखदेताहै
येबातेकररहीथीकिसांझहुईऔरचांदनजरआया।तबचां
दनीकीतरफदेखकेबोलीकिहेचन्द्रमाहमसुनतेथेकितु
ममेअमृतहैऔरकिरनोकिराहअमृतबरसातेहो।सोआज
मेरेपरतुमभीविषबरसानेलगी।फिरसखीसेकहाकियहां
सेमुझेउठाकरलेचलोकिमैचांदनीसेजलीमरतीहूं।तबउहउ
सेउठाकरचौबारेपरलेगईऔरकहातुझेऐसीबातेलाजन
हीआती।तबउनेकहाकिएसखीमैसबजानतीहूंपरमन्मथ
नेमुझेमारकेनिर्लज्जकियाऔरमैधीरजबहुतेराकरतीहूं
परविरहकीआगसेजौजौजलतीहूंत्यौंत्यौंमुझेघरविषसान
जरआताहैसखीबोलीकितूखातिरजमारखमैतेरासबदु
खदूरकरूंगी।इतनाकहसखीअपनेघरगईऔरइसनेअपने
जीमेविचारकिइससरीरकोउसकेकारणतजूंऔरफिर
केजन्मलेउससेमिलसुखभोगकरूंयहकामनाकरगले
मेफांसीडालचाहेकिखैचेइतनेमेसखीआपहुंचीऔरउस

मेंझपरउसेगलेसेरस्सीनिकालकरकहाजीनेसेसबकुछ
हैमरनेसेकुछभीनहीबुहबोलीकिएसेदुखपानेसेमरना
भलाहैसखीनेकहाकिएकघडीसुसनाकिमैउसेजाके
रलेआतीहूंइतनाकहवहांगईजहांकमलाकरथाफिर
उसेछिपकेदेखातोवुहभीविरहसेव्याकुलहोरहाहैऔ
रउसकामित्रगुलाबकेपानीसेचन्दनघिसघिसउसके
बदनमेलगाताहैऔरकेलेकेकोमलकोमलपानोसेप
वनकररहाहैतिसपरभीविरहकीआगसेवुहघबराक
रजलाहीजलापुकारताहैऔरमित्रसोकहताहैकिजह
रलादेमैअपनेप्राणत्यागकरइसकष्टसेछूटूं।इसकीयह
अवस्थादेखउसनेअपनेजीमेकहाकेसाहीसाहसीपंडि
तचतुरविवेकीधीरमनुषहोपरकामदेवउसेएकछण
मेबेकलकरदेताहैइतनाअपनेमनमेविचारकरसखीने
उससेकहाएकमलाकरतेरेतईंअनङ्गमञ्जरीनेकहाहै
कितूमुझेआकेजीदानदेइसनेकहायहतोउन्नेमुझेजीदा
नदिया।इतनाकहउठखडाहुआऔरसखीइसेअपने
साथलियेहुयेउसकेपासगईयहवहांजाकेदेखेतोवुहमु
ईहुईपडीहैफिरउन्नेभीएकआहकाअनरःमाराकिउस
केसाथइसकादमनिकलगया।औरजबसुवहहुईउसके
घरकेलोगइनदोनोकेमरघटमेलेगएऔरचिताबुनक
रउन्हेरखकेआगलगाईथी।किइसमेउसकाखाविन्दभी

परदेशशेमरघटकेएहआनिकलातबलोगोकेरोनेकीआ
वाजसुनकरएहवहांगयातोक्यादेखताहैकीइसकीस्त्री
परपुरुषकेसाथजलतीहै। यहभीविरहमेव्याकुलहोउसी
आगमेंजलकेमरगयायहखवरनगरकालोगसुनकेआ
पसमेकहनेलगेकिएसाअचरजनआंखोदेखानकानो
सुना इतनीकथाकहवैतालबोलाकिएराजा इनतीनोमे
सेकौनसाअधिककामीहुआराजाबोलाकिउसकाखा
विंदअधिककामीहुआवैतालनेकहाकिसकारणराजा
नेकहाजिसनेआपनीनारीकोऔरकेअर्थसुईदेखक्रोध
त्यागकरउसकाप्रेममेमगनहोजीदियावुहअधिकका
मीहुआयहवातसुनवैतालफिरउसीदरखतपरजाल
टका राजाभीवोहीजाउसेवाधकांधेपररखलेचला २०

॥ इक्कीसवीकहानी॥

वैतालवोलाएराजाजयस्थलनामनगरवहांकावर्धमा
ननामराजाउसकेनगरमेविष्णुस्वामीनामएकब्राह्मण
कीउसकेचारवेटेएकजुवारीदूसराकसवीवाजतीसरा
छिनालचौथानास्तीकएकदिनवुहब्राह्मणअपनेवेटे
कोसमझानेलगाकिजोकोईजूआखेलताहैउसकेघ
रमेलक्ष्मीनहीरहतीयहसुनवुहजुवारीअपनेजीमेवहु
तदिकहुआऔरफिरउनेकहाकिराजनीतिमेएसेलि
खताहैकिजुवारीकीनाककानकाटदेशसेनिकालदेना

इसीलिये उत्तम है कि और लोग जूवा न खेलै। और जुवारी के
जो रुलड के को घर से होते भी घर में न जानिये क्यों कि नही
मालूम कि सब कहा हार दे और जो वेश्या के चरित्रो पर मोहि
त होने है सो अपने जी को दुख बिसाहने है और कसबी के
वस में हो सरवस अपना दे अन्त को चोरी करते है और ऐ
स कहा है कि जो नारी आदमी के मन को एक घड़ी में मोह ले
ऐसी नारी से ज्ञानी दूर रहते है और अज्ञानी उसमे प्रीत कर
अपना सत सील लज्ज आचार नेम धर्म सब खोते है और उ
स को अपने गुरु का उपदेस भला नही लगता और ऐसे क
हा है कि जिसने अपनी लाज खोई दूसरे को वुह कब बेहुर
मत करने से डरता है और मसल है कि जो बिलाव अपने ब
चे को खाता है सो चूहे को कब छोडेगा फिर कहने लगा कि
जिन्होने बालकपन से विद्या न पढी और जवानी मे काम से
आतुर हो जोवन के गर्व मे रहे सो बुढ़काल मे पछता कर
हिरस के आग मे जलते है यह बात सुन उन चारो ने आप
स मे विचार कर कहा कि विद्याहीन पुरुष के जीने से मरना
भला है इससे उत्तम यह है कि बिदेस मे जाकर विद्या पढि
ये। यह बात आपस मे ठान वे एक और नगर मे गए और
कितनी एक मुद्दत के बाद पढके पण्डित हो अपने घर को
चले राह मे देखने क्या है कि एक कञ्जर मुरद्दे सेर की ह
डी चमडा जुदा कर गठरी बांध चाहे की ले जाय इसमे उन्होने

आपसमेकहाकिआओअपनीअपनीविद्याअजमावेयह
उहाएकनेउसेवुलाकरकुछदियाओरवुहमोटलेउसेवि
दाकियाओररस्तेसेकनारेहोउसमोटकोखोलएकनेस
रीहडियाजावजालगामंत्रपढछींटामाराकिवेहाडलग
गयेदूसरेनेइसीतरहसेउनहडियोपरमासजमादियाती
सरेनेइसीभांतिसेमासपरचामविठादियाचौथेनेइसीरी
तिसेउसेजिलादियाफिरउहउठतेहीइनचारोकोखागय
इतनीकथाकहवैतालवोलाएराजाउनचारोमेकौनअधि
कमूरखथाराजाविक्रमनेकहाजिसनेउसेजिलादिया
सोईवडामूरखथाओरएसाकहाहैकिवुद्धिविनाविद्या
किसकामकीनहीवल्किविद्यासेवुद्धिउत्तमहैओरवुद्धि
हीनइसीतरहमरतेहैजैसेसिंहकेजिलानेवालेमुएयह
सुनवैतालउसीदरखतपरजालटकाफिरराजाउसीतर
हवांधकांधेपररखलेचला॥ २१ ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥

॥वाईसवीकहानी॥

वैतालवोलाएराजाविश्वपुरनामनगरवहांकाविदग्ध
नामराजाउसकेनगरमेनारायणनामब्राह्मणथावुहए
कदिनअपनेमनमेचिन्ताकरनेलगाकिमेरासरीरवृद्ध
हुआओरमैदूसरेकीकायामेपैठनेकिविद्याजानताहूंइ
समेविहतरयहहैकिइसपुरानीदेहकोछोडओरकिसुज
वानकेशरीरमेजाकेभोगकरूंजववुहयहअपनेजीमे
विचारकरचुकाओरएकजरणशरीरमेपैठनेलगातोप

हलेरोपाऔरपीछेहसाफिरउसमेपैठकेअपनेघरमेआ
यालेकिनइसकेसारेकुटुम्बकेलोगउसकेकारतबसेवा
किफथेफिरउनकेआगेकहनेलगाकिमैंअबजोगीहु
आइतनाकहकेपढनेलगाआशाकेशरोवरकोतप१
स्थानकेतेजसेसुखातिसमेमनकोरखइन्द्रियोकोसि
थिलकरेसोजोगीचतुरकहावे। औरयहगतिसंसार
केलोगोकीहैकिअऊंगलेमुंडहिलेदांतगिरेबुढेहो
लाडोलफिरेतोभीतृस्नानहीमिटतीऔरइसीतरहसे
कालचलाजाताहैदिनहुआरातहुईवरसहुआमही
नाहुआबालकहुआबूढाहुआऔरकुछनहीमालू
मकिमैकौनहूंऔरलोगकौनहैऔरकौनकिसलि
येकिसुकासोगकरताहैएकआताहैएकजाताहैऔ
रअगनकालसबजीजानेवालेहैइनमेसेएकनरहेगा
अनेकअनेकअज्ञहैऔरअनेकअनेकमनहैऔ
रअनेकरमोहहैभांतिभांतिकेपाषंडब्रह्मानेरचेहै
परबुद्धिमानइनसेबचेआशाऔरतृस्नाकोमारसि
रमुंडाहाथमेदंडकमंडललेकामक्रोधकोमार
जोगीहोनऊंपावतीर्थतीर्थडोलतेफिरतेहैसोमोक्ष
पदार्थपातेहैऔरयहसंसारसुपनेकीतरहहैइसमे
किसकीखुसीकीजिएऔरकिसकागमऔरकेले
केगाभेकीतरहसंसारहैइसमेसारकिछुनहीऔरख

नमौवनविधाकाजोगभेकरतेहैसोअज्ञानहैऔरजोजोगीहो
कमण्डलहाथमेलेवारवारभीषमागदूधघीचीनासेअपनेश
रीरकोपुष्टकरकामातुरह्वोस्त्रीसेभोगकरतेहैसोअपनाजो
गखोतेहैइतनापढकरवुहवोलाकिअवमेतीर्थजात्राकरूंगा
यहवातसुनउसकेकुटुम्बकेलोगवहुतखुसहुएइतनीकहा
नीकहवैतालवोलाहेराजाकिसकारणवुहरोयाऔरकि
सकारणहसातवराजानेकहाकिवालकपनकामाकाप्या
रऔरजवानीकासुखपाटकरऔरइतनेदिनोउसदेहकेरहने
केमोहसेरोयाऔरअपनीविद्यासिद्धकरकेनईकायामेपैठके
सुखीसेहसायहवातसुनवैतालउसीपेडपरजालटकाफिर
राजाउसीतरहसेवाधकांधेपररखलेचला॥ २२॥ ॥ ॥

॥तेइसवीकहानी॥

वैतालवोलाहेराजाधर्मपुरनामनगरहैवहांकाधर्मध्वजना
मराजाहैउसकेशहरमेगोविन्दनामब्राह्मणचारोवेदछहो
शास्त्रकाजाननेवालाथाऔरअपनेधर्मकर्ममेसावधानऔ
रहरिदत्तसोमदत्तयज्ञदत्तब्रह्मदत्तउसकेचारबेटेबडेपंडि
तबडेचतुरऔरअपनेवापकीआज्ञामेसदारहतेथेकितने
एकदिनपीछेउसकाबडावेटामरगयाऔरवुहभीउसकेदु
खमेमरनेलगाजिससमैवहांकेराजाकापुरोहितविस्नुशर्मा
आनकरउससेसमझानेलगाकियहमनुष्यजिससमैमावे

गर्भमेआताहैपहलेवोहीदुखपाताहैदूसरेजवानीमेकामके
वसहोप्रीतमकेवियोगसेदुःखसहताहैचौथेबूढाहोअपने
शरीरकेनिरबलहोनेसेअजीयतमेपडताहैगरजसंसारमे
जन्मलेनेसेदुखबहुतहोतेहैऔरसुखथोडाक्योंकियहसं
सारदुखकामूलहैअगरकोईदरखतकीफुनङ्गपरजाबैठे
यापहाडकीचोटीपरजाबैठेयापानीमेछिपरहेयालोहेकेपि
जरेमेघुसरहेयापातालमेजाछिपेतोभीकालनहीछोडता
औरपण्डितमूरखधनवाननिर्धनज्ञानीबलवाननिरबल
केसाहीकोईहोवेपरयहसर्वभक्षीकालकिसूकोनहीछो
डतातमामसौबरसकीमनुषकीआरबलहैतिसमेसेआ
धीतोरातमेजातीहैऔरआधीकीआधीबालऔरबृद्धअ
वस्थामेसेषजोरहीसोविवादवियोगशोगमेगुजरतीहै
औरजीजोहैपानीकीतरङ्गकीतरहचंचलहैइससेइसम
नुषकोसुखकहाऔरअबकलियुगकेसमैमेसत्यवादीम
नुषमिलनेदुल्लभहैऔरदिनबदिनदेशउजडतेहैराजालो
भीहोतेहैपृथिवीमन्दफलदेतीहैचोरदुराचारीपृथ्वीमेउ
पाधकरतेहैऔरइसमेतपसतसंसारमेथोडारहाहैराजाकुटि
लब्राह्मनलालचीलोगलोगाईकेबसहुएस्त्रीचंचलहुई
पिताकेनिंदापुत्रकरनेलगेऔरमित्रशत्रुताऔरदेखोजि
सकामामाकृष्णथाऔरपिताअर्जुनतिसअभिमनुकोभी
कालनेनहीछोडाऔरजिससमैमनुषकोयमलेजाताहै

लक्ष्मीउसकेघरमेरहतीहैऔरमावापजोसालडकाभाई
वन्धुकोईकामनहीआताभलाईबुराईपापपुन्यहीसाथ
जाताहैऔरवहीकुनवेकेलोगउसेमरघटमेलेजाज
लादेतेहैऔरदेखोइधररातविनीनहोतीहैउधरदिन
आताहैइधरचादअस्तहोताहैउधरसूरजउदै। इसेही
जवानीजातीहैबूढापाआताहैइसीतरहसेकालवी
ताचलाजाताहैपरयहदेखकरभीइसमनुषकोज्ञान
नहीहोताऔरदेखोसत्ययुगमोमान्धाताऐसाराजाकि
जिसकेधर्मकेजससेसारीपृथ्वीकोछादियाथाऔरत्रे
तामेश्रीरामचंद्रराजाकिजिसनेसमुद्रकापुलवाधाल
कासागढतोडरावणकोमाराऔरद्वा परमेयुधिष्ठिर
नेऐसाराजकियाकिजिसकाजसअवतकलोगगाते
हैपरकालनेउन्हेभीनछोडाऔरअकासकेउडनेवा
लेपक्षीऔरसमुद्रकेवहनेवालेजीवसमैपापवेभीआ
पत्यमेआपडतेहैइससंसारमेआकेदुखसेकोईनहीछू
टाइसकामोहकरनावृथाहैइससेउत्तमयहहैकिधर्म
काजकीजियेइसतरहभेजवविष्णुशर्म्मानेसमझायात
वउसब्राह्मणकेजीमेआयाकिअवपुण्यकाजकीजि
येयहमनमेउसनेसोचकरअपनेवेटोमेकहामैजवतक
नैवैठताहूंतुमसमुद्रमेजाकरकछुआलेआओअपने
पकीआज्ञापाएकधीमरसेजाकरउन्होनेकहाकिए

करुपैआलेऔरकच्छपपकड़ेउसनेलियाऔरपकड़दि
यातबउनमेसेबड़ेभाईनेमझलेसेकहातूउठालेउसनेछोटे
सेकहाभाईतूउठालेउसनेकहाकिमैंइसेनछूऊंगामेरे
हाथमेदुर्गन्धआवेगीऔरमैंभोजनकरनेमेचतुरहूंमझ
लाबोलाकिमैंनारीरखनेमेचतुरहूंबड़ेनेकहामैंसेजप
रसोनेमेचतुरहूंइसतरहतीनोविवादकरनेलगेऔरएक
हुएकोवहीछोड़झगड़तेहुएराजाकेद्वारपरजाद्वारपा
लोसेकहाकितीनब्राह्मणफिरियादीआयेहैयहजाके
तूराजासेकहयहसुनकेदरवाननेराजाकोखबरदीराजा
नेबुलवाकरपूछाकितुमकिसवास्तेआपसमेझगड़तेहो
तबउनमेसेछोटाबोलाकिमहाराजमैभोजनमेचतुरहूं
मझलेनेकहाकिपृथ्वीनाथमैनारीमेचतुरहूंबड़ेनेकहा
किधर्म्मावतारमैसेजमेचतुरहूंयहसुनराजानेकहाकि
अपनीअपनीपरिक्षादोइन्होनेकहाबहुतअच्छाराजाने
अपनेरसोईकोबुलाकरकहाकिभांतिभांतिकेव्यञ्जन
औरपकवानबनाकेइसब्राह्मणकोअच्छीतरहभोजन
औरपकवानआयहसुनरसोइयेनेजारसोईतैयारकरउस
भोजनचतुरकोलेजाथालपरबिठायाचाहेकिवहखास
उठाऊसुहमेदेकिइसमेदुर्गन्धआईउसेछोड़हाथधोराज
केपासआयाराजानेपूछाकितूनेसुखसेभोजनकियातब
उसनेकहाकिमहाराजअन्नमेदुर्गन्धआईमैनेभोजननकि

याफिरराजानेकहादुर्गंधकाकारणकहउसनेकहामहा
राजमरघटकीभूमिकेचावलथेमुरदेकीबूउसमेसेआती
थीइसकारणनखाया।यहसुनकेराजानेअपनेभंडारीके
बुलाकरपूछाअरेयेकिसगांवकेचावलथेउसनेकहाम
हाराजशिवपुरकेराजानेकहावहांकेकिसानकोबुला
ओतबभंडारीनेउसगांवकेजिमीदारकोहजूरमेंबुला
वाहाजिरकियाराजानेउसेचौधरीसेपूछाकियेचावलकि
सभूमिकेहैंउसनेकहाकिमहाराजसमशानकेहैंयहसुन
केराजानेउसब्राह्मणकेलडकेसेकहाकितूसचभोजन
मेंचतुरहै।फिरनारीचतुरकोबुलवाएकमकानमेंपलंग
बिछवासबखुशीकेसमानरखवाएकअच्छीस्त्रीकोबुल
वाउसकेपासरखवादिया।औरवेदोनोंआपसमेंलेटेहुएबा
तेंकरनेलगे।राजाछिपकेझरोखेमेंदेखनेलगा।औरउस
ब्राह्मणनेचाहाकिउसकाबोसःलेइसमेंउसकीमुहकीब
सपामुहफेरसोरहा।राजानेयहचरित्रदेखअपनेमन्दिरमें
जाकरआरामकिया।भोरकेसमैउसदरबारमेंआकरउस
ब्राह्मणकेबुलाकेपूछाकिहेब्राह्मणआजकीराततूने
सुखसेकाटी।उसनेकहामहाराजसुखनपाया।फिरराजा
नेकहाकिसकारणब्राह्मणनेकहाकिसकारणब्राह्मण
नेकहाउसकेमुहसेबकरीकीगन्धआतीथीइससेजीमे
राबहुतबेचैनरहायहसुनराजानेकुटनीकोबुलाकरपूछा

किइसेनकहासेल्याईथीऔरयहकौनहैउसनेकहायहमेरीव
हिनकीबेटीहैजवतीनमहीनेकीथीतवइसकीमामरगईऔ
रमैनेइसेवकरीकादूधपिलापिलाकरपालाहै। यहसुनरा जा
नेकहासचतूनारीचतुरहैफिरसेजचतुरकोअच्छेअच्छेवि
छौनाःकरवापलङ्गपरसुलवायाप्रभातहुयेराजानेउसेवुला
करपूछाकरातभरसुखसेसोयाउसनेकहामहाराजरातभर
नीदनआईराजानेकहाकिसकारनउसनेकहामहाराजइस
सेजकेसातवींतहमेंएकवालहैवुहमेरीपीठमेंचुभताआइस
सेनीदनआईयहसुनराजानेउसविछौनेकीसातवींतहमेंदे
खातोएकवालनिकलातवउसेकहाकितूसचसेजचतुरहै
इतनीवातकहवैतालनेपूछाउनतीनोंमेंकौनअतिचतुरहै
राजाविक्रमाजीतनेकहाजोसेजचतुरहैयहसुनवैतालफिर
उसीदरखतपरजालटकाराजाभीवोहीजाउसेवांधकांधे
पररखलेचला॥ २३॥ चौवीसवींकहानी॥ ॥:
वैतालनेकहाएराजाकलिङ्गदेशमेंएकयज्ञशर्म्मानामब्रा
ह्मणथातिसकीस्त्रीकानामसोमदत्ताअतिरूपवतीथीवुहब्रा
ह्मणयज्ञकरनेलगाइसमेंउसस्त्रीकेएकसुंदरलड़काहु
आजववुहपाचवरषकाहुआतववापउसकोशास्त्रपढानें
लगावारहवरसकीउमरमेंवुहसवशास्त्रपढकेवडापण्डित
हुआऔरसदाअपनेबापकीसेवामेंरहनेलगाकितनेएक
दिनवीतेवुहलड़कामरगयाउसकेसोगसेमानावड़ाबि(

हारोनेलगेयहखवरपासपड़ोसकेलोगआयेऔरउस
लड़केकोअरथीमेवांधकरमसानमेलेगयेऔरवहांजा
उसेदेखदेखआपसमेकहनेलगादेखोमुएपरभीसुन्दर
लगताहैइसीतरहसेवातेकरनेथेऔरचितासुनतेथेकिव
हांएकजोगीवैठातपस्याकररहाथायहवातसुनवुहअप
नेजीमेविचारनेलगाकिमेराशरीरअतिवृद्धहुआजोइस
लड़केकेशरीरमेपैठूंतोसुखसेजोगकरूंयहसोचकरउ
सलड़केकेशरीरमेपैठकरकरवटलेरामकहएसाउ
ठवैठाजैसेकोईसोनेसेउठवैठेयहदेखनमामलोगअचं
भेमेअपनेअपनेघरआयेऔरउसकेवापकोयहअचर
जदेखवैरागहुआपहलेहँसापीछेरोयाइतनीकथाकह
वैतालवोलाएराजाविक्रमकहक्योंवुहहंसाऔरक्योंरो
या तवराजानेकहाजोगीकोइसकेसरीरमेजानेदेखऔ
रयहविद्यासिखकरहसाऔरअपनेसरीरकेछोड़नेकेमो
हसेरोयाकिएकदिनइसीतरहमुझेभीअपनाशरीरछोड़न
पड़ेगायहसुनवैतालफिरउसीदरखतपरजालटकाऔ
रराजाभीपीछेजाउसेवांधकांधेपररखलेचला॥ २४ ॥

॥ पचीसवींकहानी॥

तववैतालवोलाएराजादक्षिणदिशामेधर्मपुरनगरहै
वहांकेराजाकानाममहावलएकसमेउसीदेशकोएक
औरराजाफौजलेचढ़आयाऔरउसकानगरआनघेरा

कितनेएकदिनोलडनारहाजवसेनाइसकीमिलगईश्रोर
कुछकटगईतवलाचारहोराजाकेवक्तराणीकोवेटीसमेतसा
थलेजङ्गलमेनिकलगयाजवकईएककोसवनमेपहुचा
तोप्रभातहुश्राश्रोरएकगावनजरश्रायातवराणीश्रोरराज
कन्याकोएकपेडतलेविठलाश्रोरश्रापगावकीतरफखाने
काकुछसामानलेनेचलाथाकिइसमेभीलोनेश्रानघेरा
श्रोरकहाहथियारडालदेयहसुनकेराजानेतीरमारनाशु
रूकियाश्रोरउसमरमेउन्होनेइसतरहएकपहरलडाईर
हीश्रोरकितनेएकलोगभीलोकेमारेगएइतनेमेएकतीर
राजाकेकपालमेऐसालगाकिभैराकेगिरपडाश्रोरएकने
श्राराजाकासिरकाटलियाजवराणीश्रोरराजकन्यानेरा
जाकोमुश्रादेखातोरोतीपीटतीउलटीवनकोचलीइसीतरह
सेकोसदोएकचलमादीहोकेवेठीश्रोरश्रनेकश्रनेकभा
तिकीचिन्ताकरनेलगीइसमेचन्द्रसेननामराजाश्रोरउ
सकावेटादोनोशिकारखेलतेहुएउसीजंगलमेश्रानि
कलेश्रोरदोनोकेपावकेचिन्हदेखराजानेश्रपनेपुत्रसे
कहाकिइसयहावनमेश्रादमीकेपावकेनिशानकहासे
श्रायेराजपुत्रनेकहावनमेमहाराजयहचरणचिन्हस्त्री ॥
कोहैपुरुषकापावएसाछोटानहीहोताफिरराजपुत्रनेक
हाइसीसमेगईहैराजानेकहाकिचलोइसवनमेढूंढेजोमि
लेतोजिसकायहवडापावहैसोतुझेदूंगाश्रोरदूसरीमेलूंगा

इसतरहसेआपसमेवचनवन्दहोआंगनादेखेतोदोनोवै
ठीहुईहैउन्हेदेखखुशहोमुवाफिरकारंकआपनेअपनेघो
डेपरवैठाघरलेआयेराणीकोराजपुत्रनेरखाओरराजकन्या
कोराजानेइतनीकथाकहवैतालवोलाएराजाविक्रमउन
दोनोकेलडकोकाआपसमेक्यानातानाहोगायहसुनराजा
अज्ञानहोचुपरहाफिरवैतालखुसहोवोलाकीएराजामै
तेराधीरजओरसाहसदेखअतिप्रसन्नहुआपरएकवात
मैकहताहूंसोतूसुनकिजिसकेशरीरकेरोमसमानकाठो
केओरदेहकाठसीओरनामशांतशीलसोतेरेनगरमेआ
याहेओरतुझमेरलेनेकोभेजाहेआपवैठामरघटमेमंत्रज
गारहाहैओरतुझेमाराचाहताहैइसलियेमैजतादेताहूंकि
जववुहपूजाकरचुकेगातवतुझसेकहेगाकिएराजातूअ
ष्टांगदंडवतकरतवतूकहियोकिमैसवराजाओकाराजा
हूंओरसवराजाआनकेमुझेदंडवतकरतेहैमैनेआजतक
किसुकोदंडवतनहीकीओरमैनहीजानताआपगुरुहैमु
झेकृपाकरसिखादीजियेतोमैकरूंजववुहदंडवतकरेत
वएसाखड्गमारियोकिसिरजुदाहोजायतवतूअखंडराज
करेगाइतनीवातराजाकोचेतायवैतालउसमुरदेकेका
लिवमेनिकलकरचलागयाओरकुछरातरहतेवुहमुर
दालाराजानेजोगीकेआगेरखदियाजोगीनेउसकोदेख
कारखुशहोराजाकीवहुतसीवडाईकीफिरमंत्रपढउसमु

रदेकोजगाहोमकरवलदियाऔरपानफूलधूपदीपनैवेद्यधर
पूजाकरराजासेकहाकितूदंडवतकरतेराबडातेजप्रताप
होगाऔरअष्टसिद्धिनौनिद्धिसदातेरेघरमेरहेंगीयहसुन
राजानेवैतालकीवातयादकरहाथजोडनिपटअधीनता
सेकहाकिमहाराजमैंप्रणामकरनेनहीजानतामैंपरआ
पगुरुहैंजोकृपाकरकेशिखादीजियेतोमैंकरूंयहसुनजोगी
नेजैसेहीदंडवतकरनेकोसिरझुकायात्योंहीराजानेएकख
डगमाराकिसिरजुदाहोगयाऔरवैतालनेआनन्दहोलोकों
मेंखबरपायाऐसाकहाहैकिजोअपनीतईमाराचाहेउसे
मारनेसेपापनहींउससमेराजाकासाहसदेखइन्द्रसमे
तसबदेवताअपनेअपनेविमानोपरबैठवहांजैजैकारक
रनेलगेऔरराजाइन्द्रनेप्रसन्नहोराजावीरविक्रमाजीत
सेकहाकिवरमांगतबराजाहाथजोडकरकहामहाराजय
हकथामेरीसंसारमेप्रसिद्धहोइन्द्रनेकहाकिजबतकचांद
सूरजपृथ्वीआकाशस्थिरहैतबतकयहकथातेरीप्रसिद्ध
रहेगीऔरतूभूमिकाराजाहोगाइतनाकहराजाइन्द्रअप
नेस्थानकोगयाऔरराजानेउनदोनोंलोथोंकोलेउसते
लकेकडाहेमेडालदियातबवेदोनोवीरआहाजिरहुएऔ
रकहनेलगेकिहमेक्याआज्ञाहैराजानेकहाजबमैंयाद
करूंतबतुमआनाइसतरहसेउनसेवचनलेराजाअप
नेघरआराजकरनेलगाऐसाकहाहैकिपंडितहोपार

र्खलड़काहोयाजवानजोतुद्दिवानहोगाउसीकीजेहोगी ॥ २५ ॥

इतिवेतालपचीसीसंपूर्णशुभमस्तु ॥

श्रीकाशीविश्वनाथपुरीमेमहल्लाअगस्तकुंडाहरनारायणचौबेकेछापेखानेमेपोथीवेतालपचीसीछापीगईलिखागयादत्तपांडे ॥ छापनेवालेकानाम मेनसुख ॥ श्रीसंवत १९१३ मि० आषाढकृष्ण ५ तारीष २२ जिसलेनाहोयतोचाननीचोकमे रामकुमारमिश्रकेपास मिलेगी ॥ ० ॥ ॥